शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, गुरुवार 28 अगस्त 2025 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 05, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 141 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

ब्रीफ न्यूज

अहमदाबाद राष्ट्रमंडल खेल-2030 का दावेदार

नयी दिल्ली। भारत 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए अपनी दावेदारी पेश करेगा. ये दावेदारी इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित करने के लिए होगी. केंद्रीय केबिनेट ने बुधवार को इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की. पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने राष्ट्रमंडल खेल-2030 के लिए बोली पेश करने के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी.

15 को पूर्णिया एयरपोर्ट का पीएम करेंगे उद्घाटन

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच पीएम नरेंद्र मोदी अगले महीने 15 सितंबर को एक बार फिर बिहार आएंगे. यह जानकारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने दी. उन्होंने बताया कि पीएम मोदी 15 सितंबर को पूर्णिया आएंगे. वे पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे. इसके साथ ही सीमांचल को करोड़ों की योजनाओं की सौगात देंगे. मोदी के दौरे को लेकर भाजपा पूरी तरह सक्रिय हो चुकी है.

पुलिस मुठभेड़ में चार माओवादी हुए ढेर

गढ़चिरौली। पूर्वी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में छत्तीसगढ़ सीमा के पास बुधवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई. मुठभेड़ में चार माओवादी मारे गए हैं. मिली जानकारी के मुताबिक नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर गढ़चिरौली पुलिस की सी-60 कमांडो टीम ने कोपरशी गांव में तलाशी अभियान शुरू किया. तलाशी के दौरान नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई, जो लगातार जारी थी.

सीरिया पर ड्रोन हमला छह सैनिकों की मौत

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिणी इलाके में इजरायली ड्रोन हमलों में छह सीरियाई सैनिकों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं. यह जानकारी सीरिया की सरकारी मीडिया और एक युद्ध निगरानी संगठन ने दी. सरकारी टीवी चैनल के अनुसार, दमिश्क के दक्षिणी उपनगर किस्वाह में यह हमला हुआ. हमले में छह सैनिकों की जान चली गई. वहीं इस हमले पर इजरायली सेना ने अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है.

गिल की बादशाहत पर नहीं पड़ा असर

मुंबई। भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल और रोहित शर्मा आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं, जबकि विराट कोहली चौथे नंबर पर मौजूद हैं. वहीं हाल में मकाय में सीरीज के आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका पर रिकॉर्ड जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भी फायदा मिला है. हालांकि सीरीज दक्षिण अफ्रीका ने जीती. गिल (784 रेटिंग अंक) और रोहित (756) क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि पाकिस्तान के बाबर आजम (739) शीर्ष तीन में शामिल हैं. कोहली के 736 अंक हैं.

• नीरज सिंह (फाइल फोटो)

नीरज हत्याकांड में संजीव सिंह समेत सभी आरोपी बरी

कोर्ट ने कहा, अभियोजन आरोपियों के विरुद्ध लगाए गए आरोप को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा

- फैसले के बाद सिंह मेंशन समर्थकों में जश्न, बंटी मिठाइयां, मैंशन के बाहर जमकर आतिशबाजी
- फैसले को लेकर कोर्ट परिसर से लेकर कचहरी रोड में थी सख्त सुरक्षा व्यवस्था

शुभम संदेश। धनबाद

कोयलांचल के बहुचर्चित नीरज सिंह हत्याकांड मामले में विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने बुधवार को अपना फैसला सुना दिया. इस सनसनीखेज मामले में झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह समेत सभी 10 आरोपियों को बरी कर दिया गया. कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष अपराध को साबित करने में विफल रहा. यह फैसला 21 मार्च 2017 को हुई पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह और उनके तीन साथियों अशोक यादव, घल्टू महतो और मुन्ना तिवारी की हत्या से जुड़ा है, जिसमें सैकड़ों राउंड गोलियां चलाई गई थीं. फैसले के दिन कोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व थी. कोर्ट के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया था और परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया था. कोर्ट तक पहुंचने वाले हर रास्ते में पुलिस की चेकिंग चल रही थी. सिर्फ इतना ही नहीं शहर के हर प्रवेश मार्ग पर पुलिस की तैनाती थी. बावजूद इसके फैसले से पहले कोर्ट के बाहर संजीव सिंह के समर्थकों की भारी भीड़ जमा थी.

जैसे ही कोर्ट ने संजीव सिंह और अन्य आरोपियों को बरी करने का ऐलान किया, समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई. कोर्ट परिसर के बाहर "संजीव सिंह जिंदाबाद" के नारे गूंजने लगे. समर्थकों ने इसे "सत्य की जीत" करार दिया. संजीव सिंह की पत्नी और झरिया की वर्तमान बीजेपी विधायक रागिनी सिंह ने कहा, हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा था. आज असत्य पर सत्य की जीत हुई है. नीरज सिंह हत्याकांड कोयलांचल की सियासत में वर्चस्व की लड़ाई से जोड़ा जाता रहा है. नीरज सिंह और संजीव सिंह, जो चचेरे भाई थे, एक ही राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखते थे, लेकिन उनके बीच लंबे समय से तनाव था. इस हत्याकांड ने 2017 में पूरे धनबाद में सनसनी फैला दी थी. संजीव सिंह 2017 से जेल में थे और हाल ही में 8 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट से उन्हें जमानत मिली थी. फैसले के बाद संजीव सिंह के समर्थकों ने धनबाद में जश्न मनाया. एक दूसरे को मिठाई खिलाई और सिंह मैंशन के बाहर जमकर आतिशबाजी भी हुई. रागिनी सिंह ने कहा कि संजीव जल्द ही जनता की सेवा में फिर से जुटेंगे. दूसरी ओर, नीरज सिंह के समर्थकों में निराशा देखी गई.

समर्थकों की भीड़

प्रशासन मुस्तैद

ये हुए बरी

झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह, संजय सिंह, डब्लू मिश्रा, धनजी सिंह, पिंटू सिंह, संजीव सिंह, सोनू उर्फ कुर्बान, सागर उर्फ शिबू, चंदन उर्फ सतीश ,विनोद कुमार सिंह, पंकज सिंह.

अस्पताल से स्ट्रेचर पर कोर्ट पहुंचे संजीव सिंह

धनबाद। संजीव सिंह को जमानत मिलने के बाद भी उनका इलाज जारी है. जमानत के बाद उनका धनबाद से बाहर इलाज चल रहा था. फैसले को लेकर उन्हें धनबाद पहुंचना था. इस कारण वे धनबाद आए. उन्हें स्ट्रेचर के माध्यम से कोर्ट लाया गया. फैसले सुनाने के बाद उन्हें एंबलेंस के माध्यम से कोर्ट से ले जाया गया. हालांकि समर्थकों ने उन्हें देखकर जमकर नारेबाजी की.

टाइमलाइन

3:29 : अभिषेक सिंह अपने दो भाई व वकील के साथ पहुंचे कोर्ट रूम
3:32 : जेल में बंद तीन अभियुक्तों को वीसी से पेश करने की प्रक्रिया
3:35 पंकज व संजय सिंह के अधिवक्ता पंकज प्रसाद पहुंचे कोर्ट रूम
3:38 : फैसला सुनने के लिए कोर्ट रूम के बाहर वकीलों खचाखच भीड़
3:39 : पुलिस ने वकीलों को को कोर्ट रूम के अंदर जाने से रोका, हंगामा शुरू
3:39 : धक्का-मुक्की शुरू
3:41 : एसपी पहुंचे कोर्ट रूम
3:44 : वीसी से बिनोद सिंह की धनबाद जेल से हुई पेशी
3:48 : एपीपी सतेन्द्र राय पहुंचे कोर्ट रूम
3:51 : संजीव सिंह को कोर्ट रूम मे लाने के लिए एसएसपी ने बाहर भीड़ को कंट्रोल करने का दिया आदेश
3:56 : कुरबान के अधिवक्ता केके तिवारी पहुंचे कोर्ट
3:57 : पंकज सिंह, धनजी सिंह और संजय सिंह पहुंचे कोर्ट रूम
3:58 : पिंटू सिंह पहुंचे कोर्ट रूम
3:58 : डब्लू मिश्रा पहुंचे कोर्ट रूम
4:05 : स्ट्रेचर पर संजीव सिंह को कोर्ट रूम के अंदर पीछे के गेट से कड़ी सुरक्षा में लाया गया

4:09 : कार्रवाई हुई शुरू, कोर्ट ने पहले डब्लू मिश्रा का नाम पुकारा. फिर एक एक करके सभी अभियुक्तों का कुर्बान के विषय में पूछा क्यों नहीं आया
4:13 : डब्लू मिश्रा शान्त, संजय सिंह मन ही मन कर रहे मंत्र का जाप, चेहरे से बुदबुदाने के आवाज, धनजी भी हाथ जोड़ कर कर रहे थे ईश्वर को याद
4:15 : पिंटू के चेहरे पर बेचैनी
4:19 : कुरबान अली गूगल मीट के द्वारा कोर्ट में हुए पेश
4:20 जज ने फैसला पढ़ना किया शुरू
4:23 : कहा, सभी आरोपित किए गए रिहा. अभियोजन आरोपियों के विरुद्ध लगाए गए आरोप को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा.

शाम का अंधेरा फैलने से पहले बुझ गए थे चार घरों के चिराग

कोयला राजधानी धनबाद 21 मार्च 2017 की उस भयावह शाम को आज भी नहीं भूल पाई है, जब ठीक शाम 7 बजे शहर की सड़कों पर गोलियों की तड़तड़ाहट ने दहशत का ऐसा मंजर बना दिया था कि लोग सहम उठे थे. अंधाधुंध फायरिंग में नीरज सिंह, उनके करीबी अशोक यादव, निजी अंगरक्षक मुन्ना तिवारी और ड्राइवर घोल्टू की मौके पर ही मौत हो गई थी.

शाम का समय था और अंधेरा हो रहा था. इसी बीच सरायढेला स्टील गेट के जिगजैग ब्रेकर के पास नीरज की काली रंग की स्कार्पियो धीमी होती है. इससे पहले ही स्कार्पियो जिगजैग को क्रास करती, तभी उनके चालक को सामने से चलाई गई एक गोली आकर लगती है. इसके बाद फिर गोलियों की तड़तड़ाहट से इलाका गूंज उठता है. स्कार्पियो में नीरज सिंह आगे में चालक के बगल वाली सीट पर बैठे होते हैं, जो गोलियों से छलनी हो जाते हैं और उनके साथ स्कार्पियो पर सवार अन्य तीन लोगों की भी मौत हो जाती है. पुलिस रिकार्ड के मुताबिक शूटरों ने नाइन एमएम पिस्टल से गोलियां चलाई थी. पुलिस के मुताबिक चार शूटर थे और उन्होंने गोलियां खत्म होने के बाद अपने मैगजीन भी बदले थे और फिर फायरिंग की थी. यानी कि पिस्टल की गोलियां खत्म होने के बाद फिर से पिस्टल में गोलियां लोड की गई और फिर गोलियां बरसाई गई थी. एक महिला चश्मदीद जो स्कूटी पर सवार थी, उसने शूटरों को देखा था. उसने वारदात के बाद बताया था कि वो भी ब्रेकर के पास ही गिर गई थी. गोलियां चलने की आवाज पर उसने देखा था कि एक शूटर दनादन फायर कर रहा था. एक बार उसने अपनी पिस्टल का मुंह उस महिला की तरफ भी किया था, तब महिला डर के मारे आंखें बंद कर वहीं सड़क पर ही लेट गई थी. थोड़ी देर बाद जब गोलियों की आवाज बंद हुई तो उसने अपनी आंखें खोली थी. तब तक शूटर वहां से फरार हो चुके थे. तब महिला की जान में जान आई थी.

जाते-जाते गर्दन पर मारी थी गोली : शूटरों ने पहले तो वाहन पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी. इसके बाद जब उन्हें लगा कि सभी को मौत के घाट उतार दिया है. तब जाकर उनमें से एक शूटर खुद नीरज सिंह की सीट की तरफ गया, वहां जाकर उसने नीरज सिंह को करीब से देखा और फिर अपनी पिस्टल से एक गोली नीरज सिंह की गर्दन पर भी चलाई थी. शूटर का इरादा था कि नीरज सिंह के जिंदा बचने का कोई चांस न हो, और हुआ भी ऐसा ही. गोलियों से छलनी नीरज सिंह की मौत हो गई.

सुप्रीम कोर्ट ने दिया था छह माह में मुकदमे के निष्पादन का आदेश

शुभम संदेश। धनबाद

नीरज सिंह हत्याकांड में सर्वोच्च न्यायालय ने 22 मार्च 25 को एक बड़ा आदेश देते हुए नीरज सिंह हत्याकांड की सुनवाई 6 माह में पूरी करने का आदेश मामले की सुनवाई कर रहे जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनबाद की अदालत को दिया था. मामले के सूचक अभिषेक सिंह ने सर्वोच्च न्यायालय में एसएलपी संख्या 17990/24 दायर कर गुहार लगाई थी कि इस मामले में बीते 8 वर्षों से फैसला नहीं हो पाया है. बचाव पक्ष लगातार इसे लंबा खींचने का प्रयास कर रहा है, जिस पर सुनवाई के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने छह माह में सुनवाई पूरी करने का आदेश दिया था.

मार्च से अगस्त तक लगातार 95 तारीख : सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए समय के मुताबिक 14 अगस्त में छह माह की अवधि पूरी होने वाली थी। लिहाजा सुनवाई कर रही अदालत ने 22 मार्च 25 से मुकदमे में लगातार सुनवाई शुरू हुई 22 मार्च 25 से लेकर लगातार 13 अगस्त 25 तक सुनवाई के दौरान मुकदमे में कुल 95 तारीख पड़े. इस दौरान बचाव पक्ष ने अपना साक्ष्य और बहस की.

तारीख दर तारीख हत्या से फैसले तक का सफर

21 मार्च 17 नीरज सिंह, अशोक यादव, घोल्टू महतो,मुन्ना तिवारी की हत्या
22 मार्च 17 एसआईटी, सीआईडी, फोरेंसिक टीम पहुंची धनबाद
23 मार्च 17 अभिषेक ने कराया संजीव, मनीष सिंह,पींटू सिंह, गया सिंह, महंत पाडें पर एफआईआर
30 मार्च 17 संजय सिंह, धनंजय सिंह, पींटू सिंह, गिरफ्तार गये जेल
0 6 अप्रैल 17 धनंजय की बेल सीजीएम ने की खारिज
10 अप्रैल 17 जब्त खोखा खून लगा कपड़ा कोर्ट मे पेश
11 अप्रैल 17 संजीव, डब्लू मिश्रा गिरफ्तार गए जेल
12 अप्रेल 17 हथियार के तलाश में मैंशन में छापा
20 अप्रैल 17 संजीव रांची के होटवार जेल में शिफ्ट
0 1 मई 17 डब्लू मिश्रा को पुलिस ने लिया एक दिन के रिमांड पर
0 3 मई 17 संजय सिंह की बेल सीजीएम ने की खारिज
0 3 मई 17 यूपी एसटीएफ ने शूटर अमन सिंह को मिर्जापुर में किया गिरफ्तार
0 8 मई 17 शूटर अमन सिंह को लेकर धनबाद आई पुलिस कोर्ट में किया पेश गया जेल
0 8 मई 17 डब्लू मिश्रा की बेल सीजीएम ने की खारिज
0 9 मई 17 टीआईपी में चश्मदीद आदित्य राज ने शूटर अमन को पहचाना
15 मई 17 अमन सिंह को पुलिस ने लिया रिमांड पर
16 मई 17 डब्लू मिश्रा को सरायढेला थाना कांड संख्या 50/17 मे किया गया रिमांड
17 मई 17 अमन सिंह का पुलिस ने किया रिमांड वापस
23 मई 17 डब्लू मिश्रा को सीजीएम ने दिया सरायढेला 50/17 मे बेल
27 मई 17 डब्लू मिश्रा, धनंजय सिंह की जज कोर्ट ने की बेल खारिज
0 7 जून 17 अमन सिह की सीजीएम ने की जमानत खारिज
07 जून 17 पुलिस ने दिया संजीव के पोलीग्राफी टेस्ट का आवेदन
10 जून 17 पंकज सिंह के विरूद्ध वारंट जारी
15 जून 17 अमन का लिया गया फिंगर प्रिंट
22 जून 17 डब्लू मिश्रा की टीआईपी मे राय दंपति ने की पहचान
22 जून 17 पुलिस ने दो मोटरसाईकिल किया जब्त
23 जून 17 बनारस से शूटर सोनू गिरफ्तार
23 .जून 17 प्रतापगढ से तीसरा शूटर विजय ऊर्फ सागर गिरफ्तार
24 जून 17 शूटर सोनू ऊर्फ कुर्बान गया जेल
28 जून 17 संजीव सिंह, अमन सिंह, डब्लू मिश्रा, रणधीर धनंजय सिंह, पिंटू ऊर्फ जैनेन्द्र सिंह पर चार्जशीट दायर।
29 जून 17 शूटर विजय ऊर्फ सागर के विरूद्ध प्रोडक्शन वारंट जारी
30 जून 17 शूटर सोनू ऊर्फ कुर्बान को टीआईपी मे आदित्य ने की पहचान
30 जून 17 . विधायक संजीव की जमानत सीजेएम ने की खारिज
0 4 जुलाई 17 . संजय की बेल सीजेएम कोर्ट ने फिर की खारिज
0 4 जुलाई 17 शूटर सोनू ऊर्फ कुर्बान का पुलिस ने लिया एक दिन का रिमांड
0 5 जुलाई 17 विधायक संजीव समेत छह पर संज्ञान
0 5 जुलाई 17 पींटू की जमानत सीजेएम ने की खारिज
0 8 जुलाई 17 शूटर शिबू ऊर्फ सागर गया जेल
09 जुलाई 17 शूटर सतीश उर्फ चंदन सिंह वाराणसी में हुआ गिरफ्तार
10 जुलाई 17 शूटर शिबू उर्फ सागर की आदित्य ने की टी आई पी में पहचान
11 जुलाई 17 शूटर शिबू का पुलिस ने लिया एक दिन का रिमांड
15 जुलाई 17 शूटर चंदन के विरूद्ध प्रोडक्शन वारंट जारी
23 जुलाई 17 शूटर चंदन गया जेल
25 जुलाई 17 रैकी के आरोप मे विनोद सिंह गिरफ्तार
26जुलाई 17 आदित्य ने की शूटर चंदन की टीआईपी मे पहचान
26जुलाई 17 विनोद सिंह गया जेल
01 अगस्त 17 मामला सेशन कोर्ट को सुपुर्द
16 अगस्त 17 संजय की बेल सेशन कोर्ट से खारिज
19 अगस्त 17 डब्लू समेत चारो शूटर 50/17 मे रिमांड
23 अगस्त 17 प्रशांत को हाई कोर्ट से बेल
23 अगस्त 17 रिंकू सिंह@ धर्मेन्द्र@ विकास सिंह को रिमांड का आवेदन पी डब्लू जारी
24 अगस्त 17 पंकज सिंह के विरूद्ध इस्तेहार जारी
24 अगस्त 17 डब्लू समेत चारों शूटर का 50/17 मे लिया गया फिंगर प्रिंट

(शेष पेज-11 पर)

गणपति बप्पा ने सुनाया फैसला : रागिनी

शुभम संदेश। धनबाद

साजिश रचने वालों को वहीं पहुंचाना जीवन का एकमात्र लक्ष्य

संजीव सिंह की पत्नी और वर्तमान में झरिया की विधायक रागिनी सिंह ने इस फैसले पर खुशी जाहिर की और ईश्वर और कोयलांचल की जनता का शुक्रिया अदा किया. रागिनी सिंह ने कहा कि हम अदालत के फैसले का सम्मान करते हैं, मुझे अदालत पर पूरा भरोसा था. आज नहीं, तो कल हमें न्याय मिलना ही था. आज सत्य की जीत हुई है. उन्होंने कहा कि हमने जो आठ साल बिताए, वह हम बयां नहीं कर सकते. हमारे जीवन के 8 साल बर्बाद हो गए. जिन्होंने मेरे जीवन के 8 साल बर्बाद किए. जिन अधिकारियों ने अपनी जेबें भरने के लिए गलत तरीके से कलम और कागज का इस्तेमाल किया. जिन्होंने मुझे मामले में फंसाने की साजिश रची. आज के बाद मेरा एक ही लक्ष्य होगा कि हम केस में शामिल सभी अधिकारियों को उसी जगह पहुंचाएंगे. ताकि आज के बाद किसी बेगुनाह के साथ कुछ गलत न हो. उन्होंने कहा कि संजीव सिंह की तबीयत बहुत खराब थी. लोगों ने उनका इलाज कराने से रोकने की बहुत कोशिश की. लेकिन मेरी कोशिश थी कि उनका इलाज हो. लोगों को लग रहा था कि अगर इलाज नहीं हुआ तो संजीव सिंह की हालत मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से बिगड़ जाएगी. लेकिन हमने लोगों के मंसूबों पर पानी फेर दिया. जमानत मिलने के बाद उनका बेहतर तरीके से इलाज हो रहा है. उनकी सेहत में भी सुधार हो रहा है. आगे भी डॉक्टर उनका इलाज करते रहेंगे. बहुत जल्द वह ठीक होकर लोगों के बीच आएंगे. रागिनी सिंह ने कहा कि आज गणपति बप्पा ने अपना फैसला सुनाया है. भगवान भी किसी की साजिश देख रहे थे. आज भगवान ने न सिर्फ हमारे घर को, बल्कि समस्त कोयलांचलवासियों को खुशियां दी हैं.

शहर में रही चाक-चौबंद व्यवस्था

प्रमुख चौराहों पर चला चेकिंग अभियान, दो पहिया और चार पहिया वाहनों की चेकिंग

शुभम संदेश। धनबाद

कोर्ट परिसर में धारा 144 लागू, इस सख्ती का नहीं दिखा कोई खास असर

धनबाद। धनबाद शहर में इस चर्चित हत्याकांड में फैसले को लेकर जिला पुलिस काफी सजग रही. न सिर्फ कोर्ट परिसर बल्कि शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर चेकिंग अभियान दिन भर चलाया गया. चार पहिया वाहनों की डिक्की को खोलकर पुलिस वालों ने चेक किया. इसके साथ ही कोर्ट परिसर में प्रवेश से पूर्व ही सभी की चेकिंग हो रही थी. सतर्कतावश प्रशासन ने कोर्ट परिसर में धारा 144 लागू कर रखा था, हालांकि कोर्ट परिसर में इस सख्ती का कोई खास असर देखने को नहीं मिला. मंगलवार की रात से धनबाद शहर के प्रवेश मार्गों में चेकिंग अभियान शुरू कर दी गई थी. मटकुरिया, धनसार, झरिया, कोर्ट मोड़, रणधीर वर्मा चौक आदि स्थानों पर पुलिस वाले तैनात रहे. देर रात तक पुलिस की सख्ती जारी रही.

कोर्ट से दर्जन भर हिरासत में लिए गए

धनबाद : धनबाद कोर्ट परिसर से पुलिस ने लगभग दर्जन भर लोगों को हिरासत में लिया. कोर्ट परिसर में तैनात पुलिस को किसी प्रकार का संदेह होते ही संबंधित व्यक्ति को तत्काल हिरासत में ले लिया जा रहा था. फिर उन्हें धनबाद थाने में लाकर रखा जा रहा था. इन लोगों में दोनों पक्षों के लोगों को हिरासत में लिया गया. पुलिस की सख्ती का आलम ये था कचहरी रोड की सारी दुकानों को बंद करा दिया गया था. ताकि लोगों की भीड़ इन दुकानों में जमा नहीं हो. चाय पान से लेकर नाश्ते और अन्य सारी दुकानें यहां सुबह से ही बंद रही.

बिजली बिल में अनियमितता और गड़बड़ी पर भाजपा ने उठाए सवाल

समय पर बिल भेजा नहीं जाता, तीन-चार महीने की मनमानी राशि के साथ भेजा जा रहा : अमर बाउरी

शुभम संदेश। रांची

रांची में बिजली बिलों में भारी अनियमितता को लेकर एक बार फिर हंगामा मच गया है. इस मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है. पूर्व मंत्री और भाजपा नेता अमर कुमार बाउरी ने जेबीवीएनएल की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए अविलंब बिजली बिलों में सुधार की मांग की है. उन्होंने आरोप लगाया कि उपभोक्ताओं को समय पर बिजली बिल नहीं मिलता और जब बिल आता है, तो तीन-चार महीने का एक साथ भेजा जा रहा है, वह भी मनमानी राशि के साथ. बाउरी ने कहा कि उपभोक्ताओं द्वारा बिल में

संशोधन की मांग करने पर बिजली विभाग की ओर से उन्हें धमकाया जा रहा है.सर्टिफिकेट केस दर्ज करने या बिजली कनेक्शन काटने की चेतावनी देकर डर का माहौल बनाया जा रहा है.

जेबीवीएनएल सख्त हुआ, जांच के आदेश

बिजली बिल गड़बड़ी की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) ने भी सख्त कदम उठाए हैं. मुख्य महाप्रबंधक श्रवण कुमार ने सभी एरिया बोर्डों के जीएम और सर्किल अधीक्षण अभियंताओं को पत्र जारी कर निर्देश दिया है कि वे संबंधित उपभोक्ताओं के बिलों की जांच करें. साथ ही, जिन ऊर्जा मित्रों और कर्मचारियों पर बिल में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं, उनकी पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए. आरोप है कि कुछ कर्मचारी और ऊर्जा मित्र जानबूझ कर बिलों में हेराफेरी कर रहे हैं, जिसकी जांच के आदेश दिए गए हैं.

क्या हुआ 200 यूनिट फ्री बिजली देने का वादा भाजपा नेता ने राज्य सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान 200 यूनिट फ्री बिजली देने का वादा किया गया था, लेकिन अब तक आम जनता को इसका कोई लाभ नहीं मिला है. इसके विपरीत, राज्य में लगातार बिजली कटौती हो रही है, जिससे लोग बेहद परेशान हैं. उन्होंने मांग की कि सरकार बिजली व्यवस्था में सुधार करे और उपभोक्ताओं को राहत दे.

कड़ी सुरक्षा के बीच लाया गया एटीएस मुख्यालय

मयंक सिंह से 6 दिनों तक पूछताछ करेगी एटीएस

शुभम संदेश। रांची

कुख्यात गैंगस्टर मयंक सिंह को झारखंड एटीएस की टीम अपने साथ लेकर रांची स्थित एटीएस मुख्यालाय ले कर आई है. जहां एटीएस की टीम अगले छह दिनों तक मयंक सिंह उर्फ सुनिल मिर्णा से पूछताछ करेगी. बता दें कि बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच रामगढ़ जेल से मयंक सिंह को रांची के धुर्वा लाया गया. ध्यान रहे कि अजरबैजान से झारखंड लाने के बाद मयंक को रामगढ़ जेल में रखा गया था. बता दें कि 23 अगस्त को मयंक को एटीएस की टीम अपने साथ लेकर रांची पहुंची थी. मयंक झारखंड का पहला गैंगस्टर है जिसे प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया है. मयंक सिंह एनकाउंटर में मारे गए कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू के सबसे

विश्वास पात्र बताया जा रहा है. इसके साथ ही उसका लिंक इंटरनेशनल गैंगस्टर लॉरेंस से भी जोड़ा जाता है. बताया जाता है कि वह मृत अमन साहू के फाइनेंशियल नेटवर्क के साथ-साथ पूरे हथियार नेटवर्क को संभालता था. फिलहाल मयंक को 6 दिनों के रिमांड पर एटीएस की टीम इसी मामले में पूछताछ करेगी. पूछताछ के बाद जो जानकारी एटीएस को मिलेगी, उसके आधार पर एटीएस की टीम उस नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुट जाएगी. मयंक के बारे में बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से देश से बाहर विदेश में रहता था और वहीं से पूरा नेटवर्क को संभालता था. इसके साथ ही वह अपनी कई तस्वीर भी सोशल मीडिया पर डालता था. जिसमें वह खुलेआम हथियार लिए रहता था. उसके झारखंड लाने के बाद एटीएस के अधिकारी ने बताया था कि मयंक के बाद अब एटीएस की टीम अन्य विदेश में छिपे गैंगस्टर की तलाश में जुटी है. जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा. फिलहाल एटीएस टीम मयंक से 6 दिनों तक पूछताछ करेगी जिसमें गैंग से जुड़ी तमाम जानकारी जुटाने का प्रसाय एटीएस करेगी.

रिम्स-2 का नाम दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर रखने के निर्णय का स्वागत

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच ने झारखंड सरकार द्वारा रिम्स-2 का नाम महान आदिवासी नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर रखने के फैसले का स्वागत किया है. मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कहा कि यह निर्णय झारखंड की अस्मिता और दिशोम गुरु के योगदान को सम्मान देने वाला है. रिम्स-2 को "शिबू सोरेन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसएसआईएमएस)" के रूप में नामित करना एक ऐतिहासिक पहल है. साथ ही उन्होंने सरकार से अपील की कि रिम्स-2 का निर्माण रांची में नगड़ी की उपजाऊ कृषि भूमि के बजाय दिशोम गुरु की जन्मभूमि नेमरा (रामगढ़) में की जाए. नगड़ी की जमीन पर निर्माण आदिवासियों के अधिकारों और दिशोम गुरु के सिद्धांतों के खिलाफ होगा.

कुरमी मिलन समारोह का आयोजन पांच को

रांची। करमा पर्व के मौके पर पांच सितंबर को गोंदलीपोखर में कुरमी मिलन समारोह सह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. आयोजन को लेकर कुरमी समाज के बाबूराम महतो ने बुधवार को बताया कि कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोर शोर से चल रही है. कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर समिति का भी गठन किया गया है. इनमें अध्यक्ष जलेश्वर महतो उर्फ मार्शल, सचिव सुप्रेश कुमार महतो, कोषाध्यक्ष बाबूराम महतो को बनाया गया. इसके अलावा उपाध्यक्ष महेंद्र महतो, कमलेश चौधरी, जगमोहन महतो, उपसचिव जितवाहन महतो, गोवर्धन महतो, संरक्षक रामपोदो महतो, राजेश महतो, सखीचंद महतो, शिवलाल महतो, बेनीलाल महतो, विश्राम महतो, पंकज महतो, झब्बुलाल महतो, नीलकंठ चौधरी, हरे कृष्णा चौधरी सहित अन्य सदस्य बनाए गए.

हेमंत सोरेन सरकार का बड़ी राहत वाला ऐलान

अतिवृष्टि से हुए नुकसान पर 24 घंटे में मिलेगा मुआवजा

शुभम संदेश। रांची

मानसून सत्र के दौरान झारखंड विधानसभा में अतिवृष्टि से हुई तबाही पर विशेष चर्चा हुई. कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बताया कि भारी बारिश से राज्य में सिर्फ फसलों को नहीं, बल्कि मकानों, स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल और बिजली आपूर्ति को भी गंभीर नुकसान पहुंचा है. मंत्री ने कहा कि सरकार ने जिलों से नुकसान की रिपोर्ट मंगाई है. अब तक के आकलन के अनुसार, धान की फसल को करीब 10% नुकसान हुआ है, जबकि मोटे अनाज की फसल को अपेक्षाकृत ज्यादा क्षति पहुंची है. उन्होंने बताया कि नुकसान की भरपाई आपदा राहत कोष और फसल बीमा योजना के तहत की जाएगी. किसानों के लिए मुआवजे की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है.

यूरिया वितरण में गड़बड़ी, सख्त कार्रवाई : यूरिया की कमी और वितरण को लेकर मिल रही शिकायतों पर मंत्री ने बताया कि राज्यभर में करीब 500 छापेमारी (रेड) की गई है. इसमें 8 लाइसेंस निलंबित, 21 लाइसेंस रद्द और 2 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है. इस साल यूरिया की मांग अधिक रही, परंतु केंद्र सरकार से 1.60 लाख मीट्रिक टन की तुलना में सिर्फ 1.13 लाख मीट्रिक टन यूरिया ही प्राप्त हुआ. इस संबंध में राज्य सरकार ने केंद्र को पत्र लिखा है.

मुआवजे में पोस्टमॉर्टम बाधा बना : विधायक मथुरा महतो ने सदन में कहा कि वज्रपात से मौत के बाद कई आदिवासी परिवार पोस्टमॉर्टम नहीं कराते, जिससे मुआवजे में बाधा आती है. इस पर मंत्री अंसारी ने कहा कि मुस्लिम समुदाय में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिलती है. सरकार इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार से दिशा-निर्देश मांगने के लिए पत्र लिखेगी. जैसे ही केंद्र से दिशा-निर्देश मिलते हैं, राज्य में नई व्यवस्था लागू की जाएगी.

आपदा राहत: अब तक 48.15 करोड़ की मदद

राज्य सरकार ने अब तक आपदा प्रभावितों को 48.15 करोड़ रुपये का भुगतान किया है. राहत और पुनर्वास के लिए चार माह में 52 करोड़ रुपये जिलों को आवंटित किए जा चुके हैं. जिलों को निर्देश दिया गया है कि 24 घंटे के भीतर नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट भेजें, ताकि मुआवजा त्वरित रूप से दिया जा सके.

आपदा से अब तक 486 मौतें, 24 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि प्रभावित

आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सदन को बताया कि इस साल अब तक राज्य में प्राकृतिक आपदाओं से 486 लोगों की मौत हो चुकी है. इनमें:

▪ वज्रपात:	188	▪ अतिवृष्टि: 9
▪ डूबने से:	192	▪ बाढ़: 1
▪ सर्पदंश:	96	▪ ———-

झारखंड में सामान्य से 70% अधिक बारिश

मंत्री ने बताया कि जहां देशभर में औसतन 535 मिमी की तुलना में 536 मिमी बारिश दर्ज की गई, वहीं झारखंड में 760 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई है. यह पिछले साल की तुलना में करीब तीन गुना अधिक है. मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष राज्य में 70% अधिक बारिश हुई है, कुछ जिलों में यह आंकड़ा इससे भी ज्यादा है:

- सरायकेला: 240% अधिक
- लोहरदगा: 300%
- रांची: 196%
- चतरा: 177%
- खूंटी: 153%

मकानों को भी भारी क्षति पहुंची है

- 10,900 कच्चे मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त
- 474 कच्चे मकान पूरी तरह ध्वस्त
- 212 पक्के मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त
- 18 पक्के मकान पूरी तरह ध्वस्त
- इसके अलावा, 23,886 हेक्टेयर कृषि भूमि पर भी असर पड़ा है.

वोट अधिकर यात्रा में शामिल हो सकते हैं सीएम हेमंत सोरेन

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी बिहार में चल रही राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा में शामिल हो सकते हैं. उम्मीद है कि वोट अधिकार यात्रा के समापन पर एक सितंबर को पटना में होनेवाली महारैली में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल होंगे। इसको लेकर रणनीतिक कार्यक्रम बनाया जा रहा है. यहां मालूम हो कि तब तक झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र भी समाप्त हो चुका होगा. किसी अन्य प्रकार की सरकारी या राजनीतिक गतिविधियों के भी झारखंड में होने की संभावना नहीं है. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन 27 अगस्त को राहुल गांधी के वोट अधिकार यात्रा में मुजफ्फरपुर में शामिल हुए. वहीं जानकारी के अनुसार समापन महारैली में इंडिया गठबंधन के अन्य बड़े दलों के नेताओं के भी आने की संभावना है. झामुमो इंडिया गठबंधन

का एक मजबूत कड़ी है. इंडिया गठबंधन का झारखंड में सरकार भी है. हेमंत सोरेन उसी सरकार के मुखिया हैं. इतना ही नहीं बिहार में विधानसभा का चुनाव भी होने जा रहा है. इसी उद्देश्य से वोट अधिकार यात्रा का भी आयोजन किया जा रहा है. इतना ही नहीं झामुमो भी बिहार विधानसभा चुनाव में सीटों की उचित हिस्सेदारी की मांग कर रहा है. झामुमो की हिस्सेदारी पर अभी तक कोई सार्थक बातचीत नहीं हुई है. इसलिए वोट अधिकार यात्रा में शामिल होकर भी हेमंत सोरेन सीटों की हिस्सेदारी में अपना दवाब बढ़ाने की कोशिश करेंगे.

एक नजर

कोचिंग सेंटर नियंत्रण विधेयक छात्रों और अभिभावकों की जीत : अजय राय

रांची। झारखंड विधानसभा में पारित झारखंड कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2025 पर झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है. एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए इसे छात्रों और अभिभावकों की लंबे समय से चली आ रही मांगों की जीत बताया. उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक फैसले से शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और अनुशासन आएगा और कोचिंग संस्थानों की ओर से किए जाने वाले

आर्थिक तथा मानसिक शोषण पर रोक लगेगी. अजय राय ने कहा कि इस विधेयक के लागू होने के बाद कोचिंग संस्थानों को शुल्क, कोर्स, शिक्षकों और आधारभूत सुविधाओं का पूरा विवरण सार्वजनिक करना होगा. सुबह छह बजे से रात नौ बजे तक ही संस्थान चलाने की बाध्यता से छात्रों पर अनावश्यक दबाव और थकान रुकेगी. साथ ही, 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को पढ़ाने से पहले अभिभावकों की अनुमति अनिवार्य होगी और एक हजार से अधिक छात्रों वाले संस्थानों में मनोवैज्ञानिक की नियुक्ति से बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षित रहेगा.

जेडआरयूसीसी सदस्य अरुण जोशी ने डीआरएम से रेल सुविधाएं बढ़ाने की मांग की

रांची। जेडआरयूसीसी सदस्य अरुण जोशी ने बुधवार को डीआरएम करूणानिधि सिंह से मुलाकात कर रांची रेल मंडल में जरूरी यात्री रेल सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर वार्ता की और मांगों से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा. ज्ञापन में हटिया-सांकी ट्रेन का विस्तार बरकाकाना तक करने, रांची-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस का विस्तार जयपुर तक करने,

पुरुलिया- तिरुनेलवेल्ली का विस्तार रांची तक करने, हटिया- दुर्ग एक्सप्रेस का विस्तार नागपुर तक करने और रांची- लोहरदगा लाइन से डालटनगंज, गढ़वा, बनारस, अयोध्याधाम होकर गोमती नगर (लखनऊ) तक सप्ताह में दो दिन सीधी ट्रेन सेवा की मांग की. जाशी ने डीआरएम करूणानिधि सिंह सेकहा कि रांची रेल मंडल के इस प्रयास से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी. डीआरएम ने वार्ता के क्रम यात्री हित में दिए गए सुझावों पर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया.

जेएसएससी-सीजीएल केस: पेपर लीक नहीं हुआ, पेपर लीक के नाम पर ठगी की गई

शुभम संदेश। रांची

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा का पेपर लीक नहीं हुआ था, बल्कि पेपर लीक के नाम पर अभ्यर्थियों से ठगी की गई. यह जानकारी कथित तौर पर हुए पेपर लीक की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की तरफ से हाईकोर्ट में दाखिल जांच रिपोर्ट में कही गयी है. उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा के पेपर लीक मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने के लिए दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है. झारखंड हाईकोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 16 सितंबर तय की है. अगली सुनवाई तक सीआईडी के एसपी स्तर के अधिकारी को शपथपत्र दाखिल कर अब तक हुई जांच में मिले तथ्यों के बारे में अदालत को जानकारी देनी है.

इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस राजेश शंकर की बेंच कर रहा है. पिछली तारीख को सुनवाई के दौरान सीआईडी के डीएसपी स्तर के अधिकारी की तरफ से प्रति शपथपत्र दायर किया गया था, जिसे कोर्ट की सहमति के बाद वापस ले लिया गया है. अब एसपी रैंक के अधिकारी शपथ पत्र देकर जांच में मिले तथ्यों के बारे में जानकारी देंगे. डीएसपी रैंक के अधिकारी की ओर से दाखिल शपथ पत्र में सीआईडी ने इस बात से इनकार किया है कि जेएसएससी सीजीएल परीक्षा का पेपर लीक हुआ. अब तक की जांच में सीआईडी की सिर्फ यह पता चला है कि एक समूह है जिसके द्वारा परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों से पेपर लीक के नाम पर ठगी की गई है.

राज्य विश्वविद्यालय विधेयक-2025 असंवैधानिक अभाविप ने जताई कड़ी आपत्ति

शुभम संदेश। रांची

झारखंड विधानसभा में पारित राज्य विश्वविद्यालय विधेयक-2025 को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने कड़ी आपत्ति जताई है. परिषद ने इस विधेयक को न केवल असंवैधानिक बताया है, बल्कि इसे राज्यपाल के संवैधानिक अधिकारों में हस्तक्षेप और विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर सीधा हमला करार दिया है.

अभाविप का कहना है कि विधेयक में कुलपति, प्रति कुलपति, परीक्षा नियंत्रक, वित्तीय सलाहकार समेत अन्य उच्च पदों पर नियुक्ति का अधिकार राज्यपाल से छीनकर राज्य सरकार को सौंपना संविधान के संघीय ढांचे के विरुद्ध है. परिषद ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण कदम बताते हुए कहा है कि

इससे शिक्षा व्यवस्था पर राजनीतिक नियंत्रण बढ़ेगा और विश्वविद्यालयों की स्वतंत्रता खतरे में पड़ जाएगी.

छात्र संघ चुनाव के स्थान पर 'सिलेक्शन', लोकतंत्र की हत्याः अभाविप ने सरकार द्वारा छात्र संघ चुनाव की प्रक्रिया समाप्त कर चयन प्रक्रिया (सिलेक्शन) लागू करने की संभावनाओं पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी है. परिषद का आरोप है कि सरकार लोकतांत्रिक तरीकों से उभरने वाले छात्र नेताओं और वैचारिक विमर्श को दबाने की कोशिश कर रही है. परिषद ने इसे ₹लोकतंत्र का गला घोंटना₹ करार देते हुए कहा कि छात्र संघ कैंपस में लोकतंत्र का पहला पाठ होता है, जिसे खत्म करना एक खतरनाक संकेत है.

राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

अभाविप ने झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक), झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के संचालन में सरकार की विफलता का हवाला देते हुए कहा कि पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और भ्रष्टाचार के मामले यह सिद्ध करते हैं कि सरकार नियुक्तियों में पारदर्शिता व निष्पक्षता देने में सक्षम नहीं है.

शिक्षा को राजनीति और भ्रष्टाचार का अड्डा बना रही सरकार

अभाविप झारखंड के प्रदेश मंत्री मनोज सोरेन ने कहा कि सरकार उच्च शिक्षा को अपने राजनीतिक एजेंडे के अधीन लाना चाहती है. उनका कहना है, यह विधेयक शिक्षा के साथ खिलवाड़ है और राज्यपाल की संवैधानिक भूमिका का अपमान है. यह वर्तमान सरकार की नीयत पर गंभीर सवाल खड़े करता है. अभाविप ने विधेयक के विरोध में राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है और सभी शिक्षण संस्थानों, छात्र संगठनों एवं बुद्धिजीवियों से अपील की है कि वे इस विधेयक के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाएं.

कैबिनेट के फैसले के तीन माह बाद भी लटका है मामला

आउटसोर्स कर्मियों को नहीं मिला मानदेय वृद्धि का लाभ

शुभम संदेश। रांची

कैबिनेट के निर्णय के तीन महीने बाद भी राज्य में कार्यरत आउट सोर्स कर्मियों के मानदेय वृद्धि पर सरकार कोई फैसला नहीं कर सकी. इससे राज्य सरकार के सचिवालयों, समहरणालयों, प्रखंड व अन्य कार्यालयों में कार्यरत लगभग 15 हजार आउट सोर्स कर्मियों में भारी निराशा है. हालांकि आउट सोर्स कर्मी अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं. लेकिन उसका सरकार पर कोई असर नहीं दिख रहा है. यहां मालूम हो कि 22 मई 2025 को राज्य मंत्रिपरिषद ने आउट सोर्स कर्मियों की नियुक्ति व सेवा शर्तों को लेकर झारखंड

प्रोक्योरमेंट ऑफ गुड्स एंड सर्विस मैन्युअल को मंजूरी दी थी.

मैन्युअल के अनुसार वित्त विभाग के विशेष सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी का भी गठन किया गया. उसमें जैप आईटी के सीईओ, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के संयुक्त सचिव आसिफ हसन, श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग के उप सचिव रेज्युस बाढ सदस्य बनाए गए. कमेटी को महंगाई दर में हुई वृद्धि को आधार बनाते हुए अलग अलग संवर्ग के आउट सोर्स कर्मियों के लिए नये मानदेय की अनुशंसा करनी है. लेकिन कमेटी की बैठक नहीं होने से पूरा मामला ज्यों कि त्यों फंसा है. बेहतर सेवा शर्त के लिए मैन्युअल बन जाने के बाद भी लगभग 15 हजार से अधिक आउट सोर्स कर्मियों को कोई लाभ नहीं मिल पाया.

इस मैन्युअल का उद्देश्य विभिन्न विभागों द्वारा समय समय पर तकनीकी कर्मियों, यथा कंप्युटर ऑपरेटर, डाटा एनालिस्ट, प्रोग्रामर, सहायक प्रोग्रामर एवं समूह घ के आदेशपाल, चालक, सफाई कर्मियों की सेवा शर्तों को पारदर्शी बनाना है. इन कर्मियों के लिए वर्षों पहले राज्य सरकार द्वारा जैप आईटी के माध्यम से मानदेय का दर निर्धारित किया गया था. उसी दर पर उन्हें वर्षों से मानदेय का भुगतान किया जा रहा है. मानदेय की उसी राशि से आउट सोर्स पर कर्मियों को उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों द्वारा एक निश्चित राशि की कटौती कर ली जाती है. साथ ही कर्मियों को समय पर मानदेय का भुगतान भी नहीं हो रहा है. इपीएफ में समय पर संबंधित एजेंसियों द्वारा राशि जमा नहीं की जा रही है. इसके साथ साथ जैप-आईटी द्वारा इंपैनल्ड एजेंसियों के इतर भी कुछ सरकारी विभागों और संस्थाओं द्वारा अपने तरीके से कर्मी रखे जा रहे हैं. कई तरह की विसंगतियां है, जिसे दूर करने के लिए ही यह मैन्युअल बनाया गया है. लेकिन कमेटी की बैठक नहीं होने से मैन्युअल का लाभ आउट सोर्स कर्मियों को नहीं मिल रहा है.

वोटबैंक की राजनीति के लिए एसआईआर का विरोध कर रहे हैं कांग्रेस, झामुमो और राजद : बाबूलाल

- बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों को केवल बसाना नहीं बल्कि वोटर बनाना भी इन दलों का मकसद

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में जनसंख्या और मतदाता सूची में हो रहे बदलाव को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है. पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कांग्रेस, झामुमो और राजद पर वोटबैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि एसआईआर (संशोधित मतदाता पहचान प्रक्रिया) का विरोध इन दलों द्वारा इसलिए किया जा रहा है, ताकि बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों को झारखंड में बसाकर उन्हें वोटर

बनाया जा सके और इसका राजनीतिक लाभ उठाया जा सके. मरांडी ने स्पष्ट किया कि यह मामला केवल अवैध बसावट का नहीं, बल्कि डेमोग्राफी को योजनाबद्ध तरीके से बदलने का है, उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार जिस तरह एसआईआर के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर रही है, उससे यह साबित होता है कि उनका मकसद इन अवैध घुसपैठियों को बसाना और उन्हें नागरिकता के तमाम दस्तावेज देकर वोटर बनाना है. मौके पर उन्होंने बताया कि 1951 में झारखंड में आदिवासियों की जनसंख्या 35.38% थी, जो 2011 तक घटकर 26.20% रह गई. वहीं मुस्लिम जनसंख्या 8.9% से बढ़कर 14.53% हो गई. सनातन धर्मावलंबियों की संख्या भी 87.79% से घटकर 81.17% हो गई. उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन स्वाभाविक नहीं है, बल्कि बाहरी घुसपैठ और राजनीतिक संरक्षण का परिणाम है.

मरांडी ने आरोप लगाया कि कुछ विपक्षी दल इन घुसपैठियों को आधार कार्ड, वोटर कार्ड, राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र आदि बनवाकर उन्हें स्थायी नागरिक बनाना चाहते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि इन घुसपैठियों ने झारखंड में आदिवासी महिलाओं से विवाह कर स्थानीय स्तर पर अपनी पैठ बना ली है.

https://epaper.shubhamsandesh.net

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रोमियो' की शूटिंग के बीच बॉयफ्रेंड संग छुट्टियां मनाती दिखीं तृप्ति डिमरी

03

रांची, गुरुवार 28 अगस्त 2025 I भद्र पद शुक्ल पक्ष पंचमी, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 141 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

नीरज हत्याकांड : अब सवाल, हत्यारा कौन!

आठ साल पांच महीने और छह दिन में आया फैसला

रिजवान शम्स

- अभियोजन के हर शह को बचाव पक्ष ने ऐसे दी मात
- चश्मदीद को ही संदेह के कटघरे में कर दिया खड़ा
- कोर्ट में पेश सबूतों को दलीलों से कर दिया तार-तार

धनबाद। सरेशाम गोलियों की बौछार और चार लोगों को बीच सड़क पर मौत के घाट उतारा गया. हत्या भी ऐसे व्यक्ति की जो न सिर्फ राजनीतिक रूप से बेहद सशक्त परिवार से थे बल्कि आर्थिक रूप से संपन्न और वकीलों की फौज भी उनके पास थी. आठ साल पांच महीने और छह दिन तक मुकदमे को दोनों तरफ से जोरदार तरीके से लड़ा गया और फिर वारदात के सारे आरोपी रिहा हो गए. वाकई धनबाद के लिए ये फैसला चौंकाने वाला था. लेकिन इस फैसले के पीछे अभियोजन की नाकामी छिपी है. जिसे कोर्ट ने खुले शब्दों में कहा कि आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोप को संदेह से परे साबित करने में अभियोजन नाकाम रहा. इसे दूसरे शब्दों में कहा जाए तो ये गलत नहीं होगा कि अभियोजन आरोपों को साबित नहीं कर पाया. वहीं बचाव पक्ष ने मुकदमे में अभियोजन को हर क्षेत्र में पटखनी दे डाली. खासकर बहस के दौरान सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ने पुलिस और अभियोजन के बीच गठजोड़ होने का संदेह तक पैदा कर दिया और मामले में कार्रवाई के लिए आवेदन भी कोर्ट में डाल दिया. ऐसे में साढ़े आठ साल तक चली कानूनी लड़ाई में बचाव पक्ष ने बाजी मार ली. लेकिन अब सवाल ये है कि आखिर नीरज सिंह की हत्या किसने की थी. हालांकि नीरज सिंह के परिजन अब मुकदमे को रांची हाईकोर्ट लेकर जाएंगे, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है.

धनबाद के इस बड़े मुकदमे में अभियोजन और बचाव पक्ष के बीच लड़ी गई सालों की कानूनी लड़ाई को थोड़ा नजदीक से देखते हैं. देखते हैं कि कैसे अभियोजन और बचाव पक्ष ने इस मुकदमे को लड़ा है. सबसे पहले एफआईआर पर बात की जाए तो एफआईआर में ही बचाव पक्ष ने सवाल खड़ा कर दिया. एफआईआर जो मुकदमे की नींव होती है, बचाव पक्ष ने इस नींव को ही हिला कर रख दिया. सवाल उठा दिया कि एफआईआर करने में देर क्यों की गई, देरी की वजह संजीव सिंह को फंसाने की रची गई साजिश थी. कई तर्क दिए, जैसे जब घटना हुई तो उस वक्त अज्ञात शूटरों द्वारा गोली मारे जाने की बात सामने आई थी, इसके कई सबूत बचाव पक्ष ने कोर्ट के समक्ष रख दिए. अब बात गवाहों की, इस मुकदमे में बचाव पक्ष ने चश्मदीद को ही कटघरे में खड़ा कर दिया. चश्मदीद आदित्य राज के बारे में यह सबूत कोर्ट के समक्ष रख दिया कि वह वारदात के समय धनबाद में नहीं बल्कि गिरिडीह में था, उसके मोबाइल कॉलडिटेल और टॉवर लोकेशन को बतौर सबूत रखा गया. आदित्य राज के सेंट्रल अस्पताल में इलाज होने पर भी संदेह पैदा करने में कामयाबी पाई. चश्मदीद गवाह को कटघरे में खड़े करवाने का लाभ बचाव पक्ष को मिल गया. सिर्फ इतना ही नहीं, जिन सबूतों को अभियोनजन ने कोर्ट में रखा था, उसे भी बचाव पक्ष ने अपनी नपीतुली दलीलों से तार-तार कर दिया. जैसे आरोपियों के मोबाइल कॉल डिटेल और टॉवर लोकेशन. इन सबूतों के चक्रव्यूह को बचाव पक्ष ने एक झटके में तोड़ दिया. जब्त मोबाइल में संजीव सिंह या अन्य आरोपियों के नाम से उक्त मोबाइल के सिम नहीं थे. इसके अलावा अभियोजन ने बतौर सबूत

430 पन्नों की चार्जशीट

नीरज हत्याकांड में किस व्यक्ति ने क्या भूमिका निभाई है. पुलिस ने इस पूरी कहानी को 430 पन्नों की चार्जशीट में लिखा है. हत्या की प्लानिंग से लेकर हत्या के तरीके, हत्यारों को ठहराने और भगाने, शूटरों को बुलाने और उसे ठहराने, की पूरी दास्तां पुलिस ने चार्जशीट में लिखी है. चार्जशीट में धनबाद के सबसे बड़े शूट आउट के हर किरदार की भूमिका थी. कड़ी से कड़ी जोड़ा गया था. पुलिस ने कांड दैनिकी में डबलू मिश्रा, धनंजय सिंह, संजय सिंह, अमन सिंह का स्वीरोक्ति बयान सीएफएसएल रिपोर्ट, सीओ धनबाद की रिपोर्ट, अमन सिंह की टीआईपी, जब्त मोटरसाइकिल की टीआईपी, परेड की कागजात भी दाखिल किए हैं. वहीं पुलिस ने सोनू का स्वीकारोक्ति बयान भी अदालत में दाखिल किया था.

मोबाइल आधारित साक्ष्यों के सहारे थी मुकदमे की नैया

- पुलिस की चार्जशीट में साक्ष्य कम, कहानी ज्यादा

इस पूरे मामले में पुलिस की कहानी रंजय सिंह हत्याकांड के इर्द गिर्द बुनी गई थी. रंजय सिंह की हत्या का बदला लेने के लिए ही नीरज सिंह की हत्या करने की बात पुलिस की फाइल में है. इस बात को साबित करने के लिए पुलिस ने संजीव सिंह समेत अन्य आरोपियों के कॉल डिटेल और टावर लोकेशन का सहारा लिया था. और कहा था कि रंजय के अंतिम संस्कार में कैमूर जाने के बाद वहीं हत्या की प्लानिंग बनी थी और वारदात को अंजाम दिया गया. इसके लिए रिंकू सिंह और अमन सिंह से संपर्क कर शूटरों को बुलाया गया था. वारदात के अन्य आरोपियों के खिलाफ शूटरों को पनाह देने, हथियार उपलब्ध कराने, भागने में मदद करने, रैकी करने जैसे आरोप थे. इन सभी में मोबाइल कॉल डिटेल के सहारे ही मुकदमे की नैया पार कराने की कवायद पुलिस ने की थी. लेकिन मोबाइल आरोपियों के ही हैं, यही बात पुलिस पूरी तरह से साबित नहीं कर पाई. ऐसे में इन सबूतों की नैया डूबनी थी, सो डूब गई.

अभियोजन ने 37 तो बचाव पक्ष ने कराया 4 गवाहों का परीक्षण

अभियोजन ने तीन आरोप पत्र के कुल 67 गवाहों में से 37 गवाहों का परीक्षण कराया. बचाव पक्ष ने चार गवाहों का परीक्षण कराया, जबकि कोर्ट विटनेश के रूप में दो गवाहों बृज कुमार ठाकुर एवं अमित कुमार (एफएसएल के विज्ञानी) का परीक्षण किया गया. अभियोजन के गवाहों में राजू सिंह, जसवंत सिंह, अनूप कुमार, अनूप कुमार पासवान, एकलव्य सिंह, निखिलेश सिंह, अनिल सिंह, आदित्य राज, पप्पू यादव, राकेश कुमार, मोहम्मद नईमुद्दीन, शंकर साव, विनोद साह, डॉ विजय कुमार सिन्हा, सिकंदर जयसवाल, अमरजीत कुमार, अमर सिंह, हुनीता देवी, एएसआई अरविंद कुमार ,अर्पित श्रीवास्तव, प्रकाश कुमार, राधा कुमार, राकेश कुमार चौरसिया,अभिषेक सिंह, डॉ जे श्री निवास राव, निर्भय कुमार सिन्हा, प्रभात झा, अमरनाथ सिंह, अयोध्या पासवान ,रामअहलाद राय, उमदा देवी, संजित राय, जितेन्द्र कुमार राय ,असीम शशि कान्त होरो, आनन्द माधव मिश्रा, धीरज कुमार गुप्ता, निरंजन तिवारी, सुभाष, विशाल ख़लको शामिल हैं.

छह अदालतों में हुई सुनवाई : इस मामले को छह विभिन्न न्यायाधीशों की अदालत ने सुना सबसे पहले मामले की सुनवाई जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्य प्रकाश की अदालत में शुरू हुई .उनका तबादला हो जाने के बाद न्यायाधीश रिजवान अहमद, इसके बाद न्यायाधीश आलोक कुमार दुबे ,न्यायाधीश रवि रंजन न्यायाधीश राजीव आनंद, न्यायधीश स्वयंभू फिर इस मुकदमे को एमपी-एमएलए के विशेष न्यायाधीश अखिलेश कुमार उनके तबादले के बाद दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया,जिनके द्वारा मामले का निपटारा किया गया.

बदले गए आठ अभियोजक : इस मुकदमे कुल आठ अभियोजकों द्वारा समय-समय पर मुकदमे का संचालन किया गया. सर्वप्रथम अदालत में मुकदमे का संचालन लोक अभियोजक त्रिभुवन नाथ उपाध्याय द्वारा शुरू किया गया. इसके बाद मामले में अभियोजन का संचालन करने के लिए अपर लोक अभियोजक अनिल सिंह को दिया गया. अनिल सिंह के विरुद्ध शिकायत पहुंचने के बाद अभियोजन का संचालन अपर लोक अभियोजक ओम प्रकाश तिवारी को दे दिया गया. इनके द्वारा 34 गवाहों का परीक्षण अदालत में कराया गया. उनका तबादला हो जाने के बाद कारण अभियोजन का संचालन लोक अभियोजक बीडी पांडे ने करना शुरू किया. परंतु वर्ष 2021 में कोरोना के कारण उनकी मौत हो गई. इसके बाद अभियोजन का संचालन अपर लोक अभियोजक कुलदीप शर्मा, मोहम्मद जब्बाद हुसैन, समित प्रकाश और अंत में सतेंद्र कुमार राय ने किया.

बुधवार का संयोग : बुधवार को चार्जशीट बुधवार को आरोप तय बुधवार को फैसला इसे महज संयोग ही कहेंगे कि 28 जून 17 बुधवार के दिन ही पुलिस ने संजीव समेत अन्य के विरुद्ध अदालत में चार्जशीट दायर की थी .बुधवार चार दिसंबर 2019 बुधवार को मुन्ना बजरंगी के शूटर रिंकू के विरुद्ध आरोप तय किया गया था. वहीं 27 अगस्त 25 को अदालत ने मामले में फैसला सुना दिया. धनबादके सबसे बड़े शूटआउट पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह हत्याकांड में पुलिस ने 28 जून 17 को विधायक संजीव सिंह , जैनेंद्र सिंह उर्फ पिंटू सिंह, डबलू मिश्रा उर्फ मृत्युंजय गिरि, धनंजय सिंह उर्फ धनजी, संजय सिंह और शूटर अमन सिह के खिलाफ भादवि की धारा 302/307/120बी/27 आर्म्स एक्ट के तहत आरोप पत्र समर्पित किया था पुलिस ने दूसरा आरोप पत्र 19 सितंबर 17 को चार लोगों शूटर सोनू उर्फ कुर्बान, शिबू उर्फ सागर, सतीश उर्फ रोहित, उर्फ चंदन एवं विनोद सिंह के विरुद्ध दायर किया .

तीसरी चार्जशीट 17 अक्टूबर 17 को मास्टर माइंड पंकज सिंह के विरुद्ध दायर किया। वहीं चौथी व अंतिम चार्जशीट 12 सितंबर 19 को मुन्ना बजरंगी के खास धर्मेन्द्र सिंह रिंकू सिंह के विरुद्ध दायर किया था.

बचाव पक्ष के इन तीरों से अभियोजन बना शिकार

शुभम संदेश। धनबाद

नीरज हत्याकाण्ड में बचाव पक्ष द्वारा पूरे मामले को संजीव सिंह को फँसाने के लिए पुलिस और अभिषेक सिंह की गठजोड़ बताते हुए बहस की गई. बचाव पक्ष के अधिवक्ता मोहम्मद जावेद, पंकज प्रसाद, देवी शरण सिन्हा, कुमार मनीष, व सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता एमए नियाजी, सरखेल कौशिक द्वारा जोरदार बहस की गई. जिनमें इन बातों को अदालत के समक्ष रखा गया.

- नीरज हत्याकांड में उद्देश्य एवं षड्यंत्र नही
- अनुसंधानकर्ता द्वारा आरोपियों के स्वीकारोक्ति बयान को आधार बनाकर आरोप पत्र दाखिल किया गया है. जिसका कानून की नजर में कोई महत्व नहीं है
- आरोप पत्र में संजीव सिंह को षड्यंत्रकारी बताया है परंतु षड्यंत्र कहां रचा गया, इसका जवाब एवं साक्ष्य अनुसंधानकर्ता द्वारा इस मामले में नहीं लाया गया है.
- अभियोजन पक्ष एसआईटी की रिपोर्ट को क्यों छुपाया, उसे अदालत के समक्ष क्यों नहीं लाया गया.
- रंजय सिंह की हत्या का प्रतिशोध का कोई साक्ष्य नहीं आया है, इसलिए यह आरोप भी प्रमाणित नहीं होता है.
- अनुसंधानकर्ता रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ का अपराध किया
- प्रत्यक्षदर्शी गवाह आदित्य राज घटना के दिन घटनास्थल पर मौजूद नहीं था जबकि उसका टावर लोकेशन गिरिडीह था.
- आदित्य राज के केंद्रीय अस्पताल में दाखिल होने वाले कागजात के साथ भी छेड़छाड़ की गई है. अनुसंधानकर्ता जानबूझकर बेड टिकट और इलाज के दस्तावेज अस्पताल में जप्त नहीं किया. आदित्य राज को लगने वाले गन शॉट की पुष्टि डॉक्टरों द्वारा नहीं की गई है.
- मामला प्रत्यक्ष साक्ष्य का न होकर पस्थिति जन साक्ष्य का है.
- संजीव सिंह बड़ा सा बंदूक लेकर गाड़ी के पीछे बैठा था, जिसका आधा भाग ढका हुआ था. इस तर्क को वैज्ञानिक साक्ष्य खंडित करता है.
- वैज्ञानिकों के साक्ष्य से यह बात भी प्रकाश में आया है कि नीरज सिंह गाड़ी के अगले सीट पर नहीं बल्कि पिछली सीट पर खिड़की के तरफ बैठे थे.
- मोटरसाइकिल का इस्तेमाल हत्या व उससे शूटर के भागने के काम के लिए हुआ यह अभियोजन साबित नहीं कर सका.
- डब्लू मिश्रा राम अहलाद राय के मकान को किराए पर लिया था. उसमें उसने शूटरों को रुकवाया था यह भी साबित नहीं हो सका.
- डब्लू मिश्रा, राम अहलाद राय के फ़ोन का लोकेशन भी नहीं लाया और ना ही सीडीआर दाखिल किया
- जब्त मोबाइल का इस्तेमाल डब्ल्यू मिश्रा करता था, साबित नहीं हुआ.
- घटना के दिन चंदन सिंह डब्ल्यू मिश्रा धनबाद में थे, यह साबित नहीं हुआ.
- पहचान परेड की कानूनन कोई वैधता नहीं रह गई है क्योंकि पहचान कराने से पूर्व सभी की तस्वीर गवाह को दिखा दी गई थी.
- प्राथमिकी दो दिनों के बाद की जाती है जबकि पुलिस ने अनुसंधान घटना के तुरंत बाद शुरू कर दिया था.
- एक विधायक किसी की हत्या करने के बाद राइफल लेकर मोटरसाइकिल पर घूमते नहीं चलेगा.
- तेरह गवाहों का बयान सागर की अनुपस्थिती में हुआ.
- किसी गवाह ने शूटर के रूप में सागर की पहचान नहीं की.
- पहचान परेड गिरफ्तारी के पचहत्तर दिनों के बाद कराई गई.
- आदित्य राज बेहोशी की हालत में गिरिडीह कैसे चला गया.
- अभिषेक के लिखित आवेदन को एफआईआर नहीं माना जा सकता.
- नीरज सिंह के शव के साथ साक्ष्य मिटाने के लिए छेड़छाड़ की गई.
- निरंजन तिवारी किसके आदेश से इस मामले के अनुसंधानकर्ता बने.
- अनुसंधान में कानून के सभी प्रावधानों की अनुसंधानकर्ता ने धज्जियां उड़ाकर रख दी.
- मृत्यू समीक्षा रिपोर्ट किसके आदेश से बनाई गई.

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू और इरफान अंसारी को जान से मारने की धमकी

गिरिडीह। झारखंड के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को 24 घंटे के भीतर जान से मारने की धमकी दी गई है. धमकी देने वाले युवक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है, जिसमें उसने अपना नाम अंकित कुमार मिश्रा और खुद को गिरिडीह शहर के बाभनटोली मोहल्ला का निवासी बताया है. वीडियो में युवक ने खुद को कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का करीबी बताते हुए कहा है कि उसने दोनों मंत्रियों को जान से मारने की कसम खाई है. उसने आरोप लगाया कि एक जमीन विवाद के मामले में मंत्रियों के लोगों ने उसकी पिटाई की थी, जिस वजह से वह उनसे नाराज है. वहीं, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से उसकी दुश्मनी को उसने 'व्यक्तिगत' बताया है.

भागा में दो पक्ष भिड़े

पत्थरबाजी में आधा दर्जन जख्मी

- तीन वाहन क्षतिग्रस्त, पुलिस छावनी बना इलाका

शुभम संदेश। झरिया

बुधवार की रात झरिया थाना क्षेत्र के भागा 16 नम्बर में दो समुदाय के बीच झड़प हो गई, इस दौरान दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी हुई. जानकारी के अनुसार 16 नम्बर बस्ती स्थित बिजली घर के पास रहने वाले बैजनाथ चौहान के पुत्र 13 वर्षीय कुणाल के साथ बुधवार की रात फुसबंगला के पास मारपीट की घटना हुई थी.बीच बचाव करने गए सोनू अंसारी को जमकर पीट दिया गया. घटना के बाद दो गुटों में मारपीट शुरू हो गई. फुसबंगला में हुई मारपीट के बाद भाग कर कुणाल अपने घर आया और घटना की जानकारी दी. इसके बाद दोनों ओर से पत्थरबाजी होने लगी. वहीं कांगली पट्टी के युवकों ने दिनेश कुमार के घर पर पथराव कर दिया. दिनेश का घर क्षतिग्रस्त हो गया. वहीं दूसरी तरफ तीन वाहनों का शीशा टूट गया. झड़प में आधा दर्जन लोगों के चोटिल होने की सूचना है. मामले की जानकारी मिलते ही जोड़ापोखर थाना प्रभारी उदय गुप्ता, झरिया थाना,लोदना थाना, बोरागढ़ ओपी सहित भारी संख्या में पुलिस बल पहुच कर स्थिति को नियंत्रित किया और क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है. कुछ लोग धार्मिक उन्माद फैलाने प्रयास किया. घटना के बाद कॉंग्रेस के प्रवक्ता शमशेर आलम पहुंचे और पीड़ित परिवार से मिलने के बाद कांगली पट्टी के युवकों पर कार्यवाही करने की मांग की. घटना के बाद से क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है.

धनसार में टोयोटा के नए आउटलेट का उद्घाटन

धनबाद टोयोटा के डायरेक्टर यश आदित्य ने कहा, विश्वसनीयता और उत्कृष्टता हमारी पहचान

- पूर्व भाजपा सांसद पीएन सिंह और वरिष्ठ झामुमो नेता एके सहाय ने किया उद्घाटन

शुभम संदेश। धनबाद

आटो मोबाइल जगत की अग्रणी कंपनी टोयोटा ने बुधवार को धनसार, धनबाद में अपने नए धनबाद टोयोटा के आउटलेट का शुभारंभ किया. आधुनिक शोरूम का उद्घाटन भाजपा के पूर्व सांसद पीएन सिंह और जेएएम के वरिष्ठ नेता एके सहाय ने किया. उद्घाटन समारोह में कंपनी के डायरेक्टर यश आदित्य टोयोटा के टेरिटरी सेल्स मैनेजर कुनाल दत्ता और ग्रुप जीएम सेल्स सुनील सिंह भी मौजूद रहे. पहले दिन ही यहां कई गाडिय़ों की डिलीवरी संपन्न हुई, साथ कई वाहनों

की बुकिंग भी हुई. कंपनी के डायरेक्टर यश आदित्य ने बताया कि धनबाद में टोयोटा ग्राहकों की उत्कृष्ट सेवाएं, आधुनिक सेवाएं और भरोसेमंद उत्पाद प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. नए आउटलेट में ग्राहकों के लिए आकर्षक आफर और विशेष स्कीमें भी उपलब्ध हैं. जिनका लाभ उठाकर ग्राहक अपने मनपंसद टोयोटा कार को बेहद आसान प्रक्रिया के साथ प्राप्त कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य गाडिय़ा बेचना नहीं है बल्कि ग्राहकों को एक ऐसा अनुभव देना है जो लंबे समय याद रहे. धनबाद टोयोटा आउटलेट में धनबाद और आसपास के क्षत्रों के ग्राहकों को विश्वस्तरीय सेवा का अनुभव मिलेगा. बताया कि झारखंड और बंगाल राज्य को मिलाकर उनका 11 सेल्स और 7 सर्विस आउटलेट कार्यरत है. कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों के प्रति आभार प्रकट किया गया. साथ ही विश्वास जताया गया कि इस नए आउटलेट क्षेत्र में टोयोटा की उत्कृष्टता और विश्वसनीयता का प्रतीक बनेगा.

विघ्नहर्ता श्रीगणेश की आराधना में जुटा कोयलांचल

झरिया एवं सिंदरी में गणेश पूजा का भव्य शुभारंभ, उमड़े श्रद्धालु

शुभम संदेश। झरिया

गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर झरिया के डिगवाडीह 10 नंबर और सिंदरी टीओपी मैदान में बुधवार को गणेश पूजा महोत्सव का भव्य शुभारंभ विधिवत पूजन-अर्चन के साथ किया गया. आरंभिक पूजा के दौरान पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. डिगवाडीह में नगर भ्रमण के उपरांत एक श्रद्धालु ने अपनी मनोकामना पूर्ण होने की खुशी में गणपति बप्पा को 11 किलो का लड्डू अर्पित किया, जिससे पूरे माहौल में भक्तिभाव और उल्लास का वातावरण बन गया.

डिगवाडीह गणेश पूजा समिति के सदस्यों ने जानकारी दी कि यहां पिछले 37 वर्षों से गणेश पूजा का आयोजन किया जा रहा है. हर वर्ष की भांति इस बार भी आकर्षक पंडाल एवं मेले का आयोजन किया गया है. मेले में झूले, खाद्य सामग्री की दुकानें और मनोरंजन के विभिन्न साधनों की व्यवस्था की गई है. यह मेला धनबाद जिले के प्रमुख आयोजनों में शामिल है और 15 दिनों तक यहां श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है. पूजा आयोजन में समिति सदस्यों के साथ स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस प्रशासन का सहयोग सराहनीय रहा.

सिंदरी टीओपी मैदान में भी गणेश पूजा का आयोजन पिछले 15 वर्षों से लगातार किया जा रहा है, जो अब एक स्थानीय परंपरा और आस्था का केंद्र बन चुका है. पूजा के साथ-साथ यहां भी भव्य मेले का आयोजन किया गया है, जिसमें दूर-दराज से श्रद्धालु भगवान गणेश के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं. पूजा समिति ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं. पूरे क्षेत्र में गणपति बप्पा मोरया के जयघोष के साथ गणेश चतुर्थी का पर्व पूरी श्रद्धा और उल्लास से मनाया जा रहा है.

गोविंदपुर में गणेश महोत्सव का आयोजन

गोविंदपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में अब गणेश चतुर्थी भी मनाई जाने लगी है. बागसुमा गांव में श्री लक्ष्मी मंदिर परिसर में पहली बार प्रतिमा स्थापित कर पंडाल सजाकर पूजा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया. युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई. वहीं रतनपुर दुर्गा मंदिर में यूनिटी क्लब द्वारा आकर्षक प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की गई. प्रथम दिवसीय कार्यक्रम में भगवती जागरण का आयोजन हुआ, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में धार्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक पहचान को बल मिला.

लोयाबाद में गणेश उत्सव की धूम

लोयाबाद। क्षेत्र में बुधवार से गणेश उत्सव बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ शुरू हो गया. संकटमोचन मंदिर परिसर एवं लोयाबाद छठ नंबर में प्रतिमाओं की स्थापना पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार व विधिपूर्वक की गई. आयोजन पंडाल में भक्तों का हुजुम उमड़ा. संकटमोचन मंदिर के पंडाल में प्रसाद का वितरण संध्या आरती उपरांत किया जाएगा. उसी क्षेत्र के छठ नंबर में भक्ति युवा शक्ति क्लब द्वारा पांच दिवसीय गणेश महोत्सव चलाया जा रहा है. इसमें विशेष आकर्षण के रूप में मेले का आयोजन भी होगा जहाँ श्रद्धालु पूजा के साथ मेलों का आनंद उठा सकेंगे. आयोजन समिति की ओर से 30 अगस्त को विशाल महाभंडारा और रात्रि में भक्ति जागरण व भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा. इस आयोजन में रोहित गुप्ता, अरुण कुमार, निखिल कुमार, विकास कुमार, रितिक कुमार, रोहन चौहान, सागर नोनियां, रितिक पांडेय, अरविंद रवानी, आफताब अंसारी, अफजल अंसारी, विजय सिंह, धनंजय रवानी, राकेश सिन्हा, प्रवीण रवानी सहित स्थानीय युवाओं का योगदान सराहनीय रहा. पहले दिन से क्षेत्र में रंग-बिरंगी सजावट, रोशनी और भक्तिगीतों ने वातावरण को उल्लासपूर्ण बना दिया है.

महुदा दुर्गा मंदिर में गणपति उत्सव का आयोजन

महुदा। रेलवे कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में श्री-श्री गणेश पूजा समिति ने आकर्षक आर्टिफिशियल फूलों से सजे पंडाल में गणपति उत्सव का आयोजन किया. सुबह विधि-विधानपूर्वक भगवान गणेश की पूजा-अर्चना प्रारंभ हुई, जिसमें लड्डू अर्पित कर प्रसाद वितरण किया गया. पंडाल के आसपास विशेष पुष्प सज्जा की गई थी, जिससे माहौल भक्तिमय हुआ. पूजा को सफल बनाने में संजय कुमार, अशोक कुमार वर्मा, सोमनाथ चटर्जी, धर्मवीर कुमार, चंद्रबली पाल, सूरजकांत शर्मा, रामकृष्ण यादव, रामनारायण महतो, ललित नारायण यादव तथा अन्य समिति सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा.

बाणी मंदिर क्लब में गणेश पूजा का भव्य आयोजन

कुमारधुबी। बाणी मंदिर क्लब के सदस्यों ने इस वर्ष गणेश पूजा का भव्य आयोजन संपन्न किया. क्लब की धार्मिक परंपरा में यह पहला गणेश उत्सव है, जहां विधायक अरूप चटर्जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और उन्होंने पूजा पंडाल का उद्घाटन कर आयोजकों एवं श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं. विधायक ने क्लब की सांस्कृतिक सक्रियता और सामाजिक योगदान की सराहना की. आयोजन को सफल बनाने में अभिजीत घोष, बापी बनर्जी, प्रो. दीपक सिंह, संजय यादव, मुखिया अनामिका देवी, दोयल घोष, विश्वनाथ दास, संजीव मजूमदार, टी.के. सिंह, पवित्र गुहा ठाकुरता, सपन गुहा ठाकुरता, प्रभाकर विश्वकर्मा, संजीत कुमार, मुन्ना यादव, राकेश शर्मा, आदित्य ठाकुर पुरोहित, अमरनाथ बनर्जी, कुंदन राज, भागीरथ रजवार सहित सभी क्लब सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

कतरास में गणेश महोत्सव: विधायक शत्रुघ्न महतो ने किया सम्मानित

कतरास। श्री-श्री सार्वजनिक गणेश पूजा समिति द्वारा तिलातांड शिव मंदिर में आयोजित महोत्सव में बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो मुख्य अतिथि रहे. उन्होंने पूजा समिति द्वारा उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया. अन्य रूप से, आगामी संभावित विधायक प्रत्याशी आनंद महतो का छात्र नेता शुभम हजारी ने एवं समाजसेवी वशिष्ठ चौहान को निखिल सिंह ने अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया. आयोजन के दौरान श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा. समिति ने समिति सदस्य अंकित रवानी, सुमित रवानी, सूर्यदेव भट्ट सहित सभी आगंतुकों और गणमान्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया.

ब्रीफ खबरें

झरिया का चोर कटनियां में रैकी करते धराया

टुंडी। दक्षिणी टुंडी कटनियां पंचायत के छाताबाद पावर सबस्टेशन के पास संदेहास्पद स्थिति में घुम रहे व्यक्ति को टुंडी थानेदार उमाशंकर ने पकड़ा. पूछताछ में वह एक शातिर चोर निकला जो की फरवरी 2025में टुंडी पावर सबस्टेशन के पास बैटरी व अन्य सामग्री की चोरी की थी. टुंडी थानेदार उमाशंकर ने बताया कि उस समय की चोरी की मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है.चोर का नाम मो इरफान अंसारी है जो की झरिया का रहनेवाला बताया जाता है.यह पहले भी चोरी के मामले में जेल काट चुका है. पुलिस के अनुसार वह कटनियां पावर सबस्टेशन के पास रैकी कर रहा था.

शिव मंदिर निर्माण कार्य को लेकर बैठक

लोयाबाद। लोयाबाद पांच नंबर स्थित लोयाबाद ठाकुरबाड़ी शिव मंदिर में बुधवार को शिव मंदिर निर्माण कार्य को लेकर बैठक की गई. जिसमें सर्वसम्मति से पूजा समिति के सदस्यों ने निर्णय लिया कि बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक शत्रुघ्न महतो से मिलकर मंदिर निर्माण को लेकर चर्चा करेंगे. इस मौके पर सुनील विश्वकर्मा, शिव शंकर प्रसाद,शंकर केशरी,राजेंद्र प्रसाद,सुनील पाण्डेय,बिनोद महतो बिकी गुप्ता, अशोक तिवारी, राजेश कुमार, संजीव प्रसाद,रूपम कुमार गुप्ता, अभिषेक चौधरी आदि मौजूद थे.

बसंत महतो ने ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन

महुदा। बुधवार को नगर निगम अंतर्गत वार्ड 6 टाटा सिजुआ भेलाटांड़, काशीटांड़ बस्ती में 200केवी का ट्रांसफार्मा टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो के अनुज बसंत कुमार महतो ने नारियल फोड़कर व फीता काटकर नया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया. ज्ञात हो कि विगत कई दिनों से उक्त गांव में ट्रांसफार्मर खराब रहने से अंधेरा छाया था. इस पर महतो ने पहल करते हुए विभाग से नया ट्रांसफार्मर दिलाया. इस मौके पर मुख्य रूप से झामुमो युवा मोर्चा अध्यक्ष कतरास नगर हलीम अंसारी , नीलकंठ महतो, शिवनाथ महतो, रशीद अंसारी, मनोज महतो, दीपक महतो, उमेश महतो, अनिल महतो, करन महतो, तपन महतो, अरुण महतो, आनंद महतो दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे.

नीट में सफल मंजू को रतिलाल ने किया सम्मानित

टुंडी। राजगंज बागदहा गांव निवासी गोविन्द हेम्ब्रम की पुत्री मंजु कुमारी ने अपने पहले ही अथक प्रयास में नीट की प्रतियोगी परीक्षा में पास कर स्वजनों संग पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित कर दिया. मंजू के इस सफलता को सम्मानित करने के लिए टुंडी विधानसभा क्षेत्र के झामुमों के वरीय नेता रतिलाल टूडू के गाँव पहुंच कर सम्मानित किया. मंजू का दाखिला शहीद निर्मल महतो स्मारक केंद्रीय चिकित्सा अस्पताल में हुआ है.

झरिया मास्टर प्लान पर कोयला खान मंत्री ने साझा किए विचार

मंत्री ने किया बेलगड़िया टाउनशिप का भ्रमण

उपायुक्त ने कोयला एवं खान राज्यमंत्री का किया स्वागत

बेलगड़िया के विकास कार्यों पर दी गई विस्तृत जानकारी

शुभम संदेश। धनबाद

भारत सरकार के कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे बुधवार को बीसीसीएल मुख्यालय पहुंचे. इस अवसर पर उपायुक्त आदित्य रंजन ने जिला प्रशासन की ओर से पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया. वहीं बीसीसीएल की ओर से सीएमडी समीरन दत्ता और कंपनी के अन्य निदेशकों ने मंत्री का अभिनंदन किया. बीसीसीएल मुख्यालय में मंत्री सतीश चंद्र दुबे की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक के दौरान उन्होंने झरिया मास्टर प्लान पर अपने विचार साझा किए, जो स्थानीय लोगों की प्राथमिकताओं और क्षेत्रीय सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए आगे की दिशा तय करने हेतु प्रेरक सिद्ध हुए.

बेलगड़िया विकास कार्यों पर विस्तृत प्रस्तुति

बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन ने जेआरडीए के तहत बेलगड़िया में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी. बुनियादी सुविधाओं पेयजल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, लीगल टाइटल होल्डर व नॉन की सत्यापन स्थिति, टाउनशिप क्षेत्र का समग्र विकास का विकास पर चर्चा की. वहीं पार्क निर्माण, तालाबों का सौंदर्यीकरण व मछली पालन, सड़क निर्माण, नालियों की सफाई, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, स्ट्रीट लाइट और हाई मास्ट लाइट की व्यवस्था इंफ्रास्ट्रक्चर सुदृढ़ करने पर बात हुई. सुरक्षा और जनकल्याण के बारे में चारों ओर बाउंड्री वॉल, सुरक्षा गार्डों की तैनाती, विद्यालय का जीर्णोद्धार, खेल मैदान का विकास, शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की स्थापना पर बात की. रोजगार और स्किल डेवलपमेंट के लिए कौशल विकास केंद्र की स्थापना, स्वरोजगार को बढ़ावा देने हेतु योजनाएं, बीसीसीएल द्वारा बस सुविधा, 50 ई-रिक्शा के लिए जरेडा और बीसीसीएल के बीच एमओयु कराने की बात की. बेलगड़िया वासियों के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ टाउनशिप के सभी निवासियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने की बात कही.

मंत्री ने बीसीसीएल के प्रदर्शन, उत्पादन स्तर, सुरक्षा मानकों और संचालन की गहन समीक्षा की. उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऊर्जा एवं औद्योगिक क्षेत्र को सशक्त बनाने में बीसीसीएल की भूमिका की प्रशंसा की और इसे और अधिक मजबूत बनाने के लिए दिशा-निर्देश भी दिए.

बैठक के बाद राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने उपायुक्त आदित्य रंजन के साथ बेलगड़िया टाउनशिप का भ्रमण किया. उन्होंने वहां चल रहे विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया और किए जा रहे प्रयासों की सराहना की. इस अवसर पर सीएमडी समीरन दत्ता, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (वित्त) राकेश कुमार सहाय, निदेशक (तकनीकी) संजय कुमार सिंह, निदेशक (तकनीकी – योजना एवं परियोजना) मनोज कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित थे.

एक नजर

गोधर में भूधंसान

घर के बाहर कपड़े फैला रही युवती गोफ में समाई

- कड़ी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों ने अंजू को गोफ से निकाला
- स्थानीय लोगों में दहशत, पुनर्वास योजनाओं पर उठे सवाल

शुभम संदेश। धनबाद

एक ओर जहां केन्द्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे धनबाद दौरे पर आकर झरिया विस्थापन एवं पुनर्वास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गोधर में बुधवार को हुई भूधंसान की घटना ने पुनर्वास योजनाओं की जमीनी हकीकत उजागर कर दी है.

घटना बीसीसीएल के एरिया छह अंतर्गत गोधर के एक घनी आबादी वाले इलाके की है, जहां घर के बाहर कपड़े फैला रही युवती अंजू अंजली अचानक गहराते गोफ में समा गई. सौभाग्यवश, उसी समय दूध देने आ रहे एक व्यक्ति ने घटना को देखा और शोर मचाया. शोर सुनकर परिजन बाहर आए और लगभग 20 मिनट की मशक्कत के बाद अंजू को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया.

पीड़िता के भाई मनोज कुमार सिंह ने बताया कि उनका परिवार वर्षों से यहां रह रहा है, लेकिन अब तक पुनर्वास की योजनाएं सिर्फ कागजों पर सीमित हैं. वहीं अंजू ने बताया कि कपड़े फैलाते वक्त वह कब गोफ में समा गई, उसे कुछ पता ही नहीं चला.

घटना की जानकारी मिलते ही विधायक राज सिन्हा मौके पर पहुंचे और पीड़िता से मिलकर उन्हें सांत्वना दी. मीडिया से बात करते हुए विधायक ने कहा कि वे इस मामले को बीसीसीएल अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे और मांग करेंगे कि यहां के निवासियों का शीघ्र पुनर्वास किया जाए.

डीएवी की विद्या ने जीता कुश्ती में गोल्ड

महुदा (शुभम संदेश)। कचर्रा बस्ती निवासी डीएवी महुदा के आठवीं की छात्रा विद्या कुमारी ने रेसलिंग में राज्य स्तरीय पर गोल्ड मेडल जीता है. डीएवी ग्रुप की ओर से रामगढ़ में राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता बरकाकाना डीएवी स्कूल में आयोजित की गई थी. जिसमें विद्या ने प्रथम स्थान लाकर अपने गांव समाज और स्कूल के नाम को ऊंचा किया है. समाजसेवी मेसर्स राधे कृष्णा ट्रेडर्स महुदा के प्रोपराइटर लालबाबू रवानी और उनकी धर्मपत्नी बुलबुल देवी ने विद्या कुमारी को मिठाई खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्या कुमारी ने इस सफलता से पूरे क्षेत्र का मान सम्मान बढ़ाया है. इसकी सफलता पर विद्या की माता अंजू देवी पिता महुदा इन्टर कॉलेज के प्राचार्य प्रो सिकंदर रवानी का काफी सहयोग रहा है. मौके पर विद्या कुमारी के दादी उर्मिला देवी दादा अखिलेश्वर रवानी, महेंद्र कुमार रवानी, प्रशांत कुमार निशांत कुमार सुशांत कुमार, आदर्श कुमार, निकिट कुमार,परी कुमारी, आदि ने खुशियां जताई है.

संकल्प एजुकेशन की आरती का नवोदय विद्यालय में चयन

शुभम संदेश। कतरास

संकल्प एजुकेशन, अंगारपथरा की छात्रा आरती कुमारी ने हौसले की उड़ान भरते हुए पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बेनागोड़िया में कक्षा आठवीं के लिए चयनित होकर संस्थान और क्षेत्र का नाम रोशन किया है. आरती के पिता राजू कुमार महतो कोटल अड्डा के निवासी हैं जो प्राइवेट नौकरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि माता सुनीता देवी गृहिणी हैं.

आरती की सफलता पर संकल्प एजुकेशन में खुशी का माहौल है. संस्थान के निदेशक सहदेव महतो, प्रबंध निदेशक मनोरमा देवी, रवि कुमार निषाद, शंकर किशोर महतो, कुणाल कुमार शर्मा, रूपा महतो, अमित यादव सहित कई गणमान्य लोगों ने बधाई दी. उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में संस्थान के अब तक 12 छात्र-छात्राएं नवोदय विद्यालय में चयनित हो चुके हैं.

दुधिया तालाब से मिला विजय पासवान का शव, हत्या की आशंका

शुभम संदेश। कुमारधुबी

पंचमोहली पंचायत स्थित दुधिया तालाब से बुधवार सुबह विजय पासवान (46) का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई. मृतक बरडंगाल का निवासी था और राजमिस्त्री का काम करता था. कुमारधुबी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया है. शव की पहचान भाई ललित पासवान ने की.

परिजनों के अनुसार विजय मंगलवार सुबह छह बजे काम पर निकला था लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा. पूछताछ में पता चला कि वह बाउतीडीह में शराब पीकर घर के लिए रवाना हुआ था. बुधवार सुबह तालाब में शव मिलने की सूचना मिली. शव पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं हैं. हालांकि, तालाब की दूरी और संदिग्ध परिस्थितियों को देखते हुए हत्या की आशंका से इंकार नहीं किया जा रहा है. पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि विजय ने कब, कहां और किसके साथ शराब पी, वह तालाब तक क्यों गया, और तैराक होने के बावजूद डूबा कैसे?

मृतक अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों (14 वर्षीय बेटा व 12 वर्षीय बेटी) को छोड़ गया है. परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है. पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है. स्थानीय लोगों ने बताया कि विजय सीधा-सादा व्यक्ति था, जिसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी.

कल्याण गुरुकुल को छात्रावास सौंपने का आदेश पूर्व में हुआ है जारी

कब्जा मुक्त नहीं हुआ महुदा इंटर कॉलेज का छात्रावास

शुभम संदेश। झरिया

महुदा। जिला प्रशासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद महुदा इंटर कॉलेज स्थित पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक छात्रावास अब तक कब्जा मुक्त नहीं हो पाया है. छात्रावास पर महुदा डिग्री कॉलेज एवं इंटर कॉलेज का कब्जा बना हुआ है, जबकि इसे कल्याण गुरुकुल को सौंपे जाने का आदेश पहले ही जारी किया जा चुका है.

छात्रावास के इंचार्ज श्यामलाल महतो ने बताया कि वर्तमान में छात्रावास में छात्र रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि इस संबंध में धनबाद उपायुक्त एवं मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर छात्रावास को कल्याण गुरुकुल को नहीं सौंपने का अनुरोध किया गया है.

गौरतलब है कि जिला अपर समाहर्ता सह छात्रावास कब्जा मुक्त समिति के अध्यक्ष बिनोद कुमार ने 14 अगस्त को बाघमारा अंचलाधिकारी गिरजा नंद किष्कु और बीडीओ लक्ष्मण यादव को पत्र जारी कर दो दिनों के भीतर छात्रावास को कब्जा मुक्त कराने का निर्देश दिया था. लेकिन आदेश जारी होने के दो सप्ताह बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है.

राज्य सरकार इस छात्रावास को कल्याण गुरुकुल को सौंपकर पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों को तकनीकी प्रशिक्षण देने की योजना बना रही है. लेकिन अवैध कब्जा इस योजना में बाधा बना हुआ है.

सूत्रों के अनुसार, छात्रावास पर कब्जा बरकरार रखने के लिए कॉलेज प्रबंधन ने एक विधायक के प्रभाव का भी सहारा लिया है. इस संबंध में सीओ गिरजा नंद किष्कु ने कहा कि कॉलेज प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि 29 अगस्त तक छात्रावास खाली कर दें, अन्यथा 30 अगस्त को बल प्रयोग कर कब्जा हटाया जाएगा. वहीं बीडीओ लक्ष्मण यादव ने बताया कि वे जल्द ही अपर समाहर्ता से मिलकर इस समस्या का समाधान निकालेंगे.

सर दोराबजी टाटा की 166वीं जयंती पर टाटा झरिया डिवीजन ने दी श्रद्धांजलि

जामाडोबा (शुभम संदेश)। टाटा स्टील झरिया डिवीजन द्वारा बुधवार को जामाडोबा स्थित सर दोराबजी टाटा पार्क में टाटा समूह के प्रथम चेयरमैन सर दोराबजी टाटा की 166वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई. यह पार्क सर दोराबजी टाटा के सम्मान में समर्पित है और इस आयोजन में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं यूनियन प्रतिनिधि शामिल हुए. कार्यक्रम की शुरुआत झरिया डिवीजन के चीफ (जामाडोबा ग्रुप) श्री सुब्रत दास द्वारा पुष्पांजलि अर्पण से हुई. उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं यूनियन प्रतिनिधियों के साथ मिलकर सर दोराबजी टाटा को श्रद्धासुमन अर्पित किए.

विघ्नहर्ता गणेश की पूजा हर्षोल्लास के साथ संपन्न, कई जगहों पर लगे मेले

तिसरी में 7 दिवसीय गणेश महोत्सव आरंभ

शुभम संदेश। तिसरी

गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड मुख्यालय स्थित गांधी मैदान में इस वर्ष भी हर साल की तरह गणेश महोत्सव बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है. मैदान के बीचों-बीच एक भव्य पंडाल बनाया गया है, जिसमें 11 फीट की गणेश जी की प्रतिमा स्थापित की गई है. बुधवार, यानी गणेश चतुर्थी के दिन, यहां पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई. पूजा से पहले स्थानीय समाजसेवी राजकुमार शर्मा ने गणेश जी के लिए भोग के तौर पर 51 किलोग्राम का एक बड़ा लड्डू तैयार करवाया था. पूजा समिति द्वारा इस लड्डू को बैंड-बाजे के साथ एक रथ पर शोभायात्रा निकाल कर राजकुमार शर्मा के घर से पूजा स्थल तक लाया गया. इसके बाद, पंडितों और यजमानों ने श्री गणेश जी की पूजा संपन्न करवाई. पूजा के बाद, शाम तक प्रसाद का वितरण किया गया. 7 **दिवसीय डिजनीलैंड मेले का आयोजन** : बताते चलें कि गणेश चतुर्थी के अवसर पर पिछले 5 वर्षों से यहाँ भव्य मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है. इस साल भी 7 दिवसीय डिजनीलैंड मेले का आयोजन किया गया है, जिसमें तारामाची, मौत का कुआँ, नाव वाला झूला, जंपिंग पैड, ब्रेक डांस जैसे कई मनोरंजन के साधन उपलब्ध हैं. पूरे मैदान में विभिन्न प्रकार की दुकानें भी लगाई गई हैं. इसके अलावा, गुरुवार को संगीत कार्यक्रम, शुक्रवार को डांस कॉम्पिटिशन, शनिवार को पुरस्कार वितरण, रविवार को हास्य कलाकार राजू हलचल की झाँकी-जागरण, सोमवार को भंडारा और मंगलवार, 2 सितंबर को प्रतिमा विसर्जन के साथ इस महोत्सव का समापन हो जाएगा. यह भव्य आयोजन तिसरी की गणेश पूजा समिति द्वारा किया जा रहा है.

दांतू में गणेश महोत्सव की शुरुआत

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के दांतू गाँव में श्री गणेश चतुर्थी के अवसर पर नवयुवक गणेश मंडली द्वारा बुधवार को तीन दिवसीय गणेश उत्सव की शुरुआत हुई. इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिला बीस सूत्री समिति के उपाध्यक्ष, लक्ष्मण कुमार नायक और पूजा समिति के अध्यक्ष, चंदन कुमार भारत, समेत कई अन्य युवक शामिल थे. इस दौरान, पूजा समिति के अध्यक्ष ने बताया कि यह महोत्सव 29 अगस्त तक चलेगा. महोत्सव में प्रतिमा की स्थापना के बाद, पूजा-अर्चना, आरती, भंडारा, प्रसाद वितरण, विशेष पूजन और श्री गणेश चालीसा का पाठ किया जाएगा. 29 अगस्त की शाम तीन बजे, कान्हा रविराज और उनकी टीम द्वारा भव्य झांकी के साथ गणपति बप्पा की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा. इस कार्यक्रम में पूजा समिति के अध्यक्ष चंदन कुमार भारत, सचिव अक्षय कुमार दसौंधी, कोषाध्यक्ष मोहन कुमार नायक, सह-कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार, उपाध्यक्ष पवन कुमार नायक, अमित कुमार नायक, अंकेक्षक कुणाल किशोर, संरक्षक शिवरतन नायक, गंगासागर साव, मोहन कुमार नायक, राम नायक, गोपाल नायक, शेखर नायक, हिमांशु कुमार, राजू नायक, विद्याधर कुमार, अंकुश कुमार, कृष्ण कुमार, आकाश ठाकुर, विकास कुमार, पिंटू कुमार, मनीष कुमार, राहुल ठाकुर, प्रसादी नायक, चंद्रशेखर आजाद, अंकित रंजन, तुषार कुमार और सामू कुमार उपस्थित थे.

कसमार में ध्वजारोहण के साथ पांच दिवसीय गणेश महोत्सव शुरू

कसमार (बोकारो)। कसमार स्थित बजरंग बली मंदिर परिसर में आयोजित पांच दिवसीय गणेश महोत्सव की शुरुआत बुधवार को ध्वजारोहण और गणपति बप्पा की प्रतिमा का पट खोलकर हुई. इस मौके पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया. महोत्सव की शुरुआत सबसे पहले संकल्प ध्वजारोहण के साथ वेदी स्थापन करके की गई. इसके बाद, कसमार के थाना प्रभारी भजन लाल महतो ने श्री गणेश की मूर्ति का पट खोलकर गणपति की स्थापना की. पंडित कृष्ण मोहन चौबे, अविनाश कुमार चौबे और हर्षित चौबे की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा करवाई गई. थाना प्रभारी भजन लाल महतो ने महोत्सव की शुरुआत करते हुए कहा कि कसमार के स्थानीय युवाओं द्वारा पिछले कई वर्षों से ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन क्षेत्र में भक्ति भाव और सामाजिक-धार्मिक एकता का प्रतीक है. उन्होंने इस तरह के धार्मिक आयोजन के लिए गणेश पूजा समिति को बधाई दी. इस दौरान, गणेश महोत्सव के अध्यक्ष सूरज कुमार साव ने बताया कि पांच दिवसीय गणेश महोत्सव के कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई है. महोत्सव में रोज़ाना प्रसाद और भंडारे के साथ विशेष गणेश पूजन का आयोजन किया जाएगा. वहीं, 30 अगस्त की रात खोरठा के चर्चित गायक सतीश दास और उनकी टीम के कलाकार भक्ति जागरण और झांकी प्रस्तुत करेंगे. 31 अगस्त की रात जागरण टीम धनबाद की ओर से झांकी प्रस्तुत की जाएगी. एक सितंबर को गणेश महोत्सव का समापन पूर्णाहुति और महाप्रसाद वितरण के साथ होगा, जिसके बाद प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा. इस दौरान थाना प्रभारी भजन लाल महतो, समिति के अध्यक्ष सूरज साव, उपाध्यक्ष राकेश रंजन, अखिल चौबे, प्रीतम मिश्रा, सचिव विष्णु जायसवाल, उप-सचिव मेघनाथ गोस्वामी, कोषाध्यक्ष कुशल जायसवाल, संरक्षक रजत मिश्रा, पूजा समिति के सदस्य मंजीत जायसवाल, उमाशंकर, अशोक समेत अन्य लोग मौजूद थे.

गणेश चतुर्थी पर ललमटिया में धूमधाम से हुई पूजा

ललमटिया। ईसीएल की राजमहल परियोजना के सीएचपी कार्यालय स्थित गणेश मंदिर में बुधवार को भगवान गणेश की धूमधाम से पूजा-अर्चना की गई. इस दौरान, ईसीएल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने परियोजना की सफलता और विश्व के कल्याण के लिए प्रार्थना की. मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था. इसके अलावा, ललमटिया थाना क्षेत्र और लोहंडिया बाजार के विभिन्न स्थानों पर भी गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया गया. श्रद्धालुओं ने प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर भगवान गणेश से सुख-समृद्धि की कामना की. पूजा में सीसी इंचार्ज वेदा पाल्लीवाल समेत कई पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे. पूजा में सीसी इंचार्ज वेदा पाल्लीवाल, रवि शंकर कुमार, पी. बरनवाल, मुकेश झा, नानक दिवाकर सिंह, शेखर प्रसाद, सौरभ साहा, सुनील सिंह, प्रदीप मंडल, प्रदीप सिंह, माथुर महतो, शंकर प्रसाद के अलावा, राजमहल परियोजना के दर्जनों लोग शामिल थे.

गावां में गणेश चतुर्थी का उल्लास

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड में गणेश चतुर्थी का पर्व धूमधाम से मनाया गया. इस मौके पर कई स्थानों पर गणेश जी की प्रतिमाएँ स्थापित की गईं और देर रात तक पूजा-अर्चना चलती रही. काली मंडा, सेरुआ, माल्डा और नगवां जैसे स्थानों पर पंडालों में गणपति के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. पूजा-पाठ के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया. कई जगहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया.

ब्रीफ खबरें

क्षत्रिय कल्याण समाज की बैठक संपन्न

गिरिडीह। गिरिडीह परिसदन में क्षत्रिय कल्याण समाज की एक बैठक हुई, जिसमें पूर्व एमएलसी प्रवीण सिंह शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने बताया कि पूरे झारखंड प्रदेश के राजपूतों का एक महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है. इसी के सिलसिले में वे पूरे झारखंड का भ्रमण कर सभी को जागरूक कर रहे हैं. आगामी 31 अगस्त को रांची के कटहल मोड़ में एक बड़ी बैठक होनी तय हुई है. साथ ही अगले साल के फरवरी माह में एक विशाल जनसभा का आयोजन भी किया जाएगा. बैठक में इन्हीं दो विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई.

जनजातीय उत्थान के लिए साहिबगंज में प्रशिक्षण

साहिबगंज। भारत सरकार के 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत बुधवार को साहिबगंज में एक जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ. इस अभियान के पहले चरण में साहिबगंज के 8 प्रखंडों के 236 गांव शामिल किए गए हैं. उपायुक्त हेमंत सती ने बताया कि यह एक पांच वर्षीय योजना है, जिसका लक्ष्य जनजातीय बहुल गांवों का सर्वांगीण विकास करना है. इस अभियान के तहत, प्रधानमंत्री आवास, जल जीवन मिशन, विद्युतीकरण, आयुष्मान कार्ड सहित 25 से अधिक सरकारी योजनाओं को लागू किया जाएगा.

नियमों को आचरण में उतारने का पर्व है पर्युषण

डुमरी (गिरिडीह)। शिक्षक सुनील कुमार जैन का कहना है कि पर्युषण नियमों को आचरण में उतारने का पर्व है. उन्होंने कहा कि जैन धर्म सिर्फ एक धर्म नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और विचारों का महासंगम है. जैन धर्म में कई पर्व होते हैं, लेकिन पर्युषण एक महापर्व है जिसकी महत्ता अनादि और अनिधन है. उन्होंने बताया कि पर्युषण पर्व साल में तीन बार मनाया जाता है - माघ, चैत्र और भाद्रपद मास में. लेकिन, भाद्रपद मास में पर्युषण पर्व विशेष उल्लास के साथ मनाया जाता है. भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी से चतुर्दशी तक 10 दिनों तक चलने वाला यह महापर्व 'दशलक्षण' के नाम से भी जाना जाता है.

अंधविश्वास के खिलाफ जागरुकता अभियान

बेंगाबाद (गिरिडीह)। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर बुधवार को बेंगाबाद पुलिस ने थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में भलकुदार पंचायत के नैयाडाबर गांव में एक जागरुकता अभियान चलाया. इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को अंधविश्वास और कुप्रथाओं से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था. थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी बीमारी या समस्या के पीछे 'डायन-भूत' जैसी बातें केवल अंधविश्वास हैं. उन्होंने सलाह दी कि बीमार पड़ने पर तुरंत अस्पताल जाएँ और झाड़-फूँक या ओझा-गुनी के चक्कर में न पड़ें. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी महिला को 'डायन' कहना न केवल सामाजिक रूप से गलत है, बल्कि एक कानूनी अपराध भी है.

डकैती करने वाले आधा दर्जन अपराधी गिरफ्तार, गए जेल

शुभम संदेश। बोकारो

1 देशी कट्टा, 2 देशी पिस्टल, 1 कार्बाइन टाइप कट्टा, 6 राउंड गोली, 1 स्कॉर्पियो, एक सब्बल और लूटे गए सोने-चाँदी के गहने बरामद

नावाडीह थाना क्षेत्र में एक घर में हथियार के बल पर 17-18 अगस्त 2025 की रात की गई डकैती के मामले में बोकारो पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल 6 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने उनके पास से 1 देशी कट्टा, 2 देशी पिस्टल, 1 कार्बाइन टाइप कट्टा, 6 राउंड गोली, 1 स्कॉर्पियो, एक सब्बल और लूटे गए सोने-चाँदी के गहने बरामद किए हैं. यह जानकारी बुधवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस कप्तान हरविंदर सिंह ने दी. उन्होंने बताया कि 17-18 अगस्त 2025 की रात नावाडीह थाना क्षेत्र के बिरनी डाटी गांव के धनेश्वर साहू के घर में डकैती हुई थी. इसमें 8-10 अज्ञात अपराधियों ने हथियार का डर दिखाकर पैसे, सोने-चांदी और अन्य जेवरात लूट लिए थे. इस घटना के बाद, आवेदक धनेश्वर साहू (पिता स्वर्गीय तेजलाल साहू, ग्राम बिरनी, थाना नावाडीह, बोकारो) के लिखित आवेदन के आधार पर नावाडीह थाना में कांड संख्या 57/25, दिनांक 18.08.2025 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 310(2) के तहत अज्ञात अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. इस मामले और पहले हुए डकैती कांडों का खुलासा करने के लिए पुलिस अधीक्षक, बोकारो और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बेरमो तेनुघाट के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम का गठन किया गया.

धनबाद-बोकारो में हुई डकैती का हुआ खुलासा : टीम ने कई जगहों पर छापेमारी की और अपराधियों का सत्यापन किया. धनबाद और बोकारो जिलों में पहले हुई डकैती की घटनाओं में शामिल संदिग्धों की भी जांच और छापेमारी की गई. जांच के दौरान, धनबाद के भूली और महुदा थाना क्षेत्रों के अपराधियों के बारे में गुप्त और तकनीकी माध्यमों से मिली सूचना के आधार पर, 26 अगस्त 2025 को छापेमारी की गई. इस दौरान ईस्ट बसुरिया ओपी क्षेत्र के मेन रोड पर एक संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन का पीछा करके उसे रोका गया और पूछताछ की गई. पूछताछ में उन्होंने नावाडीह के बिरनीडाही गांव में डकैती की घटना को अंजाम देने की बात कबूल की. इसके बाद, विक्रम कुमार, धर्मेंद्र राय, रवि कुमार और तासिम शेख को गिरफ्तार किया गया. इनके स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर डकैती में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो कार और सब्बल को जब्त किया गया. इनकी निशानदेही पर धनबाद के किशन पंडित के घर पर छापेमारी कर कांड में इस्तेमाल किए गए पिस्टल, कट्टा, कार्बाइन टाइप का कट्टा और गोलियाँ बरामद की गईं. इनके बयान के आधार पर चोरी के जेवरात खरीदने वाले दुकानदार मुकेश सोनार (ग्राम बोदरो, नावाडीह) के घर पर छापेमारी की गई और उसकी निशानदेही पर गलाकर बनाए गए 10 ग्राम सोने और 470 ग्राम चाँदी के सीट बरामद किए गए. इस मामले की जांच के दौरान पता चला कि इस गिरोह ने पिछले साल अक्टूबर में नावाडीह थाना क्षेत्र के चिरूडीह गांव में पुरुषोत्तम साव के घर हुई डकैती और जुलाई 2025 में धनबाद के ईस्ट बसुरिया थाना क्षेत्र में हुई डकैती को भी अंजाम दिया था. ये सभी अपराधी पहले भी कई बार जेल जा चुके हैं और उनका आपराधिक इतिहास रहा है.

कुड़मी समुदाय ने निकाली भव्य करम शोभायात्रा

गोड्डा (शुभम संदेश)। डहरे करम बेड़हा के अवसर पर गोड्डा में कुड़मि समुदाय ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा और ढोल-नगाड़ों के साथ एक विशाल करम शोभायात्रा निकाली. यह शोभायात्रा चानकु महतो स्मारक स्थल से शुरू होकर गोड्डा कॉलेज मैदान तक गई. इस आयोजन में झारखंड के अलावा बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम और बांग्लादेश से भी लोग शामिल हुए. संयोजक संजीव कुमार महतो ने बताया कि यह पर्व कुड़मि संस्कृति और प्रकृति से जुड़ा है, जो जीवन में रचनात्मकता और दृढ़ता की सीख देता है. कार्यक्रम में संयोजक संजीव कुमार महतो, देवेंद्र कुमार महतो, धनंजय महतो, दीपक महतो, दिनेश महतो, रजनीकांत महतो, प्रफुल्ल महतो, जय किशोर महतो, अशोक महतो, रविंद्र महतो, लंबोदर महतो, पंकज महतो, विष्णु महतो, खगेश महतो, खगेंद्र महतो, अजय महतो, विनोद महतो, श्रवण महतो, संजय महतो, मदन महतो, लालजी महतो, रमेश महतो, गौतम महतो, दशरथ महतो, दिलीप कुमार महतो, श्यामसुंदर महतो, मौसम राज महतो, देवल महतो, मानेसर महतो, प्रेम लता महतो, बबीता, पूनम, शांति, किशोर महतो, दयानंद महतो, चंद्रशेखर महतो, श्रवण महतो, सोमनाथ महतो, नितिय महतो सहित हजारों लोग उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

डोभा में डूबने से दो मासूम की मौत

बेंगाबाद (शुभम संदेश)। बेंगाबाद प्रखंड के पतरोडीह गांव में बुधवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां मनरेगा योजना के तहत बने एक डोभा में डूबने से सगे भाई-बहन की मौत हो गई. मृतकों की पहचान प्रिंस कुमार (6) और रानी कुमारी (4) के रूप में हुई है. ये दोनों बच्चे अपने माता-पिता दिनेश दास और सोनी देवी की इकलौती संतान थे. दिनेश दास सूरत में मजदूरी करते हैं और चार दिन पहले ही अपने बीमार पिता को देखने गांव लौटे थे. बुधवार को जब उनकी पत्नी सोनी देवी घर में बीमार थीं, तभी दोनों बच्चे घर के बाहर खेलने गए और पास के डोभा में फिसलकर डूब गए. काफी देर तक जब बच्चे घर नहीं लौटे, तो उनके चाचा ने खोजबीन शुरू की और दोनों को डोभा में डूबा हुआ पाया. बच्चों को तुरंत बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इस हादसे के बाद, परिवार में मातम छा गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई. ग्रामीणों ने इस दर्दनाक घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है और प्रशासन से मनरेगा के तहत बने डोभा की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग की है. हालांकि, इस घटना की जानकारी बेंगाबाद थाना को नहीं दी गई है.

गड्ढे से मिला अधेड़ का शव, हत्या की आशंका

गिरिडीह (शुभम संदेश)। गिरिडीह जिले के देवरी प्रखंड के ढाकोपत्थर गांव के पास एक गड्ढे से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है. मृतक की पहचान हीरोडीह थाना क्षेत्र के बैरिया गांव के पांडेयभीठा टोला निवासी 45 वर्षीय लक्ष्मण सिंह के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, लक्ष्मण सिंह मंगलवार को साप्ताहिक हाट (बाजार) में सब्जी खरीदने गए थे. देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिवार वालों ने उनकी तलाश शुरू की. बुधवार सुबह उनका शव एक गड्ढे में देखा गया. जिस गड्ढे में शव मिला, उसके पास सड़क पर खून के निशान भी थे, जिसके कारण परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है. घटना की सूचना मिलने पर हीरोडीह थाना की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

सांप के काटने से वृद्ध की मौत

बोकारो (शुभम संदेश)। चंदपुरा थाना क्षेत्र के पिपराडीह गांव में मंगलवार रात एक 60 वर्षीय व्यक्ति को सांप ने काट लिया, जिसके बाद इलाज के अभाव में उसकी मौत हो गई. मृतक के परिजनों ने डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है. परिजनों के अनुसार, रात लगभग 10 बजे पीड़ित को सांप ने काटा. इसके बाद उन्हें तुरंत चंदपुरा अस्पताल लाया गया, लेकिन वहां एंटी-स्नेक वेनम (सांप के जहर का इलाज करने वाला इंजेक्शन) उपलब्ध नहीं था, जिस कारण मरीज को बोकारो सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया. मृतक के साले ने बताया कि रात में मरीज की स्थिति सामान्य थी और वह परिजनों से बातचीत भी कर रहा था. लेकिन डॉक्टरों ने रातभर कोई विशेष जांच नहीं की. सुबह अचानक मरीज की तबीयत बिगड़ने लगी और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई.

प्रेम प्रसंग में मां बनी बाधक, बेटी ने कर दी हत्या

बोकारो (शुभम संदेश)। बरमसिया ओ.पी. क्षेत्र के पारबहाल गांव में दिनांक 18 अगस्त 2025 को एक महिला, तृप्ति देवी की हत्या कर दी गई थी. इस मामले की जांच के दौरान तकनीकी और मानवीय खुफिया जानकारी से पता चला कि मृतका की नाबालिग बेटी का गांव के ही सचिन पांडेय से प्रेम प्रसंग चल रहा था. मृतका अपनी बेटी के इस संबंध का विरोध करती थी. जांच में यह भी सामने आया कि 16 अगस्त 2025 को लड़की के परिजनों ने सचिन पांडेय के साथ मारपीट की थी. इसी बात से नाराज होकर लड़की ने यह सोच लिया था कि उनके रिश्ते के बीच में उसकी मां ही सबसे बड़ी बाधा है. पुलिस के अनुसार, नाबालिग बेटी ने अपनी मां का गला दुपट्टे से दबाकर हत्या करने की बात स्वीकार कर ली है. उसके बताए अनुसार, हत्या में इस्तेमाल किया गया दुपट्टा और मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है. नाबालिग लड़की को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और मामले में अन्य बिंदुओं पर जांच अभी जारी है.

जमीन विवाद में विधवा से मारपीट, शिकायत

तिसरी (शुभम संदेश)। तिसरी थाना क्षेत्र के भोगताडीह गांव में जमीन विवाद को लेकर एक विधवा सास-बहू के साथ मारपीट हुई. इसमें घायल हुई सास, शांति देवी को गंभीर हालत में गिरिडीह रेफर किया गया है. बहू निशा देवी के अनुसार, गांव के कुछ लोग जबरन उनकी जमीन पर कब्जा कर रहे थे. शांति देवी ने इस मामले में पिंटू यादव सहित सात लोगों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है. आरोपी पिंटू यादव ने आरोपों को झूठा बताया है.

फंदे से लटकता मिला विवाहिता का शव

गांडेय (शुभम संदेश)। गांडेय थाना क्षेत्र के घाटकुल गांव में 30 वर्षीय विवाहिता गुलशन खातून का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से झूलता हुआ मिला. इस मामले में मृतका की मां ने ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाया है. मृतका की मां जामताड़ा जिले के कर्मा टांड़ थाना क्षेत्र की निवासी सैरून बीबी ने गांडेय थाना में एक आवेदन दिया है. आवेदन में उन्होंने कहा कि उनकी बेटी गुलशन खातून की शादी करीब 8 साल पहले घाटकुल निवासी आदम अंसारी से हुई थी. सैरून बीबी ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी के साथ मारपीट करने के बाद उसे फांसी पर लटकाकर उसकी हत्या कर दी गई है. उन्होंने मृतका के पति, सास, ननद, गोतनी और भैंसुर पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है. गांडेय के थाना प्रभारी आनंद प्रकाश सिंह ने बताया कि उन्हें आवेदन मिल गया है और इसके आधार पर कांड संख्या 52/25 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच जारी है.

कुएं से निकाले गए हिरण को जंगल में छोड़ा

कसमार (शुभम संदेश)। कसमार के लोधकियारी गांव में कुएं में गिरे एक हिरण को वन विभाग ने ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित निकाल लिया था. चिकित्सकीय देखरेख के बाद, हिरण के पूरी तरह स्वस्थ होने पर उसे बुधवार को केदला के घने जंगलों में छोड़ दिया गया. ग्रामीणों ने वन्यजीव संरक्षण के इस प्रयास की सराहना की.

सूरत में झारखंड के युवक की सड़क हादसे में मौत

शुभम संदेश। जमुआ (गिरिडीह)

गुजरात के सूरत शहर में एक सड़क हादसे में झारखंड के गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड के केंदुवा पंचायत के पलरा गांव के निवासी छतरधारी मंडल (29) की बुधवार सुबह दर्दनाक मौत हो गई. इस हृदय विदारक घटना से उनके पैतृक गांव में शोक का माहौल है. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, छतरधारी मंडल सूरत में टेम्पो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे. बुधवार सुबह वे टेम्पो लेने के लिए पैदल अंतरौली बडोदरा की ओर जा रहे थे, तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार इको पिकअप वैन ने उन्हें टक्कर मार दी. यह टक्कर इतनी भीषण थी कि वे गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया.

वेदांता स्किल स्कूल के छात्रों को मिली नौकरी

शुभम संदेश। बोकारो

वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड की सीएसआर पहल 'वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल' में फील्ड टेक्नीशियन और होम अप्लायंसेस रिपेयरिंग (एमएसटी) ट्रेड के पहले बैच के 25 छात्रों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के बाद नौकरी के ऑफर लेटर दिए गए. इन सभी छात्रों को आमधने प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा में अच्छे पैकेज पर नौकरी मिली है. समारोह में आनंद दुबे (सीएफओ, ईएसएल स्टील लिमिटेड) और कुणाल दरिपा (सीएसआर हेड, ईएसएल स्टील लिमिटेड) उपस्थित रहे. ऑफर लेटर मिलने पर छात्रों ने खुशी और अपने अनुभव साझा किए. कार्यक्रम का समापन फ्लैग वेव-ऑफ के साथ हुआ, जब सभी छात्र नौकरी के लिए नोएडा रवाना हुए. वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल एक रेजिडेंशियल ट्रेनिंग सेंटर है, जहां युवाओं को रोजगार से जुड़ी ट्रेनिंग दी जाती है. यहां सोलर पीवी इंस्टॉलर, फील्ड टेक्नीशियन और फूड एंड बेवरेज सर्विस जैसे कोर्स चलाए जाते हैं. अब तक 673 छात्रों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है और इनमें से 500 छात्रों को नौकरी मिली है.

दिव्यांग क्रिकेटर महावीर मोदी को विधायक उमाकांत रजक ने किया आर्थिक सहयोग

शुभम संदेश। बोकारो

चंदनकियारी प्रखंड के बरमसिया रोहिनीयागाढ़ा गांव निवासी दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ी महावीर मोदी को विधायक उमाकांत रजक ने अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए श्रीलंका के कोलंबो जाने हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की. विधायक उमाकांत रजक ने महावीर को आश्वस्त किया कि वे अपना मनोबल ऊँचा रखें और भविष्य में भी वे उनकी सहायता करते रहेंगे. विधायक ने यह भी कहा कि वे खेल मंत्रालय से बात करेंगे ताकि ऐसे खिलाड़ियों के लिए यदि कोई सरकारी योजना हो तो उन्हें उसका लाभ दिलाया जा सके. विधायक ने कहा कि चंदनकियारी की धरती प्रतिभा से भरी हुई है और हर स्तर पर प्रतिभाशाली युवा चंदनकियारी का नाम रोशन करने में लगे हुए हैं. इससे पहले, महावीर ने विधायक को बताया कि उनका चयन भारतीय टीम की ओर से 6 से 10 अक्टूबर तक श्रीलंका के कोलंबो शहर में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए हुआ है. विधायक ने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चंदनकियारी, बोकारो, झारखंड और देश का नाम रोशन करने के लिए बधाई दी. महावीर ने बताया कि उन्हें 21 से 27 अक्टूबर तक देहरादून स्थित बेस कैंप पहुंचना है. ग्रामीण क्षेत्र के इस युवक ने बचपन से ही शारीरिक चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन उसने कभी हार नहीं मानी. अपने लगातार अभ्यास और दृढ़ निश्चय के बल पर ही उसका चयन विदेश में खेलने के लिए भारतीय टीम में हुआ है. भारतीय पैरालंपिक क्रिकेट क्लब की ओर से जैसे ही महावीर को चयन पत्र मिला, पूरे गांव में खुशी का माहौल छा गया. परिवार और ग्रामीण उनकी सफलता पर गर्व महसूस कर रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि सरकार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के उत्थान की बात तो करती है, लेकिन ग्रामीण किसान परिवार से आने वाले और चंदनकियारी जैसे सुदूर गांव में रहने वाले महावीर मोदी के पास श्रीलंका के कोलंबो पहुंचने और वहां रहने के लिए संसाधनों की कमी साफ-साफ दिख रही है. महावीर ने 2004 से 2024 तक देश के अलग-अलग राज्यों में कई दर्जन मैच खेले हैं.

संरक्षित क्षेत्रों में धरना-प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध

बोकारो (शुभम संदेश)। बिहार राजपत्र (बिहार गजट), अधिनियम-1923 की धारा (2) के तहत बोकारो स्टील प्लांट के कई क्षेत्रों को 'संरक्षित क्षेत्र' घोषित किया गया है. इनमें बी.एस.एल. संयंत्र, प्रशासनिक भवन, 132 केवी टाउनशिप सब-स्टेशन, गरगा डैम और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट शामिल हैं. इन स्थानों पर किसी भी प्रकार का धरना, प्रदर्शन या सार्वजनिक सभा करना पूरी तरह प्रतिबंधित है. जन सुरक्षा और औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा को देखते हुए, बी.एस.एल. प्रबंधन ने टु-टैंक गार्डन को आधिकारिक तौर पर एकमात्र धरना-प्रदर्शन स्थल के रूप में निर्धारित किया है. चास के अनुमंडल पदाधिकारी, प्रांजल ढांडा ने सभी संगठनों और नागरिकों से अपील की है कि वे शांति और व्यवस्था बनाए रखने में जिला प्रशासन का सहयोग करें और भविष्य में सभी विरोध प्रदर्शन केवल इसी निर्धारित स्थल पर आयोजित करें. अन्य किसी स्थान पर इस तरह की गतिविधियाँ करना गैर-कानूनी माना जाएगा.

ब्रीफ खबरें

सुदामडीह में बाइक चोरी सीसीटीवी फुटेज में कैद

चासनाला। सुदामडीह थाना क्षेत्र के मोहबनी महतो बस्ती निवासी आनंद महतो की स्प्लेंडर बाइक (संख्या जेएच10बीजेड 3267) बुधवार शाम 4:20 बजे उनके घर के सामने से चोरी हो गई. पीड़ित ने इस संबंध में सुदामडीह थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है. आनंद महतो ने बताया कि उन्होंने हमेशा की तरह अपनी बाइक घर के सामने खड़ी की थी. जब वह किसी काम से बाहर आए तो बाइक गायब थी. अपने स्तर पर काफी खोजबीन करने के बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया. यह भी जानकारी सामने आई है कि डेढ़ साल पहले, 29 मार्च 2024 को, उनकी अपाचे बाइक भी चोरी हो गई थी, जिसकी शिकायत भी उन्होंने सुदामडीह थाने में दर्ज कराई थी. बुधवार को हुई चोरी का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें एक अज्ञात चोर बाइक को ले जाते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है.

मुगमा आंगनबाड़ी केंद्र में हुई गोद भराई की रस्म

निरसा बाजार। शासनबढ़िया पंचायत क्षेत्र के मुगमा बस्ती स्थित राय टोला आंगनबाड़ी केंद्र में पूर्व जिला परिषद सदस्य दुर्गा दास के हाथों गोद भराई की रस्म अदा की गई. इस अवसर पर दुर्गा दास ने कहा कि गोद भराई की रस्म हर सुहागिन बहन के लिए होनी चाहिए. उन्होंने इस कार्यक्रम के माध्यम से गर्भवती महिला सोनी देवी और आने वाले बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की.

लायंस क्लब का निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर

बाघमारा। लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल ने प्रेम डेंटल क्लिनिक के सहयोग से एक निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया. यह शिविर बाघमारा काली मंदिर के पास सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक चला. इसमें प्रसिद्ध दंत चिकित्सकों डॉ. कविता सिंह और डॉ. एम.के. सिंह ने 12 लोगों के दाँतों की जाँच की और उन्हें सही परामर्श दिया. इस अवसर पर, क्लब के अध्यक्ष शशिकांत शरण, एमजेपी लायन मदनमोहन सर, उपाध्यक्ष दीपक प्रसाद, गोपाल सिंह, के.सी. पाल, लक्ष्मीकांत मिश्रा, विनोद मिश्रा, अजीत रवानी और अन्य सदस्य उपस्थित थे.

सदर अस्पताल में आयुष्मान कार्डधारी माताओं को मिला न्यूट्रिशन-बेबी किट

उपायुक्त ने स्वयं किया वितरण, मरीजों को उत्कृष्ट सेवा का भरोसा

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन ने मंगलवार को सदर अस्पताल में आयुष्मान कार्ड के माध्यम से प्रसव कराने वाली माताओं को न्यूट्रिशन किट और नवजात शिशुओं के लिए बेबी किट प्रदान किया. इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री जन आरोग्य आयुष्मान भारत योजना केंद्र सरकार के सहयोग से संचालित एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजना है, जिसके अंतर्गत मरीजों को निःशुल्क और उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा प्रदान की जाती है. उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल भी इस योजना में पंजीकृत है और यहां योजना के तहत आने वाले मरीजों को बेहतर सेवा दी जा रही है. इसी क्रम में आयुष्मान योजना के अंतर्गत सर्जरी कराने वाले मरीजों को भी प्रोत्साहन स्वरूप किट दी गई है. उपायुक्त ने बताया कि एमटीसी (मदर टेरेसा क्लिनिक) में भर्ती माताओं और नवजातों को भी न्यूट्रिशन किट दी गई, जिसमें मूंगफली, सोयाबीन, रागी आटा समेत अन्य पौष्टिक आहार शामिल हैं. इससे माताओं की सेहत में सुधार होगा और बच्चे कुपोषण से बचेंगे. उन्होंने कहा कि जल्द ही जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आयुष्मान भारत योजना लागू की जाएगी. इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा, उपाधीक्षक डॉ. संजीव कुमार प्रसाद सहित अस्पताल के अन्य कर्मी मौजूद थे.

डीसी ने मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र बाबूडीह का किया निरीक्षण

- प्री-नर्सरी स्कूल की तर्ज पर किया जा रहा है केंद्र का विकास
- आंगनबाड़ी केंद्रों का सशक्तिकरण प्रशासन की प्राथमिकता : उपायुक्त

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन ने बुधवार को बाबूडीह स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने खेलकूद क्षेत्र, कक्षा-कक्ष, रसोईघर, शौचालय, पोषण वाटिका सहित पूरे परिसर का बारीकी से जायजा लिया और आवश्यक सुधार के लिए दिशा-निर्देश दिए. उपायुक्त ने कहा कि जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को उत्कृष्ट प्ले स्कूल की तर्ज पर विकसित करने की दिशा में काम हो रहा है. इस पहल के तहत बाबूडीह का केंद्र एक मॉडल आंगनबाड़ी सह प्री-नर्सरी स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है. इसकी सफलता के बाद जिले के अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों को भी इसी मॉडल पर विकसित किया जाएगा. उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का सशक्तिकरण राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है. यहां अध्ययनरत बच्चे देश के भविष्य हैं, और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना प्रशासन का मुख्य उद्देश्य है. साथ ही, इन केंद्रों के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना भी एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है. निरीक्षण के दौरान डीएमएफटी टीम लीडर शैलेश तिवारी, डीएमएफटी पीएमयू के सदस्य, सेविका समेत अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे.

कोयला नगर साईं मंदिर में गणेश पूजा का उद्घाटन

शुभम संदेश। धनबाद

कोयला नगर के साईं मंदिर में आयोजित गणेश पूजा का उद्घाटन समाजसेवी और श्री राम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने किया. उन्होंने विघ्नहर्ता भगवान गणेश जी के चरणों में नतमस्तक होकर पूरे विधि-विधान से पूजन किया और समस्त भक्तों की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की. इस अवसर पर, मंदिर के पुजारी तूफानी बाबा ने उदय प्रताप सिंह को अंगवस्त्र और माला पहनाकर सम्मानित किया. इस पूजा में प्रवीण सिंह, विश्वनाथ कुमार, श्वेताभ सिंह, अजय पांडे, विक्की, बादशाह, रुद्र प्रताप, कुलदीप सिंह, अंजली चौबे सहित भगवान गणेश के सैकड़ों भक्त उपस्थित थे.

धनबाद स्टेशन से अंग्रेजी शराब जब्त

स्पेशल टास्क टीम की कार्रवाई, उत्पाद विभाग को सौंपने की प्रक्रिया जारी

शुभम संदेश। धनबाद

वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर गठित स्पेशल टास्क टीम ने धनबाद रेलवे स्टेशन के हावड़ा छोर से सोमवार (27 अगस्त) को गश्ती के दौरान लावारिस हालत में दो थैले बरामद किए. तलाशी लेने पर एक थैले से 28 बोतल रॉयल स्टेग प्रीमियर व्हीस्की और दूसरे से 14 बोतल रॉयल चैलेंज (प्रत्येक 375 मि.ली.) पाई गई. कुल जब्त 15.75 लीटर अंग्रेजी शराब की कीमत 15,540 रुपये आंकी गई है. सभी बोतलों पर फोर सेल इन झारखंड ऑन्ली अंकित है. जब्त शराब को नियमानुसार उत्पाद विभाग को सुपुर्द किए जाने की प्रक्रिया जारी है. गश्ती दल में शामिल आरपीएफ बल सदस्यों में एसआई पालिक मिंज, एसआई मनीषा कुमारी, एएसआई अभिमन्यु सिंह, एचसी सतेन्द्र कुमार प्रसाद, कांस्टेबल विवेक कुमार एवं संजीव कुमार शामिल थे. आरपीएफ द्वारा लगातार स्टेशन परिसर में आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम और निगरानी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है.

ऊर्जा मित्रों की बैठक में वेतन बिलिंग संबंधी समस्याओं पर चर्चा

- बिलिंग एजेंसियों को समय पर वेतन भुगतान की मांग
- फेक आईडी और मैपिंग हटाने जैसे मुद्दे उठे

शुभम संदेश। धनबाद

झारखंड राज्य ऊर्जा मित्र संघ के तत्वावधान में धनबाद के कमलदोय भवन (गांधी रोड) में धनबाद सर्किल व चास सर्किल के ऊर्जा मित्रों की बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में बिलिंग एजेंसी फ्यूजन सीएक्स की ओर से वरिष्ठ प्रबंधक सुरेन्द्र कुमार शिल्ला, सहायक प्रबंधक विक्की कुमार और झरिया डिविजन के बिलिंग सुपरवाइजर अंजीर खान मौजूद थे. वहीं, सॉफ्टवेयर एजेंसी फ्लूएंट ग्रीड की ओर से कासिफ मती उपस्थित रहे. संघ की ओर से संस्थापक संतोष कुशवाहा, महासचिव मनवर खान, प्रवक्ता रोनित सिंह, और धनबाद, गोविंदपुर, निरसा, झरिया, लोयाबाद, चास व तेनुघाट के ऊर्जा मित्रों ने भाग लिया. बैठक में प्रमुख रूप से वेतन भुगतान में देरी, चास व निरसा में ओसीआईआरए बिलिंग प्रणाली, फेक आईडी से बिलिंग, बिना सूचना के आईडी बंद करना, तथा बिलिंग आईडी से उपभोक्ता मैपिंग हटाने जैसी समस्याएं उठाई गईं. ऊर्जा मित्रों ने मांग की कि बिलिंग एजेंसियों के साथ समय-समय पर बैठकें कर समस्याओं का समाधान किया जाए और बिलिंग प्रतिशत बढ़ाने पर भी जोर दिया. संघ के संस्थापक संतोष कुशवाहा ने कहा कि दुर्गा पूजा को देखते हुए चार माह का बकाया वेतन एक साथ दिया जाए, ताकि ऊर्जा मित्र त्योहार खुशी से मना सकें. उन्होंने हड़ताल से बचने और जेबीविनिलि के राजस्व को नुकसान से रोकने की बात भी कही.

आसनसोल

ट्रैफिक कर्मियों ने किया विरोध प्रदर्शन

- सब ट्रैफिक गार्ड के ओसी संजीव सरकार पर लगाया दुर्व्यवहार का आरोप

शुभम संदेश। बराकर

बराकर सब ट्रैफिक गार्ड पुलिस के अंतर्गत काम करने वाले ट्रैफिक कर्मियों ने अपने अधिकारी के खिलाफ बराकर-कल्याणेश्वरी रोड पर स्थित कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया. बाद में वरिष्ठ अधिकारियों के समझाने पर मामला शांत हुआ. कर्मचारियों का आरोप है कि बराकर सब ट्रैफिक गार्ड के ओसी संजीव सरकार उनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं. उनका यह भी कहना है कि वे बिना किसी गलती के उन्हें एक-दो दिन के लिए काम से हटा देते हैं. कर्मचारियों ने बताया कि मंगलवार को सिख समुदाय की एक यात्रा के दौरान उन्होंने पूरी निष्ठा से अपनी ड्यूटी निभाई थी. इसके लिए सिख समाज की ओर से उन्हें मिठाई के पैकेट दिए गए थे. जब एक युवा ट्रैफिक कर्मी यह मिठाई का पैकेट ओसी संजीव सरकार को देने गया, तो उन्होंने उस कर्मी के साथ बेहद अभद्र भाषा का प्रयोग किया. इस घटना से दुखी होकर सभी ट्रैफिककर्मी एकजुट हो गए और विरोध प्रदर्शन करते हुए काम बंद करने की मांग की.

पारबेलिया में धूमधाम से मनाई गई गणेश चतुर्थी

शुभम संदेश। पुरुलिया

नितुरिया प्रखंड के पारबेलिया कोलियरी फुटबॉल मैदान में सरस्वती क्लब द्वारा आयोजित गणेश पूजा के अवसर पर बुधवार को धूमधाम से कलश यात्रा निकाली गई. यह कलश यात्रा भारतीय संस्कृति और परंपरा का प्रतीक थी. जानकारी के अनुसार, गणेश पूजा पंडाल से शुरू हुई यह यात्रा पारबेलिया बाजार, आमडांगा मोड़ और हाट तल्ला होते हुए दामोदर नदी के सूर्य मंदिर घाट पर पहुँची. वहां महिलाओं और पुरुषों ने कलश में जल भरा और वापस पूजा स्थल पर लौटे. कलश यात्रा में शामिल सभी लोग पीले रंग के वस्त्र पहने हुए थे. विशेष रूप से महिलाओं में इस पर्व को लेकर काफी उत्साह देखा गया. कलश यात्रा के बाद, फुटबॉल मैदान में पंडित मनोहर पांडे द्वारा विधि-विधान से पूजन कार्य संपन्न किया गया. सुबह से ही जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा के जयकारों और ढोल-नगाड़ों की गूँज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया. इस गणेश पूजा के साथ, 10 दिवसीय मेले की भी शुरुआत हो गई है, जिसमें लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है.

कुल्टी कॉलेज मोड़ पर सरकारी जमीन के अवैध कब्जे की जांच

शुभम संदेश। कुल्टी

कुल्टी कॉलेज मोड़ के सामने सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से तालाब भरकर दुकान और गोदाम बनाने के मामले में भू-राजस्व विभाग की टीम जांच करने पहुंची. यह मामला तब सामने आया जब आसनसोल नगर निगम के बोरो चेयरमैन चैतन्य मांझी ने इस पर नगर निगम और जिला प्रशासन से लिखित शिकायत की. आरोप है कि कुल्टी मार्बल हाउस द्वारा लगभग 92 सतांक सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर चहारदीवारी और निर्माण किया जा रहा है. शिकायत के बाद एसडीएल एंड एलआरओ आसनसोल और कुल्टी बीएलआरओ की टीम ने स्थल का निरीक्षण किया और जमीन की पैमाइश की. मौके पर मौजूद जमीन मालिक संजय मुखर्जी ने आरोपों को निराधार बताया. उन्होंने कहा कि दाग संख्या 740 में लगभग 92 सतांक जमीन है, जिसमें कई लोगों का मालिकाना हक है, लेकिन वहां कोई तालाब नहीं था. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुल्टी में कटमनी का खेल चल रहा है और कुछ जनप्रतिनिधि उन्हें परेशान कर रहे हैं. उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की और कहा कि वे कोई 'कटमनी' नहीं देंगे. वहीं, बोरो चेयरमैन चैतन्य मांझी ने संजय मुखर्जी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यदि आरोप साबित नहीं हुए तो वे मानहानि का मुकदमा दर्ज कराएंगे. उन्होंने कहा कि उनके परिवार कई पीढ़ियों से इस वार्ड में रह रहा है और उन्हें पता है कि इस जमीन पर पहले तालाब था, जिसे अवैध रूप से भरा गया है. उन्होंने यह भी बताया कि एक अन्य जमीन मालिक ने उनके नाम का जाली स्टाम्प और पैड बनाकर जमीन बेची थी, जिस पर पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपी को जेल भेजा था. उन्होंने कहा कि जनता के प्रतिनिधि होने के नाते वे सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा नहीं होने देंगे.

कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस ने सेल के ईडी को सौंपा ज्ञापन

शुभम संदेश। बराकर

कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस ने कुल्टी टाउन और सेंट्रल सलाहकार समिति द्वारा संचालित स्कूलों से जुड़ी समस्याओं को लेकर सेल ग्रोथ वर्क्स के ईडी अनिल कुमार से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष सुकांत दास ने किया, जिसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेता हराधान मंडल और इंटक के वरिष्ठ नेता चंडी चटर्जी भी शामिल थे. सुकांत दास ने ईडी से कुल्टी टाउन के अंतर्गत कुल्टी स्टेशन से थाना मोड़ तक और उससे जुड़ी सड़कों की जर्जर हालत को देखते हुए उनका तुरंत पुनर्निर्माण कराने की मांग की. चंडी चटर्जी ने दुर्गा पूजा के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए तत्काल इन सड़कों की मरम्मत करने और स्ट्रीट लाइट लगाने का आग्रह किया. चंडी चटर्जी ने यह भी कहा कि सेल की ओर से संचालित ब्याज हाई स्कूल और केंदुआ हाई स्कूल के भवन जर्जर हो चुके हैं, जिनका निर्माण कई साल पहले 'इस्पा' द्वारा किया गया था. उन्होंने सेल से सभी स्कूलों का जीर्णोद्धार करने, पीने के पानी और बिजली की व्यवस्था करने की भी मांग की. ईडी अनिल कुमार ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि बरसात के बाद कुल्टी स्टेशन से थाना मोड़ तक की मुख्य सड़क का पुनर्निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा के लिए सड़कों की मरम्मत की जाएगी ताकि दर्शनार्थियों को कोई असुविधा न हो. साथ ही, उन्होंने कहा कि सेल प्रबंधन स्कूलों का निरीक्षण कर हर संभव सहयोग करने का प्रयास करेगा. इस दौरान, सेल प्रबंधन के एजीएम जीशान आदिल, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष मो. इम्तियाज खान, और इंटक नेता बाबू बनर्जी भी उपस्थित थे.

ईसीएल मुख्यालय पर डिप्लोमा इंजीनियर्स ने किया प्रदर्शन

शुभम संदेश। सांकतोड़िया

अखिल भारतीय डिप्लोमा इंजीनियर्स और अधिकारी संघ ने बुधवार को सांकतोड़िया स्थित ईसीएल मुख्यालय के सामने पांच सूत्री मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया. संघ की मुख्य मांगों में खनन पर्यवेक्षकों और ओवरमैनों की नियुक्ति नए सिरे से करना और अंडर-साइट कर्मचारियों को प्रमाण पत्र देना शामिल हैं. ऑल इंडिया डिप्लोमा इंजीनियर एंड ऑफिसर एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव आर.के. तिवारी ने कहा कि ईसीएल प्रबंधन ने पिछले चार वर्षों से कोई नई भर्ती नहीं निकाली है, जिससे हमारे युवाओं की उम्र खत्म हो रही है. उन्होंने कहा कि जो कर्मचारी 8-12 वर्षों से माइनिंग सरदार और ओवरमैन के रूप में काम कर रहे हैं, उन्हें पदोन्नति नहीं दी जा रही है. उन्होंने प्रबंधन से इन कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति देने की मांग की. तिवारी ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया और सीएमडी के साथ बैठक नहीं हुई, तो वे आमरण अनशन करेंगे. उन्होंने कहा कि घर पर रहकर मरने से बेहतर है कि हम यहीं आमरण अनशन कर मरेंगे.

पुरुलिया के हुड़ा में गणेश पूजा का अनूठा आयोजन

पुरुलिया। पुरुलिया जिले की सबसे बड़ी गणेश पूजाओं में से एक हुड़ा फ्रेंडशिप क्लब की गणेश पूजा ने इस साल भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया है. इस साल स्थापित की गई मूर्ति धार्मिक एकता और संस्कृति का एक अनूठा उदाहरण है. एक ही संरचना में भगवान राम, सीता और बजरंगबली को गणेश ठाकुर के साथ स्थापित किया गया है, जो सभी दर्शनार्थियों को आश्चर्यचकित कर रहा है. यह पूजा अपने 15वें वर्ष में प्रवेश कर रही है और हुड़ा फ्रेंडशिप क्लब के प्रबंधन और स्थानीय लोगों के सामूहिक प्रयास से इसका आयोजन किया गया है. बुधवार को काशीपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कमलाकांत हांसदा ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर पूजा मंडप का उद्घाटन किया. इस अवसर पर जिले के प्रमुख समाजसेवी शंकर महतो, हुड़ा ग्राम पंचायत के प्रधान अजीत सिंह सरदार, हुड़ा मैत्री क्लब के अध्यक्ष संदीप सिंह सरदार सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

26 राज्यों की साइकिल यात्रा कर रानीगंज पहुंचे पप्पू राम खीचड़

शुभम संदेश। रानीगंज

पप्पू राम खीचड़ नाम के एक युवक 26 राज्यों की साइकिल यात्रा करते हुए रानीगंज पहुंचे. यहां मारवाड़ी युवा मंच रानीगंज शाखा और देवी शक्ति द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया. नागौर, राजस्थान के रहने वाले पप्पू राम खीचड़ ने देश और पर्यावरण के प्रति एक अनोखा संकल्प लिया है, वे साइकिल से राजस्थान से माउंट एवरेस्ट तक का सफर तय करेंगे. उनका लक्ष्य साइकिल से एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंचने और फिर एवरेस्ट की चोटी पर तिरंगा फहराने का है. उन्होंने बताया कि अब तक वह अपनी 70% यात्रा पूरी कर चुके हैं और 60,000 किलोमीटर के लक्ष्य में से 36,000 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं. उनकी यह यात्रा 'एक ही देश की सबसे लंबी साइकिल यात्रा' के रूप में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर है. पप्पू खीचड़ का नारा है,स्प्रकृति है तो प्रगति है. इस संदेश को फैलाने के लिए, उन्होंने 1 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से वे 25,000 से अधिक पौधे लगा चुके हैं. मारवाड़ी युवा मंच ने उनके हाथों पौधरोपण कर उनके इस नेक कार्य का समर्थन किया. इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच के सचिव अमित बजाज, पूर्व अध्यक्ष आयुष झुनझुनवाला, विनीत खंडेलवाल, विवेक सतनालिका, विशाल बगड़िया, दिवाकर सराफ, और देवी शक्ति की चेयरपर्सन स्वीटी लोहिया तथा को-चेयरपर्सन दीप्ति सराफ सहित कई सदस्य मौजूद थे.

भगवान गणेश को चढ़ाएं ये चीजें, दूर होंगी सभी विघ्न-बाधाएं

गणपति बप्पा मोरया अब हर जगह पर आपको यही आवाज सुनाई देगी। 27 अगस्त से गणपति का आगमन हो रहा है, जिसकी तैयारियां पूरी हो गई हैं। किसी ने मंदिर को सजाना शुरू कर दिया है, तो किसी ने अपने घर में गणपति को रखने के लिए जगह सजनी शुरू कर दी है। लेकिन आपको गणपति लाने से पहले कई सारी चीजें हैं, जिनका खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपका पूजन संपन्न होता है। साथ ही, आपकी सारी मनोकामना पूरी होती है। चलिए आपको बताते हैं कौन सी बातें हैं, जिन्हें जानना जरूरी होता है।

गणेश जी को चढ़ाएं ध्रूवा की माला

गणेश जी को ध्रूवा बेहद प्रिय होती है। इसलिए कई सारे लोग गणेश पूजन के समय इसे गणपति जी को जरूर चढ़ाते हैं। लेकिन गणेश उत्सव के समय अगर आप 51 ध्रूवा की माला चढ़ाएंगी, तो इससे आपकी मनोकामना जल्दी पूरी होगी। लेकिन यह आपको तब तक चढ़ानी है, जब तक आपके घर में गणपति विराजमान हैं। इससे आपके घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी। साथ ही, आपकी सारी इच्छा पूरी हो जाएगी।

गणेश जी को चढ़ाएं सिंदूर

हम सभी को यह तो पता है कि हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। लेकिन यह वही लोग चढ़ाते हैं, जिनकी मांगी हुई इच्छा पूरी होती है। आप इसी सिंदूर को गणपति को चढ़ाएं। इससे भी आपकी इच्छा पूरी होगी। इस सिंदूर को आप अपने घर में रखे गणपति पर चढ़ाएं। इसके बाद रोजाना इसका टिका लगाएं। इससे आपके सारे काम बन जाएंगे।

इन मत्रों का करें जाप

गणेश पूजन के समय घर में सुबह और शाम पूजा होती है। इस पूजा में आरती की जाती है। लेकिन अगर आपको भगवान गणेश को प्रसन्न करना है, तो इसके लिए आप एक मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए। गणेश पूजा मंत्र- ॥ ऊँ गं गणपतये नमः ॥ इस मंत्र का जप करें। आप चाहें तो इसे किसी पेपर पर भी लिख सकती हैं। इससे आपके सारे काम बनने शुरू हो जाएंगे। इस मंत्र को आपको रोजाना चेंट करना है।

भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए इन उपायों को करें। इससे आपकी सारी बाधाएँ दूर हो जाएगी और सफलता प्राप्त होगी। इस दिन की गई आराधना से बुद्धि, विवेक में वृद्धि होती है, जिससे मानसिक शांति और सफलता की प्राप्ति होती है। इसलिए आपको यह उपाय जरूर करना चाहिए। पंडित जी के बताए गए इन उपायों को करने से आपके सारे काम बन जाएंगे। साथ ही, आपकी इच्छाएं पूरी होगी।

गणेश चतुर्थी कब है शुभ तिथि, योग, मुहूर्त और पूजा का महत्व

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दौरान भक्त गणपति बप्पा की प्रतिमा अपने घर में स्थापित करते हैं। आइए जानते हैं कि इस साल गणेश चतुर्थी कब मनाया जाएगा।

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस दौरान बप्पा की पूजा-अर्चना विधिवत रूप से करने का विधान है। भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य का कारक माना जाता है। बप्पा सभी देवी-देवताओं में सबसे पहले पूजे जाने वाले देवता है। इनकी पूजा करने के बाद ही देवी-देवता की पूजा करने का मान्यता है। आपको बता दें, वैसे तो हर महीने चतुर्थी तिथि के दिन भगवान गणेश की पूजा करने का विधान है। लेकिन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली चतुर्थी तिथि को बेहद खास माना जाता है। वहीं अनंत चतुर्थी के दिन बप्पा को विदा करते हैं। अब ऐसे में इस साल गणेश चतुर्थी कब से आरंभ हो रहा है। पूजा का शुभ मुहूर्त कब है। इस पर्व का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

गणेश चतुर्थी के दिन पूजा का महत्व क्या है?

भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है। माना जाता है कि उनकी पूजा करने से सभी प्रकार के विघ्न दूर होते हैं और कार्य में सफलता मिलती है। गणेश चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन नए काम की शुरुआत करना शुभ माना जाता है। भगवान गणेश को ज्ञान और बुद्धि का देवता भी माना जाता है। उनकी पूजा करने से बुद्धि में वृद्धि होती है और ज्ञान प्राप्त होता है। गणेश जी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। गणेश जी की पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

गणेश चतुर्थी कब है?

पंचांग की गणना के अनुसार गणेश चतुर्थी तिथि का आरंभ 26 अगस्त को दोपहर में 1 बजकर 55 मिनट पर होगा और 27 अगस्त को 3 बजकर 45 मिनट तक चतुर्थी तिथि रहेगी। ऐसे में गणेश चतुर्थी का पर्व 27 अगस्त से शुरू होगा। हालांकि, जो लोग गणेश चतुर्थी का व्रत करना चाहते हैं तो उन्हें 26 अगस्त को व्रत रखना चाहिए। क्योंकि, चतुर्थी का व्रत में चंद्रमा की पूजा की जाती है। ऐसे में 26 अगस्त को रात के समय चतुर्थी तिथि रहेगी इसलिए व्रत 26 अगस्त को किया जाएगा। हालांकि, गणेशजी की स्थापना 27 अगस्त को करना ही शुभ रहेगा। क्योंकि, गणेश पुराण के अनुसार गणेशजी का जन्म दोपहर के समय हुआ था और 27 तारीख को उदय तिथि में गणेश चतुर्थी दोपहर तक रहने वाली है इसलिए गणेश जी की स्थापना 27 अगस्त को की जाएगी। बता दें कि गणेश चतुर्थी का पर्व 27 अगस्त से 6 सितंबर अनंत चतुर्दशी तिथि के दिन तक रहेगा।

कैसे करें गणपति की स्थापना और पूजा

- प्रातःकाल स्नान के बाद सबसे पहले व्रत और पूजा का संकल्प लें।
- घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में एक चौकी पर पीला कपड़ा बिछाएं।
- गणेश जी की मूर्ति को स्थापित करें, उन पर गंगाजल छिड़कें और उनका अभिषेक करें।
- गणपति को सिंदूर, दूर्वा (21 पत्तियाँ), लाल फूल, मोदक, लड्डू, नारियल, गन्ना, फल और नैवेद्य अर्पित करें।
- गणेश चालीसा, अथर्वशीर्ष या फिर गणपति स्तोत्र का पाठ करें।
- पूजा के अंत में घंटा, शंख और मंजीरे के साथ गणेश जी की आरती करें।
- यह पूजा प्रक्रिया सायंकाल के समय भी दोहराई जाती है, ताकि दिन भर गणेशजी की उपासना बनी रहे। पूजा के बाद किसी ब्राह्मण को भोजन और दान देकर फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें।

घर में कितने दिनों तक रखनी चाहिए बप्पा की मूर्ति?

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस साल गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त से हो रही है। इस दौरान लगभग सभी अपने घरो में गणपति को स्थापित कर उनकी पूजा करते हैं। गणेश जी को वैसे तो घर में पूरे 10 दिनों तक रखने का विधान है। आखिरी दिन नदी,कुंड या तालाबों में विसर्जित कर दिया जाता है, लेकिन श्रद्धा, भक्ति और क्षमता के अनुसार लोग 1, 3, 5 या 7 दिनों तक भी घर में गणपति जी को रखकर उनकी विदाई कर सकते हैं। हालांकि, अधिकांश भक्त अनुष्ठान पूजा के बाद अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन कर बप्पा की विदाई करते हैं।

गणेश चतुर्थी मनाने की क्या है परंपरा, जानें इतिहास और महत्व

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह पर्व देशभर में विधिवत रूप से मनाई जाती है। लेकिन महाराष्ट्र में इसकी धूम विशेष रूप से देखने को मिलती है। बप्पा के आगमन के लिए पहले से ही तैयारियां आरंभ हो जाती है। विभिन्न प्रकार के थीम के पंडाल तैयार किए जाते हैं। बप्पा की बड़ी-बड़ी मूर्तियां तैयार किए जाते हैं।

भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप 10 दिनों तक उत्सव धूमधाम के सात मनाया जाता है। वहीं अनंत चतुर्दशी के दिन बप्पा का विसर्जन कर दिया जाता है। आपको बता दें, इस साल गणेश चतुर्थी, 27 अगस्त को विधि-विधान के साथ मनाई जाएगी। अब ऐसे में गणेश चतुर्थी मनाने की परंपरा क्या है। इस पर्व का इतिहास क्या है।।

कैसे शुरू हुई गणेशोत्सव की शुरुआत?

गणेशोत्सव की शुरुआत महाराष्ट्र की राजधानी पुणे से हुई। ऐसा कहा जाता है कि इसका इतिहास मराठा साम्राज्य के सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़ा हुआ है। ऐसी मान्यता है कि भारत में मुगलों के शासन के दौरान अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए छत्रपति शिवाजी ने अपनी माता जीजीबाई के साथ गणेश महोत्सव की शुरुआत की थी। वहीं इस महोत्सव की शुरुआत करने के बाद मराठा साम्राज्य के और पेशवा भी गणेश महोत्सव को मनाने लगे। गणेश चतुर्थी के दौरान मराठा पेशवा ब्राह्मणों को भोजन कराते थे। साथ ही दान-पुण्य भी विशेष रूप से करते थे। वहीं पेशवा के बाद ब्रिटिश हुकूमत भारत में हिंदूओं के सभी त्योहारों पर रोक लगा दी थी, लेकिन बाल गंगाधर तिलक ने गणेश चतुर्थी के महोत्सव को दोबारा मनाने की शुरुआत की थी। इसके बाद 1892 में भाऊ साहब जावले के द्वारा पहली भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई।

गणेश चतुर्थी क्यों मनाई जाती है?

गणेश चतुर्थी बप्पा के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान गणेश का जन्म भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को हुआ था। वहीं गणेशोत्सव के दौरान बप्पा 10 दिनों तक सभी के घरों में विराजते हैं और उनकी विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले बप्पा की पूजा विधिवत रूप से करने की परंपरा है। इन्हें विघ्नहर्ता भी कहा जाता है।

गणेश चतुर्थी पर्व का महत्व क्या है?

भगवान गणेश को सौभाग्य, समृद्धि और ज्ञान का देवता कहा जाता है। कहते हैं कि बप्पा की पूजा विधिवत रूप से करने से व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है। साथ ही जीवन में सुख-सौभाग्य और संपन्नता का भी आगमन होता है।

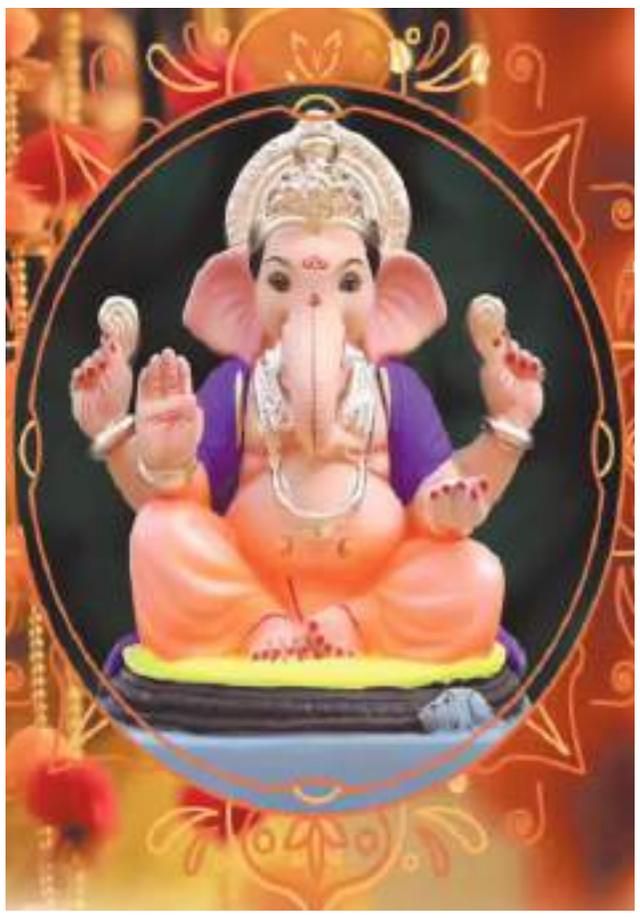

गणपति बप्पा की पूजा करने से मिलते हैं ये लाभ, पूरी होती है सारी मनोकामना

हमारे देश में आजकल पूजा-पाठ भी सुविधा के अनुकूल हो गई है। पहले आराधना का अर्थ सर्वोच्च शक्ति को याद करते हुए मंत्रों और अनुष्ठानों में पूरे दिल और आत्मा से लगना होता था। लेकिन समय के साथ जैसे-जैसे तकनीकी छलांग बढ़ती जा रही है, देवताओं की पूजा की पूरी अवधारणा में व्यापक बदलाव आया है। आज लोगों को दूसरों से बात करते, टीवी देखते और यहां तक कि खाते या पीते हुए भी अपने देवता के नाम का जाप करते देखा जा सकता है। यह सब आज लोगों की पूजा का तरीका है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिस तरह से आप अपने भगवान की पूजा करती हैं, उसके क्या मायने है? जी हां, यह वास्तव में मायने रखता है और अगर आप इसे सही तरीके से करते हैं तो आप अपना समय बर्बाद करने की बजाय कुछ मंत्रों का उच्चारण करके बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं।

बुद्धि- भगवान गणेश का हाथी वाला सिर ज्ञान का प्रतीक है। इसलिए अगर आप गणेश की पूजा करती हैं तो आप जानबूझकर या अवचेतन रूप से ज्ञान प्राप्त कर सकती हैं। अगर आपने भगवान गणेश को अपने सर्वोच्च देवता के रूप में पूजा करने के लिए चुना है तो इसका मतलब है कि आपको उनकी शक्तियों में से एक के रूप में ज्ञान पसंद है। इस प्रकार रोजाना भगवान गणेश की पूजा करना जीवन की आपकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं की याद दिलाता है और आप ज्ञान प्राप्त करने के लिए इसका पीछा करते हैं।

सौभाग्य - ऐसा माना जाता है कि भगवान गणेश सौभाग्य और धन के देवता हैं। अगर आप उनकी भक्त बन जाती हैं और भाग्य को प्राप्त करने के लिए अपने दिल से काम करती हैं तो आप खाली हाथ नहीं लौटेंगी। आप समर्पण की एक उन्नत अवस्था प्राप्त करेंगी और अपने जीवन में धन और शक्ति की प्रचुरता की ओर आसानी से काम करेंगी। आपको बस अपने वास्तविक जीवन में उनके पाठों का पालन करना है। अगर आप अक्सर अपना आपा खो देती हैं तो धैर्य क्रोध को नियंत्रित करने की कुंजी है। भगवान गणेश के बड़े कान इस बात का प्रतीक हैं कि वह एक अच्छे श्रोता हैं और अगर आप खुद को उनके प्रति समर्पित करती हैं और अपने आंतरिक शक्ति पर ध्यान केंद्रित करती हैं तो आपमें धीरे-धीरे समान स्तर का धैर्य विकसित होता है। यह निश्चित रूप से आपको एक बेहतर इंसान बनने में मदद करेगा।

समृद्धि - हर कोई एक समृद्ध और हेल्दी जीवन का सपना देखता है और यह बहुत हद तक आपके द्वारा चुनी गई जीवनशैली पर निर्भर करता है। जब आपने भगवान गणेश को अपना देवता चुना और उन्हें अपनी पूजा अर्पित की, तो आप उत्साहपूर्वक सफलता प्राप्त करने की दिशा में काम करती हैं। आप खुद को दृढ़निश्चयी और आसानी से तैयार पाएंगी जो आपको आपकी भलाई की ओर ले जाएगा।

आपकी आत्मा शुद्ध होगी - भगवान गणेश में ध्यान और विश्वास करने से आप अपने आचरण में अंतर को नोटिस और शांति की भावना का अनुभव कर सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो कोई भी अपना जीवन उसके प्रति समर्पित करता है वह आत्मा को शुद्ध कर देते हैं क्योंकि आप अच्छे कार्यों पर ध्यान केंद्रित और अपने जीवन में नकारात्मकता को दूर करती है जिससे आपकी आत्मा शुद्ध होती है।

ज्ञानी बनेंगे हैं आप - भगवान गणेश सभी देवताओं में सबसे बड़े ज्ञानी माने जाते हैं। यह उनके सबसे मजबूत गुणों में से एक है। जब आप उसे आत्मज्ञान के एकमात्र मकसद से पूजती हैं तो आप खुद को रूपांतरित होते देखेंगी। निरंतर अभ्यास और दृढ़ प्रयास के साथ आप एक-एक करके ज्ञान की सीढ़ियों पर चढ़ेंगी और ज्ञान की शक्ति देखेंगी।

सभी बाधाएं होती हैं दूर - गणेश जी को विघ्नहर्ता माना जाता है। जब आप पूरे विश्वास के साथ भगवान गणेश की पूजा करते हैं तो वह आपका मार्गदर्शन करते हैं और आपको सभी चीजों से लड़ने का साहस प्रदान करते हैं। आप अपने डर पर विजय पाकर अपने जीवन की सभी बाधाओं को दूर कर सकती हैं। आप अपने अंदर छिपे गुणों को अनलॉक करती हैं और किसी भी मुश्किल स्थिति को आसानी से पार कर लेती हैं।

मंथन

एसआईआर पर रोक से गरमाई राजनीति

झारखंड विधानसभा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर पारित प्रस्ताव ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है. संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर का तर्क है कि यह प्रक्रिया गरीबों, दलितों और वंचित तबकों को मताधिकार से वंचित करने का षड्यंत्र है. वहीं विपक्ष इसे सरकार की वोट बैंक राजनीति से जोड़ रहा है. बाबूलाल मरांडी का आरोप है कि सरकार रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को मतदाता सूची में शामिल कर राज्य की जनसांख्यिकी बदलने का प्रयास कर रही है. दोनों पक्षों की दलीलों में राजनीतिक स्वार्थ साफ झलकता है. लोकतंत्र की बुनियाद निष्पक्ष और अद्यतन मतदाता सूची है. यदि सूची में त्रुटियां हैं तो उसका पुनरीक्षण आवश्यक है. लेकिन सवाल यह है कि इस प्रक्रिया की समय-संवेदनशीलता और पारदर्शिता पर भरोसा कैसे कायम हो. चुनावी मौसम के ठीक पहले उठे ऐसे कदम पर संदेह होना स्वाभाविक है. सरकार का दायित्व है कि वह सभी वर्गों को आश्वस्त करे कि किसी को वंचित नहीं किया जाएगा और न ही किसी को अवैध रूप से जोड़ा जाएगा. विपक्ष का आरोप गंभीर है, लेकिन यह महज राजनीतिक बयानबाजी बनकर न रह जाए, इसके लिए ठोस प्रमाण भी सामने लाना होगा. जनता को भ्रमित करना लोकतंत्र के लिए उतना ही खतरनाक है, जितना मताधिकार छीनना. जरूरत है कि इस बहस को राजनीतिक लाभ-हानि से ऊपर उठाकर देखा जाए. मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतांत्रिक मजबूती का आधार है. इसलिए यह पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध ढंग से होना चाहिए. तभी लोकतंत्र की जड़ें गहरी होंगी और जनता का भरोसा भी कायम रहेगा.

नजरिया

झारखंड में कोचिंग सेंटरों पर नियंत्रण का सही कदम

झारखंड विधानसभा से पारित कोचिंग सेंटर (कंट्रोल एंड रेगुलेशन) बिल 2025 शिक्षा जगत में लंबे समय से चली आ रही अव्यवस्थाओं को नियंत्रित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है. राज्य में अनियमित ढंग से फलते-फूलते कोचिंग सेंटर न केवल छात्रों और अभिभावकों का आर्थिक शोषण कर रहे थे, बल्कि दबाव और सुविधाओं की कमी से छात्रों में आत्महत्या जैसी दुखद घटनाओं में भी वृद्धि देखी जा रही थी. इस विधेयक में स्पष्ट प्रावधान हैं कि 50 से अधिक छात्रों वाले कोचिंग संस्थानों को जिला रेगुलेटरी कमेटी के पास पंजीकरण कराना होगा. शुल्क, पाठ्यक्रम, आधारभूत ढांचा और ट्यूटर की योग्यता जैसी सूचनाएं सार्वजनिक करने की अनिवार्यता पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी. हालांकि, इस कानून की सफलता इसके कड़ाई से पालन पर निर्भर करेगी. अतीत में देखा गया है कि कई अच्छे प्रावधान कागजों तक सीमित रह जाते हैं. जिला स्तर पर गठित कमेटियों को निष्पक्ष, सक्रिय और उत्तरदायी होकर काम करना होगा. साथ ही, फीस नियंत्रण और गुणवत्ता सुधार पर निगरानी बड़ी चुनौती होगी. यह विधेयक छात्रों और अभिभावकों को राहत देने वाला साबित हो सकता है, बशर्ते इसे राजनीति या नौकरशाही की जटिलताओं में उलझने न दिया जाए. शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि भविष्य गढ़ना है. सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस कानून से झारखंड में शिक्षा अधिक सुलभ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण बने.

नारी सशक्तीकरण: वैश्विक भारत की नई तस्वीर

डॉ. निवेदिता शर्मा

आज जब भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से ऊपर उठने की बात करता है, तब हम उम्मीद करें कि भारत जब 2047 में आजादी की शताब्दी मनाएगा, तो देश का सबसे बड़ा उत्सव महिलाओं की प्रगति के लिए समर्पित होगा.

भारत के सामने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य है. किंतु यह लक्ष्य तभी पूरा किया जा सकता है जब देश की आधी आबादी, यानी महिलाएं, बराबरी की हिस्सेदार बनेंगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कार्यबल में 70% महिला भागीदारी का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है. यह केवल आर्थिक नीतियों का हिस्सा नहीं बल्कि भारत की प्राचीन संस्कृति के अनुरूप हो रहा सामाजिक-सांस्कृतिक बदलाव है, जिसमें कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार ही नहीं कार्यस्थल पर भी समान रूप से सम्मान प्राप्त हो. वर्तमान में भी वही दृश्य उभर रहा, जिसमें महिलाएं केवल परिवार और समाज की पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित नहीं रहीं. वे देश के आर्थिक भविष्य को दिशा दे रही हैं. ग्रामीण भारत की उद्यमी महिलाएं हों या कॉर्पोरेट बोर्डरूम में नेतृत्व करने वाली महिलाएं, हर स्तर पर उनकी भूमिका निर्णायक होती जा रही है.

देश की आधी आबादी की हर क्षेत्र में बढ़ती हिस्सेदारी उत्साह का कारक है.

हाल ही में एक सर्वे आया है, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी (पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वे) जो यह दर्शा रहा है कि भारत में महिला कार्यबल भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. यह पीएलएफएस क्या है, यहां इसको भी समझ लेते हैं- भारत के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) द्वारा अप्रैल 2017 में शुरू किया गया एक सांख्यिकीय सर्वेक्षण है, जिसका उद्देश्य पहले की तुलना में अधिक आवृत्ति के साथ श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), श्रमिक संख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) और बेरोजगारी दर जैसे प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों को मापना है .

इसके आए आंकड़े बता रहे कि 2017-18 में महिला रोजगार दर केवल 22% थी, जो 2023-24 में बढ़कर 40.3% हो गई. यह वृद्धि अपने आप में नया कीर्तिमान है. इसी अवधि में बेरोजगारी दर 5.6% से घटकर 3.2% पर आ गई. यह बताता है कि रोजगार के अवसर बढ़े हैं और खासकर महिलाओं को इन अवसरों में भागीदारी का मौका मिला है. ग्रामीण भारत में यह परिवर्तन और भी गहरा है. यहां महिला रोजगार में 96% की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वृद्धि 43% रही है. ग्रामीण भारत की यह छलांग साबित करती है कि आर्थिक सशक्तीकरण केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि गांव की मिट्टी से भी एक नई क्रांति जन्म ले रही है.महिलाओं की कार्यक्षमता में वृद्धि शिक्षा और कौशल विकास से संभव हुई है. स्नातक महिलाओं की रोजगार क्षमता 2013 में 42% थी, जो 2024 में बढ़कर 47.53% हो गई. इसी तरह स्नातकोत्तर स्तर पर महिलाओं की रोजगार क्षमता 34.5% से बढ़कर 40% तक पहुंच गई है. इस मामले में एक रिपोर्ट इंडिया स्किल्स 2025 भी देखी जा सकती है, जो भविष्यवाणी करती है कि वर्तमान 2025 में 55% भारतीय स्नातक वैश्विक स्तर पर रोजगार योग्य होंगे. इसके साथ ही ईपीएफओ पेरोल डेटा से पता चलता है कि पिछले सात वर्षों में 1.56 करोड़ महिलाएं संगठित क्षेत्र के कार्यबल का हिस्सा बनी हैं. दूसरी ओर, ई-श्रम पोर्टल पर 16.69 करोड़ से अधिक असंगठित महिला श्रमिकों का पंजीकरण हुआ. यह पंजीकरण उन्हें विभिन्न योजनाओं से जोड़ता है और एक बड़ी असुरक्षित श्रमिक आबादी को मुख्यधारा में लाने का प्रयास है.

भारत सरकार ने महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सैकड़ों योजनाएं चलाई हैं. इनके परिणामस्वरूप महिला स्व-रोजगार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है. 2017-18 में जहां महिलाओं का स्व-रोजगार अनुपात 51.9% था, वहीं 2023-24 में यह 67.4% तक पहुंच गया. पिछले दशक में जेंडर बजट में 429% की वृद्धि—0.85 लाख करोड़ से 4.49 लाख करोड़ रुपये तक इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रमाण है. भारत का स्टार्टअप इको सिस्टम दुनिया में अपनी पहचान बना चुका है और इसमें महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय है. आज 1.54 लाख से अधिक डीपीआईआईटी पंजीकृत स्टार्टअप्स में से 74,410 में कम से कम एक महिला निदेशक है. नमो ड्रोन दीदी, दीनदयाल अंत्योदय योजना और लखपति दीदी जैसी पहलें ग्रामीण भारत में उद्यमिता को नई ऊर्जा दे रही हैं. दो करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनकर न केवल अपनी जिंदगी बदल रही हैं बल्कि पूरे परिवार और समाज को आर्थिक मजबूती दे रही हैं. महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण में पीएम मुद्रा योजना की भूमिका निर्णायक रही है. कुल दिए गए मुद्रा ऋणों में 68%ऋण 14.72 लाख करोड़ रुपये मूल्य के महिलाओं को मिले हैं. यही नहीं, पीएम स्वनिधि योजना के तहत रेहड़ी-पटरी वालों में 44% महिलाएं लाभार्थी हैं. ये महिलाओं को छोटे व्यवसाय शुरू करने का अवसर ही नहीं देतीं बल्कि उन्हें आर्थिक आत्मनिर्भरता भी प्रदान करती हैं. महिलाओं के नेतृत्व वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम अब भारत की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा बन चुके हैं. वित्त वर्ष 2021 से 2023 तक ऐसे उद्यमों ने 89 लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा कीं. 2010-11 में महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों की हिस्सेदारी 17.4% थी, जो 2023-24 में बढ़कर 26.2% हो गई. उनकी संख्या भी दोगुनी होकर 1 करोड़ से बढ़कर 1.92 करोड़ हो गई है.

यह तस्वीर उत्साहजनक है, लेकिन चुनौतियां भी हैं. कार्यस्थलों पर वेतन असमानता और पदोन्नति में भेदभाव की समस्या अब भी कई बार सामने आती है. महिलाओं के लिए सुरक्षित और अनुकूल कार्य वातावरण सुनिश्चित करना अभी भी बड़ी चुनौती है. इसी प्रकार की स्थानीय स्तर पर कुछ चुनौतियां भी हो सकती हैं. आज जब भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से ऊपर उठने की बात करता है, तब नारी शक्ति इसका सबसे बड़ा इंजन है, यह ध्यान में आता है. शिक्षा, कौशल, उद्यमिता और अवसर, ये वह चार स्तंभ हैं जिन पर महिला सशक्तीकरण और विकसित भारत का सपना टिका है. हम उम्मीद करें कि भारत जब 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा, तब देश का सबसे बड़ा उत्सव केवल आर्थिक प्रगति नहीं होगा, बल्कि यह होगा कि महिलाएं बराबरी से उस प्रगति की धुरी बनी होंगी.

आज का इतिहास

1600 : मुगलों ने अहमदनगर पर कब्जा किया.
1858 : उंगलियों के निशान को पहचान बनाने वाले ब्रिटेन के जेम्स हर्शेल का जन्म.
1896 : उर्दू शायर फ़िराक़ गोरखपुरी का जन्म.
1914 : पहला विश्व युद्ध शुरू.
1972: बीमा कारोबार राष्ट्रीयकरण बिल पारित.
1984 : सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया.
1986 : भाग्यश्री साठे शतरंज में ग्रैंडमास्टर बनने वाली पहली भारतीय बनीं.
1992: मुथैया मुरलीधरन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट कॅरिअर की शुरुआत की.
1999: मेजर समीर असम में उग्रवादियों के एक गुट के साथ मुठभेड़ में शहीद.
2008 : अंतरराष्ट्रीय पत्रिका फोर्ब्स ने यूपी की सीएम मायावती को 100 शक्तिशाली महिलाओं में शामिल किया.
2018 : भारत के मंजीत सिंह ने जकार्ता एशियाई खेलों की पुरुष 800 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता.

चिंतन

समय के साथ हमें अपनी सोच भी बदलनी चाहिए...

रेगिस्तान में बसे एक शहर में फलों की बहुत कमी थी. भगवान ने अपना दूत भेजा कि जाओ और लोगों से कह दो कि वो एक दिन में बस एक ही फल खाएं. सभी लोग ऐसा ही करने लगे. पीढ़ी दर पीढ़ी ऐसा होता आया और वहां पर्यावरण संरक्षित हो गया. चूंकि बचे हुए फलों के बीजों से और भी पेड़ निकल आते, कुछ दशकों में ही पूरा शहर हरा-भरा हो गया. अब वहां फलों की कोई कमी नहीं थी लेकिन अभी भी लोग एक दिन में बस एक ही फल खाने का पुराना रिवाज़ मानते थे. दूसरे शहर वाले उनसे बचे हुए फलों को देने का आग्रह करते पर उन्हें लौटा दिया जाता. नतीजतन काफी फल बर्बाद हो जाते और सड़कों पर बिखरे पड़े रहते. भगवान ने एक और दूत को बुलाया और कहा, जाओ लोगों से कह दो कि वो अब जितना चाहें उतने फल खाएं और बचे फलों को बाकी शहरों को दे दें.

दूत संदेश लेकर पहुंचा लेकिन उसे मार कर भगा दिया गया. लोग किसी भी बात को मानने के लिए तैयार नहीं थे. पर समय के साथ कुछ युवा पुराने रिवाजों के खिलाफ आवाज़ उठाने लगे. लेकिन इतनी पुरानी परंपरा को छोड़ना आसान न था. इसलिए लोगों ने धर्म ही छोड़ दिया और अब जी भर के फल खाने लगे और बचे हुए फलों को दूसरों में बांटने लगे. कुछ सालों में बस वो ही लोग धर्म को मानने वाले बचे जो खुद को संत मानते थे. लेकिन हकीकत में वे ये नहीं देख पा रहे थे कि दुनिया कैसे बदलती है और कैसे खुद को समय के साथ बदल लेना चाहिए .

दोस्तों ये कहानी हमारे लिए काफी सामयिक है . हमारे यहां बिल्ली के रास्ता काटने और कौवे के कांव – कांव से लेकर जात -पात और ऊंच-नीच से जुड़ी अनेकों मान्यताएं हैं जिनका आज कोई अर्थ नहीं है. और जैसे इस कहानी में इन चीजों को मानने वाले खुद को बड़ा धार्मिक और सबसे बड़ा संत समझते हैं उसी तरह हमारे समाज में भी ऐसी बातें मानने वाले खुद को बड़ा पवित्र और ईश्वर का चहेता समझते हैं, जबकि हकीकत कुछ और ही है. हमें भी समय के हिसाब से अपनी सोच को विकसित करना चाहिए, जो कल सही था वो आज गलत हो सकता है और जो आज सही है वो कल गलत भी हो सकता है. ये हमेशा याद रखें.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

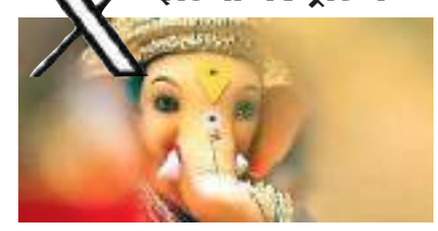

1. #GaneshChaturthi
2. श्री गणेश
3. गणपति बप्पा
4. #SuvviSuvvi
5. #TheyCallHimOG
6. #VinayakaChaturthi2025
7. मंगल मूर्ति
8. #NewBeginnings
9. Ash Anna
10. रिद्धि सिद्धि

बहुरंग

रोमियो' की शूटिंग के बीच बॉयफ्रेंड संग छुट्टियां मनाती दिखीं तृप्ति डिमरी

बॉलीवुड की उभरती हुई स्टार अदाकारा तृप्ति डिमरी इन दिनों फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रोमियो' को लेकर चर्चा में हैं. इस फिल्म में वह पहली बार शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं, जिसे लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है. फिल्म की शूटिंग फिलहाल स्पेन में चल रही है, जहां टीम आखिरी शेड्यूल को पूरा करने में जुटी हुई है. शूटिंग के बीच तृप्ति अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में आ गईं. हाल ही में उन्हें अपने कथित बॉयफ्रेंड और बिजनेसमैन सैम मर्चेंट के साथ स्पेन में वक्त बिताते देखा गया. दोनों ने इंस्टाग्राम पर लगभग एक जैसी तस्वीरें शेयर कीं, जिससे उनके फैन्स के बीच कयासों का दौर एक बार फिर तेज हो गया.

स्पेन की गलियों में रोमांटिक ट्रिप : रिपोर्ट के मुताबिक तृप्ति 'रोमियो' की शूटिंग में खासा बिजी थीं, लेकिन जैसे ही उन्हें फुर्सत मिली, उन्होंने सैम के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का मौका नहीं छोड़ा. दोनों को स्पेन की खूबसूरत गलियों में घूमते हुए और वहां के स्ट्रीट फूड का आनंद लेते देखा गया. उनकी साझा की गई तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस इस कपल की केमिस्ट्री को खूब पसंद कर रहे हैं.

एक्शन और रोमांस से भरपूर होगी 'रोमियो' : फिल्म 'रोमियो' की बात करें, तो विशाल भारद्वाज इसे एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म के रूप में तैयार कर रहे हैं. फिल्म का आखिरी शेड्यूल स्पेन में शूट हो रहा है, जिसमें दमदार एक्शन सीक्वेंसेज़ और एक रोमांटिक गाना शामिल है. शाहिद और तृप्ति की नई जोड़ी को लेकर मेकर्स को भरोसा है कि यह ऑडियंस के बीच काफी पसंद की जाएगी. तृप्ति डिमरी ने हाल ही में 'एनिमल' में अपने छोटे लेकिन प्रभावी रोल से दर्शकों का दिल जीता था, और अब वह शाहिद कपूर जैसे बड़े स्टार के साथ मुख्य भूमिका में नज़र आएंगी. फैन्स न सिर्फ इस फिल्म के रिलीज़ का इंतज़ार कर रहे हैं, बल्कि तृप्ति और सैम की ऑफ-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर भी उत्साहित हैं.

'ब्रिज' में दमदार रोल निभाएंगे आर माधवन, साथ होंगी राशि

आर. माधवन ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक यादगार किरदार निभाए हैं और अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है. पिछली बार फातिमा सना शेख के साथ आप जैसा कोई में नजर आए माधवन अब अपनी नई फिल्म 'ब्रिज' लेकर आ रहे हैं. खास बात यह है कि इस फिल्म में उनकी जोड़ी एक्ट्रेस राशि खन्ना के साथ बनने जा रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म ब्रिज की कहानी ब्रिटेन की पृष्ठभूमि पर आधारित है. इसमें माधवन और राशि खन्ना के साथ सोहा अली खान भी एक अहम किरदार में नजर आएंगी. सोहा और माधवन को साथ पर्दे पर देखना दर्शकों के लिए खास होगा, क्योंकि दोनों ने 19 साल पहले रंग दे बसंती में साथ काम किया था. फिल्म की कहानी एक ऐसे दंपत्ति पर केंद्रित है, जो अपनी 10 साल पहले लापता हुई बेटी को तलाश रहे हैं. इस फिल्म का निर्देशन अक्षय कुमार की मिशन मंगल की लेखिका निधि सिंह धरमा और सिनेमैटोग्राफर नागराज दिवाकर ने मिलकर किया है. दिलचस्प बात यह है कि यह दोनों का निर्देशन में डेब्यू प्रोजेक्ट है. फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसके इस साल के अंत या 2026 की शुरुआत में रिलीज होने की उम्मीद है. माधवन के पास ब्रिज के अलावा कई बड़े प्रोजेक्ट्स भी हैं. वह अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह के साथ 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आएंगे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा. बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है. शुभांक-1-5-7

वृष : अवरुद्घ कार्य संपन्न हो जाएंगे. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी. पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. शुभांक-2-5-7

मिथुन : बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. शुभांक-3-6-7

कर्क : अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें. परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा. किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव. सुख आरोग्य प्रभावित होगा. शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शुभांक-4-3-6

सिंह : दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे. व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. शुभांक-4-6-9

कन्या : सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. सुख-आनंद कारक समय है. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्घ होंगे. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. शुभांक-3-5-6

तुला : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. पारिवारिक विवाद टालें. आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी. महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्घ होगा. व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. कामकाज की अधिकता रहेगी. शुभांक-2-6-7

वृश्चिक : व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी. काम की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. बातचीत में संयम बरतें. व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है. शुभांक-1-5-7

धनु : खान-पान में विशेष सावधानी बरतें. मेहमानों का आगमन होगा. राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. नैतिक दायरे में रहें. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. विद्यार्थियों को लाभ. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. वाहन चालन में सावधानी बरतें. बातचीत में संयम बरतें. आय के योग बनेंगें. शुभांक-2-4-5

मकर : मन प्रसन्न बना रहेगा. अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी. परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी. आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी. भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा. अपनों का सहयोग होगा. अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें. शुभांक-5-7-9

कुंभ : शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. कामकाज की अधिकता रहेगी. लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी. व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी. रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. शुभांक-3-6-9

मीन : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. ज्ञान-विज्ञान की वृद्घि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. किसी के दबाव में न आएं, कुछ लोग भ्रांति फैला सकते हैं. शुभांक-3-5-6

'हैवान' का हिस्सा बनीं सैयामी खेर, फिल्म में अहम किरदार निभाएंगी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और सैफ अली खान की आने वाली फिल्म 'हैवान' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है. फिल्म की शूटिंग इन दिनों केरल के खूबसूरत शहर कोच्चि में चल रही है. इस प्रोजेक्ट का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर प्रियदर्शन कर रहे हैं, जिन्हें 'भूल भुलैया', 'हेरा फेरी' और 'हंगामा' जैसी सुपरहिट फिल्मों के लिए याद किया जाता है. फिल्म के कास्ट को लेकर लगातार नए अपडेट सामने आ रहे हैं. हाल ही में श्रिया पिलगांवकर की एंट्री के बाद अब सैयामी खेर भी इस बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गई हैं. वह फिल्म में एक अहम किरदार निभाने वाली हैं. सेट से सामने आई तस्वीर में सैयामी को सैफ अली खान, प्रियदर्शन और अन्य क्रू मेंबर्स के साथ देखा जा सकता है. तस्वीर ने सोशल मीडिया पर फैंस का उत्साह और भी बढ़ा दिया है. सैयामी ने अपनी शूटिंग का पहला शेड्यूल शुरू कर दिया है और वह इस मौके को लेकर बेहद उत्साहित हैं. उन्होंने कहा कि प्रियदर्शन जैसे अनुभवी डायरेक्टर और अक्षय–सैफ जैसे दमदार एक्टर्स के साथ काम करना उनके लिए एक बड़ा मौका है. फिल्म की कहानी को लेकर मेकर्स ने अभी तक ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की है, लेकिन इतना जरूर तय है कि स्क्रीन पर अक्षय और सैफ के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिलेगी. दोनों स्टार्स लंबे वक्त बाद एक साथ पर्दे पर नजर आएंगे, ऐसे में दर्शकों की उम्मीदें पहले से ही काफी बढ़ चुकी हैं.

अनिल कपूर ने पॉश इलाके बांद्रा में बेटे संग खरीदा लग्जरी फ्लैट

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर अक्सर अपनी फिल्मों, फिटनेस और स्टाइल को लेकर सुर्खियों में रहते हैं. हाल ही में उन्हें ऋतिक रोशन की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'वॉर 2' में कर्नल विक्रांत कौल की दमदार भूमिका में देखा गया, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा. अब अनिल एक बार फिर चर्चा में हैं और इस बार वजह उनका रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अनिल कपूर और उनके बेटे हर्षवर्धन कपूर ने मुंबई के पॉश इलाके बांद्रा में करीब 5 करोड़ रुपये का एक शानदार अपार्टमेंट खरीदा है.

बताया जा रहा है कि यह डील अगस्त में फाइनल हुई. अनिल और हर्षवर्धन का नया आशियाना 'द स्मोकी हिल सीएचएस लिमिटेड' नाम की सोसाइटी में स्थित है. इस अपार्टमेंट का कुल क्षेत्रफल 1,165 वर्ग फुट है, जबकि इसका कारपेट एरिया 970 वर्ग फुट है. इसके साथ एक प्राइवेट गैरेज भी शामिल है. रजिस्ट्रेशन के दौरान कपूर फैमिली ने करीब 30 लाख रुपये का स्टांप शुल्क अदा किया है. फिल्मों की बात करें, तो अनिल कपूर जल्द ही 'अल्फा' में नज़र आने वाले हैं. इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगी. फिल्म का निर्देशन शिव रवैल कर रहे हैं, जिन्होंने पहले आदित्य चोपड़ा की वेब सीरीज़ 'द रेलवे मेन' बनाई थी. 'अल्फा' इस साल क्रिसमस 2025 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी. खास बात यह है कि ऋतिक रोशन भी फिल्म का अहम हिस्सा होंगे.

सिनेमा हॉल में छाया रजनीकांत का जादू, फैंस का दिल जीता

इन दिनों सिनेमाघरों में कई बड़े सितारों की फिल्में दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रही हैं. इन्हीं में से एक है सुपरस्टार रजनीकांत की 'कुली'. रजनीकांत ने अपनी दमदार अदाकारी से एक बार फिर फैंस का दिल जीत लिया है. बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म लगातार अपनी पकड़ बनाए हुए है. रिलीज़ के दूसरे हफ्ते में भी 'कुली' करोड़ों की कमाई कर रही है. बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 'कुली' ने अपनी रिलीज़ के 12वें दिन यानी दूसरे सोमवार को 3 करोड़ रुपये की कमाई की. इसके साथ ही फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 260.35 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है. सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी 'कुली' शानदार प्रदर्शन कर रही है. अब तक फिल्म ने दुनियाभर में 479 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार कर लिया है. इस मेगा बजट फिल्म की लागत करीब 350 करोड़ रुपये बताई जा रही है. 'कुली' में रजनीकांत के साथ नागार्जुन अक्किनेनी, श्रुति हासन, सौबिन शाहिर, उपेंद्र, सत्यराज और रचिता राम जैसे सितारों ने भी अहम भूमिकाए निभाई हैं. इसके अलावा आमिर खान और पूजा हेगड़े फिल्म में कैमियो करते नजर आते हैं. इस फिल्म का निर्देशन 'कैथी', 'विक्रम' और 'मास्टर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के निर्देशक लोकेश कनगराज ने किया है. बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद अब यह फिल्म जल्द ही अमेज़न प्राइम वीडियो पर रिलीज होने जा रही है.

जिले के 17 थानों के बदले गए थानाध्यक्ष

अररिया : जिले में 17 थाना के थानाध्यक्ष बदले गए.एसपी अंजनी कुमार ने अररिया जिलादेश संख्या 822/2025 जारी कर तत्काल प्रभाव से पुलिस अधिकारियों को अपने नव पदस्थापन स्थल पर योगदान देने को कहा है. पुलिस कार्यालय के विधि शाखा के प्रभारी इंस्पेक्टर संजय कुमार को नरपतगंज थाना का थानाध्यक्ष,महलगांव थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर राजेश कुमार को भरगामा थानाध्यक्ष,ताराबाड़ी थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर प्रेमचंद्र कुमार को यातायात थाना का थानाध्यक्ष,डीआईयू शाखा में पदस्थापित एसआई रौशन कुमार को सिकटी थानाध्यक्ष,बरदाहा थाना के थानाध्यक्ष विकास कुमार मौर्य को कुर्साकांटा थानाध्यक्ष,पुलिस केंद्र में पदस्थापित एसआई रोहित कुमार को फुलकाहा थाना का थानाध्यक्ष, अनि नवदीप कुमार गुप्ता को बैरगाछी थानाध्यक्ष, एसआई चंदन कुमार को सोनामणी गोदाम थानाध्यक्ष, एसआई ब्रजेश कुमार को महलगांव थानाध्यक्ष, एसआई प्रेमप्रकाश शर्मा को कुआड़ी थानाध्यक्ष,एसआई मुकेश कुमार 2 को घुरना थानाध्यक्ष,भरगामा थाना में अपर थानाध्यक्ष के रूप में पदस्थापित मिथिलेश कुमार सिंह को बरदाहा थानाध्यक्ष,पुलिस कार्यालय के जन शिकायत कोषांग प्रभारी एसआई सुनील कुमार को बसमतिया थानाध्यक्ष,पुलिस केंद्र के एसआई राजवीर कुमार साहु को बथनाहा थाना का थानाध्यक्ष,एसआई कुंदन कुमार को बौसी थानाध्यक्ष,एसआई रंजीत कुमार को ताराबाड़ी थाना का थानाध्यक्ष और महिला थाना में पदस्थापित एसआई पूजा कुमारी 2 को अनुसूचित जाति जनजाति थाना का थानाध्यक्ष बनाया गया है.एसपी ने अपने कार्यालय आदेश में सभी अधिकारियों को अविलंब अपने नव पदस्थापन स्थानों पर योगदान देने का निर्देश दिया है. आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर तीन साल से अधिक समय से जिले में पदस्थापित पुलिस अधिकारियों के पूर्णिया रेंज के अन्य जिले में स्थानांतरण के बाद रिक्त हुए स्थानों और दूसरे जिले से अररिया जिले में योगदान किए पुलिस अधिकारियों की पदस्थापना की गई है.

प्रधानमंत्री मोदी 15 सितंबर को आएंगे पूर्णिया, एयरपोर्ट का करेंगे उद्घाटन

संवाददाता । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले महीने 15 सितम्बर को एक बार फिर बिहार आएंगे. यह जानकारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने दी. उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 15 सितम्बर को बिहार के पूर्णिया आयेंगे. वे पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे. इसके साथ ही सीमांचल को करोड़ों की योजनाओं की सौगात देंगे. प्रधानमंत्री का यह दौरा क्षेत्र के लिए विकास की नई दिशा तय करेगा. प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लेकर भाजपा पूरी तरह सक्रिय हो चुकी है. प्रधानमंत्री मोदी का यह सातवां बिहार दौरा है. इससे पहले 6 बार प्रधानमंत्री मोदी बिहार आ चुके हैं. भागलपुर, मधुबनी, सासाराम, सीवान, मोतिहारी और गयाजी के दौरे के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी 15 सितंबर को पूर्णिया आएंगे. इससे पहले अपने सभी दौरे पर उन्होंने बिहार को करोड़ों की सौगात देने का काम किया है. गयाजी में भी करीब 13 हजार करोड़ रूपये की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास उन्होंने किया. अब पूर्णिया को एयरपोर्ट की सौगात देने आ रहे हैं.

समान काम का समान वेतन की मांग को लेकर गृह रक्षकों ने किया प्रदर्शन

शुभम संदेश । भागलपुर

समान काम का समान वेतन की मांग को लेकर बुधवार को गृह रक्षा वाहिनी (होमगार्ड) के जवान सड़कों पर उतर आए. जवानों ने कंबाइंड बिल्डिंग गेट से विरोध जुलूस निकालकर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की. जुलूस मनाली चौक, तिलकामांझी चौक, सैंडिस कंपाउंड होते हुए समाहरणालय गेट तक पहुंचा. इस दौरान बड़ी संख्या में शामिल जवानों ने हमारी मांगे पूरी करो, समान वेतन दो, सरकार होश में आओ आदि नारे लगाए. विरोध कर रहे जवानों ने कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी तब-तब आंदोलन जारी रहेगा. संघ के जिला अध्यक्ष अखिलेश्वर प्रसाद ने कहा कि वे चुनाव ड्यूटी, वीआईपी सुरक्षा और आपदा प्रबंधन हर मोर्चे पर तैनात रहते हैं. फिर भी उन्हें न्यूनतम वेतन और सुविधा से वंचित रखा जाता है. उल्लेखनीय हो कि इससे पहले बिहार रक्षा वाहिनी स्वयंसेवक संघ के बैनर तले सैंडिस कंपाउंड मैदान में बैठक आयोजित की गई थी. बैठक की अध्यक्षता संघ के जिला अध्यक्ष अखिलेश्वर प्रसाद यादव ने की थी. इसमें निर्णय लिया गया कि 27 अगस्त को समाहरणालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा. बैठक में जिला अध्यक्ष अखिलेश्वर प्रसाद यादव ने कहा था हमारी मांग पूरी तरह जायज है. यदि सरकार अब भी चुप रही तो जवान मजबूर होकर उग्र आंदोलन करेंगे.

पितृपक्ष मेले को लेकर खास इंतजाम, तैयारी हो गई शुरू

शुभम संदेश । गयाजी

गयाजी में पितृपक्ष मेले के आयोजन को लेकर सरकारी तैयारी शुरू हो गई हैं. पितरों को मोक्ष दिलाने का महापर्व पितृपक्ष मेला- 2025 दस दिनों के बाद शुरू होगा. एक पखवाड़े तक चलने वाले विश्व प्रसिद्ध मेला का उद्घाटन 6 सितंबर को होगा. गयाजी के विष्णु नगरी में मेला के दौरान देश के अलग-अलग राज्यों से पिंडदानियों का आना शुरू हो जाएगा. 6 सितंबर गया जी में गोदावरी तालाब या पटना जिले के पुनपुन नदी से पिंडदान शुरू होगा. विष्णु नगरी में मुख्य रूप से 7 सितंबर को फल्गु नदी में स्नान और तर्पण के साथ त्रिपाक्षिक गया श्राद्ध शुरू होगा. जो 22 सितंबर को गायत्री घाट पर मातामाह श्राद्ध के साथ समाप्त होगा. साथ ही पिंडदान से लेकर तीर्थ यात्रियों के लिए प्रशासन द्वारा की जानें वाली सुविधाओं के बारे में भी आपको बता रहे हैं.

कुंभ की तर्ज पर होगी मेले की सफाई : पितृपक्ष मेले को यादगार पल बनाने के लिए जिला प्रशासन के साथ-साथ निगम प्रशासन ने भी कमान संभाल लिया है. कुंभ की तर्ज पर विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेले में साफ सफाई की व्यवस्था होगी. इस दौरान सफाई के लिए तीन एजेंसियों को जिम्मेदारी दी गई है.

निजी आवास और धर्मशाला में ठहरने से पहले होगी जांच : गयाजी के डीएम शशांक शुभंकर ने बताया कि पितृपक्ष मेला के दौरान श्रद्धालुओं को घरों में ठहरने के लिए 134 और निजी धर्मशाला की तरफ से 525 आवेदन मिले हैं. उन्होंने बताया कि लाइसेंस देने से पहले इसका भौतिक सत्यापन कराया जाएगा. सभी मानकों की जांच के बाद ही लाइसेंस निरस्त किया जाएगा.

मेले में निगम करेगी 12 करोड़ रुपये खर्च : राजकीय पितृपक्ष मेला की तैयारी पर गया जी नगर निगम 12 करोड़ रुपये खर्च करेगी. जिसमें पेयजल, रोड, नाली, ढक्कन, रंग रोगन, साफ सफाई समेत विभिन्न बुनियादी जरूरत पर खर्च करेगी.

5वीं की छात्रा ने स्कूल के टॉयलेट में लगाई आग

शुभम संदेश । पटना

पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र स्थित अमला टोला कन्या विद्यालय में बुधवार को एक छात्रा ने बाथरूम में घुसकर आग लगा ली, जिससे वो बुरी तरह से झुलस कर घायल हो गई. लड़की का नाम जोया परवीन है, जो दमडीया की रहने वाली है. वो कक्षा 5 की छात्रा है. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अस्पताल में उसे भर्ती कराया है, पुलिस मामले की जांच में जुटी है. इसके बाद स्कूल में काफी हंगामा हुआ.

छात्रा का शरीर 90 प्रतिशत तक जल गया है और उसे इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है. बताया जाता है कि चितकोहरा अमला हाई स्कूल छात्रा ने खुद पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगाई है. इससे वो 90 प्रतिशत तक जल गई. उसे इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर किया गया है, जहां उसका इलाज सिओटी में चल रहा है. वहीं गुस्साए लोगों ने स्कूल को घेर लिया और जमकर हंगामा किया.

घटना के बाद कई शिक्षक स्कूल के अंदर हैं, जिन्हें बाहर नहीं आने दिया गया. मौके पर पुलिसकर्मियों की पिटाई भी की गई. लोगों ने एसएचओ को थप्पड़ भी मारे. फिलहाल, सेंट्रल एसपी दीक्षा समेत तमाम आला अधिकारी मौके पर मौजूद हैं. घटना के बाद स्कूल का मुख्य द्वार बंद कर दिया गया है. कुछ शिक्षक डर के मारे भाग गए हैं. जब भीड़ स्कूल पहुंची, तो वहां भारी तोड़फोड़ हुई. कुर्सियां-मेजें तोड़ दी गईं. जरूरी कागजात भी फाड़ दिए गए. परिजनों ने इस घटना को हत्या बताया है. उन्होंने कहा कि किसी ने उसकी हत्या की है, या फिर बेटी ने किसी के दबाव में आकर खुद को आग लगा लिया है. जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह जोया स्कूल के बाथरूम में गई थी. उसके हाथ में एक बोतल भी थी. बाथरूम में जाने के बाद कुछ छात्राओं ने बाथरूम से धुआं निकलते देखा, जिसके बाद हंगामा मच गया. स्कूल के बाहर अभी भी भारी भीड़ जमा है. पुलिस लोगों को समझाने में जुटी है. उधर, मौके पर मिट्टी के तेल का एक डिब्बा मिला है. इसमें लगभग आधा लीटर तेल बचा है. बाथरूम के बाहर एक नीला कपड़ा भी पड़ा है. बाथरूम को सील कर दिया गया है. एफएसएल टीम जांच कर रही है. पुलिस अब स्कूल में लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है.

तीज के दिन कैमूर में हादसा

मां के साथ तालाब में स्नान करने गए 3 बच्चे डूबे, 2 मरे

शुभम संदेश । पटना

कैमूर में तीज के दिन यानी बीते मंगलवार (26 अगस्त, 2025) की शाम मां के साथ तालाब में नहाने गए तीन बच्चे डूब गए. इनमें से दो की मौत हो गई जबकि एक की हालत गंभीर है. मामला रामगढ़ थाना क्षेत्र के रहारी गांव का है. गांव के पोखरा (तालाब) में नहाने के दौरान यह हादसा हुआ है. ये तीनों बच्चे भाई-बहन थे. नहाने के दौरान तीनों अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे. ग्रामीणों ने शोर सुनकर तीनों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन दो भाई-बहन को नहीं बचाया जा सका. डॉक्टर ने गजेंद्र यादव की पुत्री अंशिका कुमारी (13 वर्ष) और बेटे प्रियांशु कुमार (11 वर्ष) को मृत घोषित कर दिया. तीसरी बच्ची खुशबू कुमारी की हालत गंभीर है. बेहतर इलाज के लिए उसे दूसरे अस्पताल में रेफर किया गया. तीज के दिन मातम में बदलीं खुशियां घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

पीएम नरेंद्र मोदी की विदेश नीति फेल : मृत्युंजय तिवारी

शुभम संदेश । पटना

कअमेरिका के जरिए भारत पर लगाए गए 25% अतिरिक्त व्यापार शुल्क यानी टैरिफ बुधवार से लागू हो गया. इस पर आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि, बहुत ही दर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने भारत पर 50% टैरिफ लगा दिया. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को इस पर जवाब देना चाहिए. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी गए थे अबकी बार ट्रंप सरकार करने और कहते थे हमारे मित्र हैं, तो उन्होंने इस तरह से भारत के साथ किया, पीएम मोदी को इसका जवाब देना चाहिए. इससे प्रतीत हो रहा है कि पीएम मोदी की विदेश नीति फेल हुई है.

मृत्युंजय तिवारी ने विधानसभा चुनाव पर कहा, अभी तक बहुत उदाहरण मिले जहां बीजेपी वोट चोरी करके ही सरकार में आई है. वोट चोरी करने के बाद भी ये लोकसभा चुनाव में 240 सीट पर अटक गए. इन्होंने कुछ काम किया नहीं. सिर्फ वोट चोरी कर सरकार में आते हैं. बिहार की जनता अब इन्हें पहचान गई है और वो अपने वोट की रक्षा करेगी और अपने वोट के अधिकार के लिए जान की बाजी लगा देगी.

कारोबार

टाटा स्टील पर अमेरिकी टैरिफ का कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं : टीवी नरेंद्रन

जमशेदपुर । बिष्टुपुर के सर दोराबजी टाटा पार्क में सर दोराबजी टाटा की जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह में टाटा स्टील के एमडी और सीईओ टीवी नरेंद्रन ने कहा कि अमेरिका के 50 प्रतिशत आयात शुल्क का टाटा स्टील की भारतीय इकाइयों पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ेगा. नरेंद्रन ने कहा कि टाटा स्टील भारत या जमशेदपुर से अमेरिका में स्टील का निर्यात नहीं करती, बल्कि यूरोप स्थित प्लांट से अमेरिकी बाजार में निर्यात होता है, जहां कुछ हद तक असर संभव है. नरेंद्रन ने यह भी बताया कि भारत में स्टील की घरेलू मांग तेजी से बढ़ रही है और सरकार द्वारा किए जा रहे आर्थिक सुधारों जैसे जीएसटी में बदलाव और नीतिगत सुधारों से भारतीय अर्थव्यवस्था और भी मजबूत हो रही है. हालांकि उन्होंने माना कि अमेरिकी टैरिफ का असर टेक्सटाइल, ज्वेलरी और जेम्स इंडस्ट्री पर पड़ सकता है, लेकिन इससे निपटने के लिए भारत सरकार निरंतर बैठकें कर रही है और उचित समाधान खोजे जा रहे हैं. इस अवसर पर टाटा स्टील के एमडी ने कहा कि कंपनी पिछले 119 वर्षों से राष्ट्र की सेवा कर रही है और आगे भी करती रहेगी. उन्होंने बताया कि टाटा स्टील हाइड्रोजन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए भी प्रयास कर रही है ताकि पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन को बढ़ाया जा सके. सर दोराबजी टाटा की जयंती पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे सभी लोगों ने सर दोराबजी टाटा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके योगदान को नमन किया. वक्ताओं ने उनके जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता पर बल दिया और उन्हें सच्चा राष्ट्रसेवक बताया, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी देश के लिए उद्योग और अवसर खड़े किए.

गणेश चतर्थी और ट्रंप के टैरिफ का असर

चमका सोना, चांदी की कीमत स्थिर

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में बुधवार को गणेश चतर्थी और ट्रंप के टैरिफ लागु होने से सोने के भाव में तेजी का रुख बना रहा. इसके विपरीत चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है. कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,02,440 रुपये से लेकर 1,02,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया. इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 93,900 रुपये से लेकर 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिका. चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,20,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिकी. दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,02,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,02,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई.

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,02,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 93,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिका. कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,02,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,02,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर रहा, जबकि 22 कैरेट सोना 93,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया. जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,02,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया. देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,02,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 93,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका.

ट्रंप के टैरिफ का असर, 0.4-0.5 प्रतिशत के तक घट सकती है यूएस अर्थव्यवस्था

एजेंसी । नयी दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से व्यापारिक साझेदार देशों पर लगाए गए टैरिफ के कारण महंगाई बढ़ सकती है, जिस वजह से यूएस की अर्थव्यवस्था 0.4-0.5 प्रतिशत के बीच घट सकती है. अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ बुधवार से लागू हो गया है. इसे मिलाकर भारतीय निर्यात पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है.

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका में महंगाई दर पूरे 2026 में दो प्रतिशत के ऊपर रह सकती है. इसकी वजह टैरिफ के कारण आपूर्ति में व्यवधान और एक्सचेंज रेट में उतार-चढ़ाव होना बताया जा रहा है. रिपोर्ट में कहा गया, "अमेरिका में महंगाई के नए दबाव के संकेत दिखने लगे हैं, जो हाल ही में लगाए गए टैरिफ और कमजोर डॉलर के कारण खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स जैसे आयात-संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ रही है. एसबीआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारतीय वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले से अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा, जिससे महंगाई का दबाव बढ़ेगा और विकास गति भी धीमी होगी. इसमें आगे कहा गया है कि अमेरिकी टैरिफ से अमेरिकी जीडीपी पर 40-50 आधार अंकों (0.4-0.5 प्रतिशत) का असर पड़ सकता है और इनपुट लागत में भी बढ़ोतरी हो सकती है.

अमेरिका के जैक्सन होल में फेड के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा था कि हम बढ़ती कीमतों और कमजोर रोजगार बाजार में जोखिमों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं. कीमतों पर उच्च टैरिफ का प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है. जुलाई में अमेरिका के थोक मूल्यों में लगभग 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो तीन वर्षों में सबसे तेज वृद्धि थी. इसका कारण टैरिफ युद्ध के परिणामस्वरूप लागत में इजाफा होना है. उत्पादक मूल्य सूचकांक में साल-दर-साल 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि सेवाओं, प्रसंस्कृत वस्तुओं और फर्नीचर व परिधान जैसे टैरिफ केंद्रित आयातों की कीमतों में तेज वृद्धि देखी गई. अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि जब तक टैरिफ वापस नहीं लिए जाते, अमेरिका में परिवारों को अपने बजट पर और अधिक दबाव का सामना करना पड़ेगा.

गणेश चतुर्थी पर स्टॉक मार्केट में रही छुट्टी, कमोडिटी मार्केट में इवनिंग सेशन में होगा कारोबार

एजेंसी । नई दिल्ली

गणेश चतुर्थी के मौके पर घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को छुट्टी है. स्टॉक मार्केट में कोई कारोबार नहीं होगा. वहीं कमोडिटी मार्केट में मॉर्निंग सेशन में गणेश चतुर्थी की छुट्टी रहेगी, लेकिन इवनिंग सेशन में कमोडिटी मार्केट में सामान्य कारोबार होता रहेगा. कमोडिटी मार्केट में शाम 5 बजे से रात 11:30 बजे तक कमोडिटी ट्रेडिंग होती रहेगी. इस दौरान तमाम कमोडिटीज में सामान्य दिनों की तरह ट्रेडिंग होगी. स्टॉक मार्केट में कल 28 अगस्त से सामान्य कारोबार शुरू होगा. इसी तरह कमोडिटी मार्केट में भी कल से मॉर्निंग और इवनिंग दोनों सेशन में कारोबार की शुरुआत हो जाएगी. 28 अगस्त यानी कल ही बैंक निफ्टी, निफ्टी 50 और मिडकैप निफ्टी जैसे एनएसई के डेरिवेटिव्स कांट्रैक्ट्स की मंथली एक्सपायरी होगी. इसके साथ ही स्टॉक्स के भी मंथली डेरिवेटिव्स कांट्रैक्ट्स की मंथली एक्सपायरी कल ही होगी. बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की ओर से उपलब्ध कराई गयी.

योगी सरकार लाएगी नई इलेक्ट्रॉनिक्स पॉलिसी

निवेशकों को सब्सिडी व टैक्स छूट का तोहफा

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार केंद्र सरकारी इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेन्ट मैन्युफैक्चरिंग योजना के साथ ही अपनी ओर से भी टॉप अप इंसेंटिव देगी. योगी सरकार जल्द ही अपनी इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेन्ट विनिर्माण नीति लाएगी जिसमें उद्यमियों को कई तरह की सहूलियत दी जाएंगी. इसमें रोजगार सृजित करने और प्रदेश के युवाओं को वरीयता देने वालों को विशेष प्रोत्साहन दिए जाने का प्रावधान होगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रस्तावित 'उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025' के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. यह नीति आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा तैयार की गयी है. मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे तेजी से उभरता क्षेत्र है. आज भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता है, जिसमें उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 60 फीसदी है लिहाजा सम्भावनाओं वाले इस सेक्टर का लाभ प्रदेश को उठाना चाहिए. मुख्यमंत्री ने नीति के प्रावधानों पर चर्चा करते हुए कहा कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए केन्द्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेन्ट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम के साथ उत्तर प्रदेश की ओर से टॉप-अप इन्सेंटिव दिया जाना चाहिए. इसी तरह पूंजीगत निवेश पर आकर्षक सब्सिडी, अतिरिक्त लाभ, स्टाम्प शुल्क एवं बिजली शुल्क में छूट, ब्याज अनुदान, लॉजिस्टिक्स और संचालन सहायता जैसे प्राविधान शामिल किये जाएं. उन्होंने कहा कि यदि निवेशक प्रदेश में रोजगार सृजित करता है और प्रदेश के युवाओं को वरीयता देता है तो उसे विशेष प्रोत्साहन दिया जाए.

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए. निवेशकों को एकल विण्डो प्रणाली के माध्यम से सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए. युवाओं के लिए रोजगार सृजन को उद्योगों की वास्तविक जरूरतों से जोड़ा जाए तथा कौशल विकास कार्यक्रम उसी के अनुरूप संचालित हों. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स कम्पोनेंट विनिर्माण का वैश्विक केन्द्र बनाने के लिए ठोस कार्य योजना बनाई जाए. यह नीति न केवल विदेशी निवेश आकर्षित करेगी, बल्कि आयात पर निर्भरता घटाकर घरेलू मूल्य संवर्धन और विदेशी मुद्रा की बचत में भी सहायक होगी.

भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक

एजेंसी । नयी दिल्ली

फूड प्रोसेसिंग व्यवसाय में डेयरी सेक्टर सबसे तेजी से बढ़ने वाला उद्योग बन गया है. देश का फूड प्रोसेसिंग सेक्टर आने वाले वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक होगा, क्योंकि सरकार इस क्षेत्र में 100 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दे रही है. डेयरी उद्योग को मजबूत करने में तकनीक की अहम भूमिका है जिसके लिए सरकार और निजी संस्थानों के महत्वपूर्ण साझा भूमिका रही है और यह आगे भी बनी रहने वाली है.

मुंबई में आयोजित अनुगा फूडटेक इंडिया और अनुगा सिलेक्ट इंडिया 2025 के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के कार्यकारी निदेशक सीतारामन रघुपति ने कहा कि भारत के खाद्य एवं पेय क्षेत्र में डेयरी सेक्टर का 25 फीसदी योगदान है, और भारत दुनिया के एक-चौथाई दूध का उत्पादन करता है, जिसकी बाजार कीमत 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक है. डेयरी सेक्टर में 2,35,000 गांवों के 1.7 करोड़ किसान जुड़े हुए हैं, जिनमें से 35 फीसदी महिलाएं हैं.

फूड प्रोसेसिंग व्यवसाय में डेयरी सेक्टर सबसे तेजी से बढ़ने वाला उद्योग बन गया है. सीतारामन रघुपति ने कहा कि देश का फूड प्रोसेसिंग सेक्टर आने वाले वर्षों में सबसे तेज़ी से बढ़ते उद्योगों में से एक होगा, क्योंकि सरकार इस क्षेत्र में 100 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दे रही है. उन्होंने कहा कि भारत का खाद्य और पेय क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहा है, जिसे 180 मिलियन हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि, 7.5 लाख करोड़ रुपये के खाद्य प्रसंस्करण और उपभोक्ता खर्च के 40 फीसदी से अधिक के खाद्य लागत से समर्थन मिल रहा है.

पूर्व क्रिकेटर ने मनोज तिवारी ने बीसीसीआई के फैसले पर उठाए सवाल, कहा

रोहित शर्मा को वनडे से बाहर करने के लिए लाया गया ब्रोंको टेस्ट

एजेंसियां। कोलकाता

टी20 और टेस्ट से रिटायरमेंट ले चुके रोहित शर्मा अब सिर्फ एकदिवसीय अंतरराष्ट्री क्रिकेट खेलते हैं. माना जा रहा है कि वह 2027 में होने वाले ओडीआई वर्ल्ड कप तक खेलना चाहते हैं, हालांकि ये उनकी फिटनेस और फॉर्म पर निर्भर करेगा. रोहित शर्मा की उम्र अभी 38 साल है. इस बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) खिलाड़ियों के लिए 'ब्रोंको टेस्ट' लाया है. ये टेस्ट प्लेयर्स में हाई लेवल की फिटनेस को बनाए रखने और एरोबिक क्षमता में सुधार करने के उद्देश्य से लाया गया है. इस बीच पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने इस पर

बड़ा बयान दिया है.

रोहित शर्मा 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप से पहले ही संन्यास ले लें, इसी कारण से ये ब्रोंको टेस्ट को शुरू किया गया है. ये मानना है भारत के पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी का.

ब्रोंको टेस्ट में रोहित शर्मा को रोक दिया जाएगा

मनोज तिवारी ने कहा, भारतीय क्रिकेट में शुरू हुआ ब्रोंको टेस्ट सबसे कठिन फिटनेस टेस्ट में से एक है, सवाल यही है कि ये अभी क्यों? जब नए हेड कोच को पहली ही सीरीज से ये काम मिल गया था तो तब क्यों नहीं? किसने इसे शुरू किया और ये किसका विचार है? ब्रोंको टेस्ट लागू करने के पीछे कौन है? मेरे पास इसका जवाब तो नहीं है लेकिन लेकिन लगता है कि अगर रोहित शर्मा अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत नहीं करते हैं तो उनके लिए जगह बनाना मुश्किल होगा. मेरे अनुसार उन्हें ब्रोंको टेस्ट में रोक दिया जाएगा.

हालांकि मनोज तिवारी ब्रोंको टेस्ट के पक्ष में भी दिखे. उन्होंने कहा, ये टेस्ट इस वजह से लाया गया है ताकि फिटनेस लेवल सबसे ऊंचे स्तर पर तय हो सके, लेकिन मेरा मानना है कि इसे कुछ प्लेयर्स को बाहर रखने के लिए भी लाया गया है. ऐसा 2011 में भी हुआ था जब सहवाग, युवराज, गंभीर और बाकी प्लेयर्स अच्छा कर रहे थे और 2011 में वर्ल्ड कप जीतने के बाद यो-यो टेस्ट लाया गया. इसके पीछे कई चीजें होती हैं. आगे देखते हैं क्या होता है.

रोहित की फिटनेस हमेशा चर्चा में रहती है, वह फिट नहीं हैं लेकिन बल्ले से वह अच्छे-अच्छे गेंदबाजों के छक्के छुड़ा देते हैं. इसलिए अनफिट होने के बावजूद उन्हें बैंच पर बिठाना मुश्किल है. और मनोज तिवारी का मानना है कि इसी वजह से इस टेस्ट को लाया गया है.

क्रिकट्रैकर से बात करते हुए मनोज तिवारी ने कहा, मेरे अनुसार 2027 वर्ल्ड कप की प्लानिंग से विराट कोहली को बाहर रखना मुश्किल है, लेकिन मुझे शक है कि वे रोहित शर्मा को इसकी प्लानिंग में शामिल करेंगे. देखिए, मैं उन चीजों का बारीकी से एनालिसिस करता हूं जो भारतीय क्रिकेट में चल रहा होता है. ब्रोंको टेस्ट, जो कुछ दिन पहले शुरू किया गया वो रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों के लिए हैं जिनको वह भविष्य में टीम में शामिल नहीं करना चाहते. मेरे अनुसार इसी कारण से इसे शुरू किया गया.

मनोज तिवारी ने ब्रोंको टेस्ट आने के समय पर भी सवाल उठाया. पिछले साल जुलाई में गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बने थे, उसके बाद ब्रोंको टेस्ट अब शुरू किया गया. भारतीय क्रिकेट टीम के नए स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रॉक्स जून में टीम में शामिल हुए और इसके बाद ये फिटनेस टेस्ट शुरू किया गया.

बोरुसिया डॉर्टमंड ने चेल्सी से चुक्वुएमेका के साथ किया करार

बर्लिन। जर्मन क्लब बोरुसिया डॉर्टमंड ने इंग्लिश मिडफील्डर कार्नी चुक्वुएमेका को इंग्लिश प्रीमियर लीग टीम चेल्सी से स्थायी करार पर साइन करने की पुष्टि कर दी है. क्लब ने मंगलवार को यह जानकारी दी. 21 वर्षीय चुक्वुएमेका ने पिछले सीजन डॉर्टमंड के लिए छह महीने लोन पर खेला था, जिसमें उनके प्रदर्शन ने प्रभावित किया. अब उन्होंने डॉर्टमंड के साथ जून 2030 तक का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है. रिपोर्ट्स के अनुसार, डॉर्टमंड ने यह डील करीब 25 मिलियन यूरो (लगभग 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में पूरी की है, जो पिछले सर्दियों में तय शुरुआती विकल्प से कम है.

आईपीएल में मेरा समय खत्म, अश्विन की रोचक अंदाज में रिटायरमेंट स्पीच

न लिया अपने कप्तान एमएस धौनी और न टीम सीएसके का नाम

एजेंसियां। चेन्नई

अनुभवी भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास की घोषणा की जिससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कुछ ही महीनों के भीतर इस टूर्नामेंट के साथ उनके 16 साल लंबे जुड़ाव का अंत हो गया. अश्विन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह घोषणा की. उनके ट्वीट में रोचक बात यह रही कि उन्होंने अपने करिश्माई करियर के दौरान साथ खेले किसी भी खिलाड़ी का नाम नहीं लिखा. यहां तक कि उनके पहले और आखिरी कप्तान एमएस धौनी का नाम भी नहीं है, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स सहित किसी भी फ्रेंचाइजी का नाम नहीं लिखा.

आर अश्विन आईपीएल रिकॉर्ड

अश्विन आईपीएल में 5 टीमों के लिए खेले हैं. उनका आईपीएल सफर चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 2009 में शुरू हुआ था. पहले सीजन वह 2 मैच ही खेल पाए. अपने अंतिम आईपीएल सीजन (2025) में वह सीएसके के लिए 9 मैच खेले, जिसमें उनके नाम 7 विकेट रहे. देखें उनके किन फ्रेंचाइजियों के लिए कितने विकेट हैं.

- सीएसके के लिए (2009-15 और 2015)- 106 मैचों में 97 विकेट
- आरपीएस के लिए (2016)- 14 मैचों में 10 विकेट
- पीबीकेएस के लिए (2018-19)- 28 मैचों में 25 विकेट
- डीसी के लिए (2020-22)- 28 मैचों में 20 विकेट
- आरआर के लिए (2022-24)- 45 मैचों में 35 विकेट

कुल 5 टीमों के लिए खेलते हुए अश्विन ने 221 आईपीएल मैचों में 187 विकेट लिए. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने 106 टेस्ट, 116 वनडे और 65 टी20 मैच खेले, इसमें उनके नाम क्रमश 537, 156 और 72 विकेट हैं.

रविचंद्रन अश्विन की आईपीएल रिटायरमेंट स्पीच

अश्विन ने एक्स पर लिखा- कहते हैं कि हर अंत के साथ एक नई शुरुआत होती है. आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है लेकिन विभिन्न लीग में खेल की खोज करने का मेरा समय आज से शुरू हो रहा है. उन्होंने कहा- मैं सभी फ्रेंचाइजी को वर्षों से मिली शानदार यादों और रिश्तों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं और सबसे महत्वपूर्ण आईपीएल और बीसीसीआई को उन चीजों के लिए जो उन्होंने अब तक मुझे दीं. आगे जो भी मेरे सामने है उसका पूरा आनंद लेने और उसका पूरा फायदा उठाने के लिए उत्सुक हूं.

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट करियर से लिया था रिटायरमेंट

इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था. वह अनिल कुंबले (619) के बाद टेस्ट मैच में भारत के दूसरे सबसे अधिक विकेट (537) लेने वाले गेंदबाज हैं. आईपीएल में अश्विन ने 2009 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए पदार्पण किया था. एक दशक के लंबे अंतराल के बाद 9.75 करोड़ रुपये में सुपर किंग्स से दोबारा जुड़ने के बाद उन्होंने आईपीएल 2025 में इसी टीम की ओर से अपना आखिरी मैच खेला.

पुजारा के संन्यास पर कोहली की आई प्रतिक्रिया, लिखा पोस्ट

मेरा काम आसान करने के लिए धन्यवाद

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने चेतेश्वर पुजारा के लिए एक भावुक पोस्ट लिखा है. चेतेश्वर पुजारा ने हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूप से संन्यास लेने का फैसला किया था. विराट कोहली और चेतेश्वर पुजारा लंबे समय तक एक साथ खेले और दोनों ने कई मौकों पर साझेदारी भी निभाई. 2018-19 के ऐतिहासिक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पुजारा टीम के काफी काम आए.

भारत की जीत में दिया था अहम योगदान : पुजारा ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2018-19 में सात पारियों में 521 रन बनाए थे जिसकी मदद से कोहली की अगुआई वाली भारतीय टीम 2-1 से सीरीज अपने नाम करने में सफल रही थी. पुजारा ने अपना आखिरी टेस्ट जून 2023 में इंग्लैंड में ही खेला था. उनका आखिरी टेस्ट या यूं कहें अंतरराष्ट्रीय मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केनिंग्टन ओवल में खेला गया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 फाइनल था. चेतेश्वर पुजारा हाल फिलहाल में भारत के इंग्लैंड दौरे पर कमेंट्री करते दिखे थे.

कोहली-पुजारा ने निभाई थी कई साझेदारियां: कोहली ने पुजारा के लिए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखा है. कोहली ने चौथे नंबर पर उनका काम आसान करने के लिए पुजारा को धन्यवाद दिया है और अपनी शुभकामनाएं दी हैं. कोहली ने लिखा, चौथे नंबर पर मेरा काम आसान के लिए धन्यवाद पुज्जी. आपका करियर शानदार रहा. बधाई और आगे के लिए शुभकामनाएं. भगवान आपका भला करें. चेतेश्वर पुजारा और विराट कोहली ने टीम में रहते हुए भारत के लिए मध्यक्रम में शानदार साझेदारियां निभाईं. इस जोड़ी ने 83 पारियों में 3513 रन बनाए, जिसमें सात शतकीय साझेदारियां और 18 अर्धशतकीय साझेदारियां शामिल हैं.

चेतेश्वर पुजारा का अंतरराष्ट्रीय करियर

चेतेश्वर पुजारा ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 103 टेस्ट और पांच वनडे खेले। टेस्ट में उन्होंने 176 पारियों में 43.61 की औसत से 7195 रन बनाए. इनमें 19 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं. उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 206 रन का रहा. वहीं, वनडे में उन्होंने 39.24 की औसत से 510 रन बनाए. इसके अलावा पुजारा आईपीएल में 30 मैच खेल चुके हैं. इसकी 22 पारियों में उन्होंने 99.75 के स्ट्राइक रेट से 390 रन बनाए. इसमें एक अर्धशतक शामिल है.

पुजारा ने संन्यास के बाद मांगी माफी

मुंबई। चेतेश्वर पुजारा ने 24 अगस्त, 2025 को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था. अगले ही दिन पुजारा ने टेस्ट क्रिकेट से जुड़ी यादों को लोगों के साथ शेयर किया. वहीं अब पुजारा ने मंगलवार, 26 अगस्त की रात एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपने चाहने वालों और सभी फैंस से माफी मांगी है. पुजारा ने क्रिकेट से रिटायर होने के बाद अपना ये पहला वीडियो शेयर किया है. भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा ने क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के बाद एक शॉर्ट वीडियो शेयर किया है. पुजारा ने इस वीडियो के जरिए सभी का धन्यवाद किया. पुजारा ने कहा कि बीते कुछ दिनों में जो आप सभी ने मुझे प्यार दिया, उसे देखकर मैं बहुत खुश हूं और बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं. पुजारा ने आगे कहा कि मैं कोशिश कर रहा हूं कि मैं सभी की बातों का जवाब दे सकूं, लेकिन अगर किसी के मैसेज का रिप्लाई करना मुझसे रह गया है तो मैं इसके लिए माफी मांगता हूं. पुजारा ने आगे कहा कि भारतीय टीम के लिए खेलना बड़े ही सम्मान की बात है और मैं टीम इंडिया के लिए जो योगदान दे सकता था, वो मैंने किया. आप सभी लोग जो मुझे प्यार और सपोर्ट दे रहे हैं, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं. आप सभी के प्यार के लिए बहुत शुक्रिया.

यूपी टी20 लीग में आदर्श सिंह का धमाका

कानपुर सुपरस्टार्स की 128 रन से बड़ी जीत

एजेंसियां। नयी दिल्ली

यूपी टी20 लीग के 19वें मुकाबले में कानपुर सुपरस्टार्स ने काशी रुद्राज को करारी शिकस्त देते हुए 128 रन से बड़ी जीत दर्ज की. भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में आदर्श सिंह की तूफानी शतक और शुभम मिश्रा की घातक गेंदबाजी ने पूरी बाजी पलट दी. शानदार शतक के लिए आदर्श सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया. शुभम मिश्रा की घातक गेंदबाजी ने भी जीत में अहम भूमिका निभाई. टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कानपुर सुपरस्टार्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही. टीम ने चौथे ओवर में पहला विकेट खो दिया और 10वें ओवर तक स्कोर सिर्फ 54/2 था. मुश्किल परिस्थितियों में आदर्श सिंह ने धैर्य दिखाया और फिर तूफानी अंदाज में गियर बदला. आदर्श ने 51 गेंदों पर शतक पूरा किया और अंत तक नाबाद रहते हुए 55 गेंदों पर 113 रन ठोके. उनकी पारी में 12 छक्के शामिल थे, जिनमें से 10 सिर्फ आखिरी 19 गेंदों में आए.

ब्राज़ील अक्टूबर में खेलेगा दक्षिण कोरिया और जापान से दोस्ताना मुकाबले

रियो डी जेनेरियो। ब्राज़ीलियाई फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) ने मंगलवार को घोषणा की कि पांच बार का विश्व चैंपियन ब्राज़ील अक्टूबर में दक्षिण कोरिया और जापान के खिलाफ दोस्ताना मुकाबले खेलेगा. यह मैच 2026 विश्व कप की तैयारी का हिस्सा होंगे. कार्यक्रम के अनुसार, ब्राज़ील 10 अक्टूबर को सियोल में दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा, जबकि 14 अक्टूबर को टोक्यो में जापान से उसका सामना होगा. ब्राज़ील पहले ही 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है और अगले महीने अपने अंतिम दो क्वालिफ़ायर में चिली और बोलिविया का सामना करेगा. सीबीएफ के जनरल कोऑर्डिनेटर रोड्रिगो कैएटानो ने कहा कि ये दोस्ताना मुकाबले टीम को विभिन्न फुटबॉल शैलियों का अनुभव देंगे. उन्होंने बताया, "दक्षिण कोरिया और जापान के बाद हमारा प्लान नवंबर में अफ्रीकी टीमों और मार्च तथा जून 2026 में यूरोप की शीर्ष टीमों से मुकाबला करने का है.

चोट के बाद मैदान पर वापसी के लिए तैयार सूर्यकुमार यादव

सर्वश्रेष्ठ स्तर पर लौटने का भरोसा जताया

एजेंसियां। मुंबई

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव चोट के बाद मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं. सूर्यकुमार को चोट के कारण सर्जरी करानी पड़ी थी और उन्हें रिहैब से गुजरना पड़ा. सूर्यकुमार आईपीएल 2025 के बाद से मैदान से बाहर हैं और अब वह अगले महीने होने वाले एशिया कप से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे. भारतीय टीम सूर्यकुमार की अगुआई में ही एशिया कप में अपने खिताब बचाने के अभियान में उतरेगी.

चोट के बारे में खुलकर की बात: सूर्यकुमार ने वापसी से पहले अपनी चोट के बारे में खुलकर बात की और कहा कि उनके लिए यह ब्रेक सर्वश्रेष्ठ स्तर पर लौटने का एक मौका था. सूर्यकुमार ने बंगलूरू स्थिति भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब प्रक्रिया पूरी की। बीसीसीआई ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें सूर्यकुमार ने अपने रिहैब प्रक्रिया से लेकर वापसी तक के बारे में बात की. सूर्यकुमार ने कहा, मैं अभी अच्छा महसूस कर रहा हूं. पांच-छह हफ्ते हो गए हैं. यह एक अच्छी प्रक्रिया है. पिछले छह हफ्तों से अच्छी दिनचर्या है और उम्मीद है कि मैं बहुत अच्छा महसूस करूंगा. रिहैब के दौरान सबसे जरूरी बात यह है कि आपके आस-पास अच्छे लोग हों जो आपका अच्छी तरह से मार्गदर्शन करें और पिछले दो-तीन वर्षों में मैं जब भी मैं रिहैब में था तो मैंने यही किया. मैंने इसे अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर में वापसी करने के अवसर के रूप में देखा.

एशिया कप से पहले संजू सैमसन का बड़ा चमत्कार

1 ही गेंद में बना डाले 13 रन

एजेंसियां। नयी दिल्ली

एशिया कप 2025 से पहले भारत की टी20 टीम के ओपनर संजू सैमसन ने कोहराम मचा रखा है. वह इस वक्त गजब फॉर्म में चल रहे हैं. सैमसन का बल्ला रुकने का नाम नहीं ले रहा है, जोकि भारतीय टीम के लिहाज से काफी अच्छी बात है. सैमसन आगामी एशिया कप में भारत के लिए महत्वपूर्ण पारियां खेल सकते हैं. संजू सैमसन फिलहाल केरल क्रिकेट लीग 2025 यानी केसीएल में खेल रहे हैं. संजू ने इस लीग में खेलते हुए त्रिशूर टाइटंस के खिलाफ 1 गेंद में 13 रन बना डाले, आखिर यह कैसे मुमकिन हुआ, आइए बताते हैं.

दरअसल, यह बात है संजू सैमसन की टीम कोच्चि ब्लू टाइगर्स और त्रिशूर टाइटंस के मैच की, जो मंगलवार को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया. कोच्चि की पारी का 5वां ओवर सिजोमोन जोसफ डाल रहे थे. उनके ओवर की चौथी गेंद पर संजू सैमसन स्ट्राइक पर थे और उन्होंने लाजवाब सिक्स जड़ दिया. हालांकि, इसके बाद पता चला कि वो नो बॉल थी. फिर जो लीगल डिलिवरी स्पिनर गेंदबाज ने डाली उसपर भी संजू ने छक्का लगा दिया.

एशिया कप : भारत की टीम पर पूर्व विदेशी खिलाड़ियों की टिप्पणी से नाराज हुए गावस्कर

जम कर लगाई लताड़, कहा- आग में घी मत डालो

एजेंसियां। नयी दिल्ली

एशिया कप को शुरू होने में अब कुछ ही दिन का समय शेष रह गया है. भारत ने अगले महीने यूएई में होने वाले इस बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की है जिसकी कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे. टीम में श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को शामिल नहीं करने पर काफी चर्चा हुई थी, लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने इस बात से हैरानी जताई है कि एशिया कप टीम को लेकर भारत के अलावा पूर्व विदेशी खिलाड़ी क्यों टिप्पणी कर रहे हैं जिनके बयान आग में घी डालने का काम कर रहे हैं. गावस्कर ने कहा कि अगर भारतीय मीडिया, सोशल मीडिया और क्रिकेट पंडितों के बीच एशिया कप टीम को लेकर कोई बहस नहीं होती, तो उन्हें हैरानी होती. लेकिन यह बात कि विदेश के पूर्व क्रिकेटर भी इस बहस में पड़ रहे

हैं, उन्हें स्वीकार्य नहीं है. गावस्कर ने एक कॉलम में लिखा, हैरान करने वाली बात यह है कि जिन विदेशियों का भारतीय क्रिकेट में कोई योगदान नहीं है और जिन्हें इसके बारे में बहुत कम जानकारी है, वे इस बहस में कूद पड़े हैं और आग में घी डालने का काम कर रहे हैं. वे खिलाड़ी के रूप में चाहे कितने भी महान क्यों न हों और भारत में कितनी भी बार क्यों न आए हों, भारतीय टीम का चयन उनका बिल्कुल भी काम नहीं है. उन्हें अपने देश के क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिए और हम भारतीयों को अपने क्रिकेट की चिंता करने देना चाहिए. हैरानी की बात यह है कि जब उनके देश की टीमों का चयन होता है तो चयन के बारे में उनसे शायद ही कुछ सुना जाता है.

गावस्कर ने लिखा, ऐसा लग रहा है जैसे चयन एकदम सही है और उन्हें कोई टिप्पणी करने की जरूरत ही नहीं है. तो फिर भारतीय टीम के चयन में दखलंदाज़ी क्यों? क्या आपने कभी पूर्व भारतीय क्रिकेटरों को दूसरे देशों की टीमों के चयन के बारे में बात करते सुना है? नहीं, हम अपने काम से मतलब रखते हैं और हमें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे किसे चुनते हैं और किसे नहीं.

भारतीय दर्शकों की प्रतिक्रियाओं से मिलती है मदद

गावस्कर का मानना है कि सोशल मीडिया पर भारतीय दर्शकों की प्रतिक्रियाओं से इन विदेशी क्रिकेट हस्तियों को सोशल मीडिया पर अधिक फॉलोअर्स और व्यूज मिलने में मदद मिलती है, जिससे उन्हें अपनी आजीविका चलाने में मदद मिलती है. गावस्कर ने कहा, सोशल मीडिया के जमाने में जहां व्यूज और फॉलोअर्स पाना ही मुख्य विषय है, संख्या बढ़ाने का सबसे तेज तरीका भारतीय मामलों पर टिप्पणी करना है. ज्यादातर वे इसे नकारात्मक रूप से करते हैं, इसलिए भारतीय यूजर्स की प्रतिक्रिया काफी होती है, जिससे उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़ जाती है. अगर आपकी चमड़ी मोटी है, तो और भी अच्छा है. यही कारण है कि कई विदेशी क्रिकेटरों ने भारतीय क्रिकेट और क्रिकेटरों के बारे में अपनी ज्यादातर नकारात्मक टिप्पणियों से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को परेशान करके अपनी आजीविका चलाई है.

लगातार शतक लगाकर सरफराज ने चयनकर्ताओं को दिया संदेश

मुंबई को विषम परिस्थितियों से उबारा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय टीम के बल्लेबाज सरफराज खान टीम में वापसी के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं. इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अनदेखे किए गए सरफराज का बल्ला बुची बाबू आमंत्रण टूर्नामेंट में जमकर बोल रहा है और उन्होंने इस प्रतियोगिता में लगातार दो शतक जड़ दिए हैं. मुंबई के लिए खेलते हुए सरफराज ने हरियाणा के खिलाफ 111 रनों की पारी खेली और टीम को विषम परिस्थितियों से उबारा.

सरफराज के दम पर मजबूत स्कोर पर पहुंचा मुंबई : सरफराज की पारी के दम पर ही मुंबई ने हरियाणा के खिलाफ नौ विकेट पर 346 रन बनाए लिए हैं. सरफराज ने इस दौरान छक्का लगाकर 99 गेंदों पर अपना सैकड़ा पूरा किया. वह इससे पहले टीएनसीए एकादश के खिलाफ 138 रन की पारी खेल चुके हैं. इससे पहले, टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने एक समय 84 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे जिसके बाद सरफराज ने 112 गेंद में नौ चौकों और पांच छक्कों से आक्रामक शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया. मुंबई को सलामी बल्लेबाजों दिव्यांश सक्सेना (46) और मुशीर खान (30) ने 69 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई थी, लेकिन इसके बाद टीम ने दोनों सलामी बल्लेबाजों के अलावा प्रग्नेश कंपिलेवार (03) और सूर्यांश शेडगे (01) के विकेट भी जल्दी-जल्दी गंवाए. सरफराज ने इसके बाद पारी को संभाला. तनुष कोटियान (48) और शम्स मुलानी (नाबाद 50) ने भी उपयोगी पारियां खेली.

इस बीच ऋतुराज गायकवाड़ (133 रन, 144 गेंद, 10 चौके, चार छक्के) और अर्शिन कुलकर्णी (146 रन, 190 गेंद, 16 चौके और एक छक्का) के शतक की बदौलत महाराष्ट्र ने हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 440 रन बनाए. हिमाचल की तरफ से प्रिंस ठाकुर ने 144 रन देकर सात विकेट चटकाए.

ब्रीफ न्यूज

विहिप बजरंग दल ने मनाया स्थापना दिवस

जामाडोबा। आजाद नगर में विश्व हिंदू परिषद व बजरंगदल धनबाद महानगर ने संयुक्त रूप से विश्व हिन्दू परिषद का स्थापना दिवस भी बड़े ही धूम धाम से मनाया गया. कार्यक्रम के दौरान जामाडोबा आजाद नगर खंड समिति विस्तार किया गया. बजरंग दल के अमलेश कुमार के नेतृत्व में किया समिति का गठन हुआ. साथ ही बैठक के उपरांत जामाडोबा गणेश पूजा समिति सदस्यों को बजरंग दल में जोड़ा गया . मौके पर जहाँ विश्व हिन्दू परिषद के विभाग सह मंत्री विकाश गिरी, जिलामंत्री आनंद महतो, जिला संयोजक सोनू सिंह, प्रखंड मंत्री सोनू, प्रखंड संयोजक अनुज सिंह, कुंदन , संजय हरि , राजवीर मौजूद रहे. संगठन विस्तार में मुकेश पासवान अध्यक्ष, विक्की उपाध्यक्ष, भीम यादव संयोजक, ऋषि रावत सहसंयोजक, सौरव विद्यार्थी प्रमुख, निखिल गौरक्षा प्रमुख, कुणाल सहमंत्री, दीपक सत्संग प्रमुख, सनी बालोपासना प्रमुख, रोहित विद्यार्थी प्रमुख, मुकेश मिलन केंद्र प्रमुख, रोहित मंडल मंत्री, रुपेश कुमार गौरक्षा प्रमुख और रतन देव कुमार को सुरक्षा प्रमुख बनाकर जय श्री राम उद्घोष किया गया. तत्पश्चात जिला मंत्री, विभाग मंत्री और जिला संयोजक के द्वारा गणेश पूजा पंडाल का उद्घाटन किया गया.

संजीव सिंह के बरी होने पर बांटी गई मिठाइयां

झरिया। झरिया में पूर्व विधायक संजीव सिंह को अदालत से बरी किए जाने की खुशी में बस्ताकोला मंडल अध्यक्ष तरुण राय के नेतृत्व में मिठाइयां बांटी गईं. इस अवसर पर वक्ताओं ने इस फैसले को न्याय की जीत बताया. इस दौरान भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी बप्पी बाउरी, महामंत्री संतोष रवानी, रामदेव शर्मा, उपाध्यक्ष रंजीत दास, मंत्री रूपेश गुप्ता, अल्पसंख्यक मोर्चा के महामंत्री अफजल अंसारी, बबलू अंसारी, ओबीसी मोर्चा के महामंत्री मधेसर चंद्रवंशी, बिपिन मंडल, बिरजू सिंह, पंकज पासवान, नंदू साव, एससी मोर्चा महामंत्री रंजीत दास और अभिजीत बाउरी सहित कई लोग उपस्थित थे.

त्रिपक्षीय वार्ता के बाद कुजामा लोडिंग प्वाइंट पर बंदी खत्म

झरिया। झरिया के कुजामा लोडिंग प्वाइंट पर हिस्सेदारी को लेकर भाकपा माले और बीसीकेयू ने मंगलवार को जिस बंदी का आह्वान किया था, वह बुधवार को एक त्रिपक्षीय वार्ता के बाद वापस ले ली गई. इस वार्ता में आउटसोर्सिंग प्रबंधन, यूनियन के नेता और तिसरा थाना प्रभारी शामिल थे. बीसीकेयू के केंद्रीय सचिव राजेंद्र पासवान ने बताया कि वार्ता में यह फैसला लिया गया है कि जब तक लोडिंग प्वाइंट का मामला हल नहीं हो जाता, तब तक बीसीकेयू की लोडिंग बंद रहेगी. यदि कोई पक्ष जबरदस्ती लोडिंग करने की कोशिश करेगा, तो उस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. अन्य संगठनों की लोडिंग जारी रहेगी.

बाइक की डिक्की तोड़ लाखों के जेवरात चोरी

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ के अखाड़ा चौक स्थित नाज टेलर्स के पास मंगलवार शाम चोरों ने खड़ी बाइक की डिक्की तोड़कर लाखों के जेवरात चोरी कर लिए. जानकारी के अनुसार बबलू वर्मा (पिता नारायण स्वर्णकार), निवासी विष्णुगढ़, अपनी दुकान बागेश्वरी ज्वेलर्स बंद कर घर लौट रहे थे. रास्ते में खरीदारी करने के लिए रुके, तभी मौका पाकर अज्ञात चोरों ने उनकी मोटरसाइकिल की डिक्की तोड़ दी और उसमें रखा बैग लेकर फरार हो गए. बैग में लगभग 1.5 किलो चांदी व करीब 50 ग्राम सोने के जेवरात थे.

जयनगर के पंडालों में विराजे विघ्नहर्ता, श्रद्धा-भक्ति के साथ लगे जयकारे

शुभम संदेश। जयनगर (कोडरमा)

प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में इस वर्ष भी गणेश चतुर्थी का पर्व बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ शुरू हुआ. प्रखंड मुख्यालय स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में बुधवार को पांच दिवसीय श्री गणेश महोत्सव का शुभारंभ हुआ. आचार्य बसंत शास्त्री महाराज एवं उप आचार्य विष्णुकांत शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की. सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ पंडाल प्रांगण में उमड़ पड़ी. महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी नजर आईं, वहीं बच्चों और युवाओं में खास उत्साह देखने को मिला. इस दौरान गणपति बप्पा मोर्या' के गगनभेदी नारों से पूरा इलाका भक्तिमय हो गया. इसी तरह परसाबाद, पवार हाउस डंडाडीह, कन्द्रपड़ीह समेत कई जगहों पर भी पंडाल बनाए गए हैं, जहां गणपति प्रतिमाएं स्थापित कर पूजा-अर्चना हो रही है. साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजन समिति ने विशेष इंतज़ाम किए हैं. पंडालों में वॉलेंटियर और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं. वहीं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रवचन, भजन-कीर्तन आयोजन भी किया जाएगा. सार्वजनिक गणपति पूजा को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष सुनील सिंह, महासचिव सरोज सोनी, कोषाध्यक्ष सूरज सोनी समेत उमेश मोदी, सूरज सिंह, राजा सिंह, धर्मेंद्र सिंह, पप्पू राम, राजेश सिंह, मनीष सिंह, बबलू सिंह, बिट्टू सोनी, रोहित सोनी सहित सैकड़ों महिला-पुरुष सक्रिय रूप से जुटे रहे.

गणपति महोत्सव का आयोजन

मरकच्चो (कोडरमा)। नवयुवक श्रद्धा संघ नवलशाही के द्वारा गणपति महोत्सव का आयोजन किया गया. पूजा पंडाल का उद्घाटन थाना प्रभारी शशिभूषण कुमार ने फीता काटकर किया. गणपति पूजा के दौरान निरंजन पांडेय ने विधि विधान से पूजा कराया. इस दौरान पूजा करने पहुंचे श्रद्धालुओं के पर उप प्रमुख नेहा कुमारी, समाजसेवी शंकर साव, उत्तम अग्रवाल महेश शर्मा, दशरथ यादव, गिरधारी शर्मा, रामदेव साव, मनोज साव, दीपक कुमार, राजू साव, रिंकू साव, स्वपन विश्वास, विजय ठाकुर, लक्ष्मण साव, राहुल कुमार आदि सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद थे.

सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के तहत 12वां जत्था डाडी प्रखंड के रेलीगढ़ा से हुआ रवाना

सांसद मनीष जायसवाल ने तीर्थ यात्रियों के पांव पखार श्रद्धा भाव से रवाना किया

शुभम संदेश। डाडी (हजारीबाग)

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों के लिए संचालित सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के तहत 12वां जत्था डाडी प्रखंड के शिव मंदिर, रेलीगढ़ा से रवाना हुआ. इस जत्थे में कुल 65 तीर्थयात्री शामिल थे, जिनमें 60 तीर्थयात्री और 5 भाजपा कार्यकर्ता थे.

रवानी के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद मनीष जायसवाल ने पांच तीर्थयात्रियों के पाँव पाखरे और पुष्पवर्षा कर उन्हें चार धाम की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं. चार धाम यात्रा में उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थस्थल अयोध्या (राम जन्मभूमि), काशी, प्रयागराज (संगम) और विंध्याचल शामिल हैं. यात्रियों के स्वागत के लिए स्थानीय लोगों ने ताशे की गूंज के बीच जयकारे लगाकर जोरदार स्वागत किया.

सांसद मनीष जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि सनातन धर्म में तीर्थ यात्रा का विशेष महत्व है. अधिकतर बुजुर्गों की तीर्थ स्थलों की यात्रा की इच्छा होती है, लेकिन यात्रा में अनेक बाधाएं आ जाती हैं जिससे उनकी इच्छा पूरी नहीं हो पाती. इस महाअभियान के माध्यम से बुजुर्गों के तीर्थाटन का सपना साकार हो रहा है और उनकी तीर्थ यात्रा की चाह पूरी हो रही है. कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष टुन्नु गोप, अमरेंद्र गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, मांडू विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि द्वारिका सिंह उर्फ़ खोखा सिंह, डाडी भाजपा मंडल अध्यक्ष बसंत प्रजापति सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे. साथ ही मांडू विधानसभा क्षेत्र के सह-सांसद प्रतिनिधि पुरुषोत्तम पांडेय, मीडिया प्रतिनिधि रीमा कुमारी, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, स्थानीय भाजपा नेता और समाजसेवी भी मौजूद थे.

इस आयोजन में तीर्थ यात्रियों के उत्साह और श्रद्धा की भावना देखने को मिली, जिसने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया. सांसद ने कहा कि वे नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों के लिए काम करते रहेंगे और उनकी भलाई के लिए प्रयासरत रहेंगे.

शेफाली गुप्ता बनीं हजारीबाग जिला पर्यावरण समिति की सदस्य

हजारीबाग। ओम आरोहणम संस्था की संस्थापिका और सामाजिक सक्रिय कार्यकर्ता शेफाली गुप्ता को वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा हजारीबाग जिला पर्यावरण समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है. यह चयन उनके पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन में निरंतर सक्रिय योगदान को देखते हुए किया गया है. शेफाली गुप्ता ने इस जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए कहा कि वे अपनी पूरी प्रतिभा और क्षमता से इस दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगी. उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में आम लोगों को जागरूक करने और संकल्पित करने के लिए सार्थक प्रयास करने का भी संकल्प लिया है. उनका यह कदम न केवल हजारीबाग क्षेत्र में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा, बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव लाने में मददगार साबित होगा. शेफाली गुप्ता का चयन उनके निरंतर सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यों का प्रमाण है. इस अवसर पर उनके समर्थकों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं. शेफाली गुप्ता की यह पहल हजारीबाग क्षेत्र के लिए प्रेरणा स्रोत है और उम्मीद है कि वे इस नई भूमिका में अपनी सक्रिय भागीदारी से पर्यावरण संरक्षण के लिए नए आयाम स्थापित करेंगी.

राजद हंटरगंज में प्रखंडस्तरीय कमेटी विस्तार को लेकर विचार-विमर्श, पार्टी मजबूती पर जोर

शुभम संदेश। चतरा

हंटरगंज (चतरा) में राजद के प्रखंड कार्यालय पानी टंकी स्थित स्थल पर बुधवार को प्रखंड अध्यक्ष अशोक कुमार यादव के नेतृत्व में प्रखंड स्तरीय कमेटी विस्तार को लेकर कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता अशोक यादव ने की जबकि संचालन संतोष यादव ने संभाला. इस बैठक का मुख्य उद्देश्य बूथ से लेकर प्रखंड स्तर तक संगठन को मजबूत बनाना था.

अशोक यादव ने बताया कि पार्टी के निर्देशानुसार प्रखंड और बूथ स्तर पर कमेटी गठन का काम जारी है. उन्होंने कहा कि सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन विस्तार और पार्टी की मजबूती पर विशेष ध्यान दिया गया है. यादव ने बताया कि राजद समाजवादी विचारधारा की पार्टी है, जो दलित, शोषित और वंचित वर्गों को सम्मान और अधिकार दिलाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है. उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे आगामी 31 अगस्त को होने वाली प्रखंड स्तरीय कमेटी विस्तार बैठक में सक्रिय भागीदारी करें. बैठक में सुरेश पासवान, रनु दास, छोटू यादव, निर्मल यादव, शिवनंदन प्रजापति, प्रमोद भोक्ता, विजय यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे. इस बैठक के जरिए राजद ने स्थानीय स्तर पर अपनी जड़ें मजबूत करने और व्यापक संगठन विस्तार के साथ राजनीतिक मजबूती हासिल करने का संकल्प दोहराया है.

बिजली विभाग की लापरवाही से एक सप्ताह से अंधेरे में डूबे कई गांव, एसडीओ का असंवेदनशील रवैया

शुभम संदेश। सिमरिया (चतरा)

प्रखंड के डाड़ी, पुंडरा, एदला, मुर्वे समेत कई गांवों में बीते एक सप्ताह से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है. बिजली विभाग की घोर लापरवाही के कारण ग्रामीण अंधेरे में जीने को मजबूर हैं. मोबाइल चार्ज तक नहीं हो पाने से लोग शहरों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं. वहीं, घरों में अंधेरा और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है.

सबसे गंभीर मामला डाड़ी स्कूल के पास रहने वाले दिवाली महतो के घर का है, जहां 11 हजार वोल्ट का नग्न तार सीधे उनके छत से होकर गुजर रहा था. तीन दिन पूर्व वह तार टूटकर सीधे छत पर गिर गया, जिससे आग की चिंगारियां उठने लगीं. गनीमत रही कि घरवाले समय रहते बाहर निकल गए और कोई बड़ा हादसा टल गया. दिवाली महतो ने साफ कहा है कि जब तक तार को कभर कर सुरक्षित नहीं किया जाएगा, वे छत से तार नहीं गुजरने देंगे.

यह कोई पहली घटना नहीं है. ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जहां छतों से नग्न तार गुजारे गए हैं, जिससे कई लोग घायल हुए हैं और कुछ ने जान भी गंवाई है. विभाग की ओर से सिर्फ अस्थायी तौर पर तार जोड़कर बिजली बहाल करने का प्रयास किया जाता है, जो बार-बार फेल हो रहा है. जब इस संबंध में एसडीओ सत्यदेव कुमार यादव से बात की गई तो उन्होंने असंवेदनशीलता दिखाते हुए कहा, अभी 24 घंटे और बिजली नहीं मिलेगी. उनके इस बयान से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है. सवाल यह है कि क्या इस एक सप्ताह की बिजली कटौती के बदले लोगों का बिल माफ किया जाएगा? क्या विभाग के पास कभर तार की कमी है या सुधार की इच्छाशक्ति ही नहीं है?

ग्रामीणों की मांग है कि बिजली विभाग जल्द से जल्द नग्न तारों को कभर कर सुरक्षित आपूर्ति बहाल करे, अन्यथा आंदोलन की चेतावनी दी गई है.

कलाकारों ने बप्पा का स्वागत किया खुशी और उमंग के साथ

हजारीबाग। हर साल की तरह इस बार भी आपके पसंदीदा एंडटीवी कलाकारों ने गणेश चतुर्थी को बड़ी श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया. सभी ने बप्पा का घर में स्वागत किया ढेर सारा प्यार, प्रार्थना और खास तैयारियों के साथ. पारस अरोड़ा, यानी घरवाली पेड़वाली के जीतू कहते हैं "हमने बप्पा को डेढ़ दिन के लिए घर बुलाया है और परिवार में उत्साह का ठिकाना नहीं है.

महिला चिकित्सक पर आरोपों से मामला गरमाया

- चतरा में पत्रकारों की आवाज दबाने का प्रयास

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की महिला चिकित्सक डॉ. अर्चना मधुर पर पत्रकारों की आज़ादी को दबाने का आरोप लगा है. इलाज में लापरवाही और मरीजों से अभद्रता की खबर प्रकाशित होने के बाद डॉ. मधुर ने वरिष्ठ पत्रकारों विजय शर्मा (प्रभात खबर) और अशोक पांडेय (दैनिक भास्कर) के खिलाफ इटखोरी थाना में आवेदन दिया, जिसमें उन्होंने सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाया. इस कदम की चतरा प्रेस क्लब अध्यक्ष सुनिल कश्यप ने कड़ी निंदा की है और इटखोरी में पत्रकारों ने डॉक्टर के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया. मामला तब और गंभीर हो गया जब अनुसूचित जाति-जनजाति (एसटी) समुदाय के कई मरीजों ने डॉ. अर्चना पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल, अभद्रता और इलाज से इनकार करने के आरोप लगाए.

एक नजर

डीपीएस के छात्रों का 'इंफ्रादेव'वर्ल्ड रोबोट ओलंपियाड नेशनल राउंड में चयनित

बोकारो। डीपीएस बोकारो के 12वीं कक्षा के दो छात्रों, सर्वज्ञ सिंह और आदित्य कुमार भक्ता ने 'इंफ्रादेव' नामक एक अभिनव प्रोजेक्ट बनाया है. यह एक एआई-आधारित तकनीक है, जो भवनों और पुलों में दरारों का पता लगाकर दुर्घटनाओं को रोकने में मदद करेगी. इस प्रोजेक्ट ने वर्ल्ड रोबोट ओलंपियाड (डब्ल्यूआरओ) इंडिया 2025 के क्षेत्रीय स्तर पर सफलता हासिल की है. अब इसे आगामी 5-6 सितंबर को हैदराबाद में होने वाले राष्ट्रीय स्तर के ओलंपियाड के लिए चुना गया है. सर्वज्ञ के अनुसार, झारखंड से एकमात्र यही प्रोजेक्ट नेशनल के लिए चयनित हुआ है. छात्रों ने बताया कि उन्होंने यह प्रोजेक्ट इमारतों और पुलों के गिरने की घटनाओं से प्रेरित होकर बनाया है, जिनमें जानमाल का भारी नुकसान होता है. इस प्रोटोटाइप को बनाने में उन्हें लगभग दो महीने का समय और ₹10,000 का खर्च लगा. विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने छात्रों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया.

खिलाड़ियों ने गतका प्रतियोगिता में जीते 11 पदक

बोकारो। डीपीएस चास के खिलाड़ियों ने झारखंड गतका एसोसिएशन द्वारा 'क्रेडो वर्ल्ड स्कूल', धनबाद में 23 और 24 अगस्त 2025 को आयोजित तृतीय झारखंड गतका प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण, 2 रजत और 8 कांस्य पदक सहित कुल 11 पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है. इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पूरे झारखंड से 400 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया था. जिसमें रिया कुमारी (कक्षा 9) - अंडर-14, सिंगल सोती व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक, रुद्र (कक्षा 5) - अंडर-11, रिशु राज सिंह (कक्षा 9) - अंडर-17, सिंगल सोती में रजत पदक, अनमोल कुमार, विवेक महतो, प्रखर प्रत्यूष और वैभव राज (कक्षा 9) - अंडर-17, सिंगल सोती टीम स्पर्धा और रिषभ देव, राज आर्यन, कुमार अक्षत और जयप्रकाश नारायण (कक्षा 9) - अंडर-17, फेरी सोती टीम स्पर्धा में कांस्य पदक प्राप्त किया. इन सभी खिलाड़ियों का चयन अब राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हो गया है. विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन और निदेशिका/प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने विजेता छात्रों को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी.

अतिक्रमण हटाने के लिए अंचलाधिकारी ने की बैठक, दुकानदारों को दी चेतावनी

पथरगामा। पथरगामा प्रखंड प्रशासन ने मुख्य सड़क को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए एक अभियान चलाने का फैसला किया है. इसी संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी और प्रभारी अंचलाधिकारी नितेश कुमार गौतम ने स्थानीय दुकानदारों के साथ एक बैठक की. प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी कीमत पर सड़क के किनारे अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा. दुकानदारों, ठेले वालों और फुटपाथ पर सामान सजाने वालों को यह जानकारी दी गई है कि वे समय रहते अपना सामान हटा लें. यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो प्रशासन को सख्त कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा. यह कार्रवाई 1 सितंबर से शुरू होगी और कलाली मोड़ से सोनारचक मोड़ तक सड़क किनारे के सभी अतिक्रमणों पर लागू होगी. सभी संबंधित व्यक्तियों से 31 अगस्त तक स्वयं अतिक्रमण हटाने का आग्रह किया गया है. निर्धारित तिथि के बाद यदि प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाया जाता है, तो संबंधित व्यक्ति से नियमों के अनुसार शुल्क भी वसूला जाएगा. यह निर्णय जनहित और सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए लिया गया है. प्रशासन ने सभी से सहयोग करने और कानूनी कार्रवाई से बचने की अपील की है. बैठक में व्यापारी, फल और सब्जी विक्रेता, फुटपाथ के दुकानदार और प्रखंड के कर्मचारी उपस्थित थे.

भाजपा प्रवक्ता ने 'रिम्स 2' के लिए गिरिडीह को बताया उपयुक्त

गिरिडीह। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विजय चौरसिया ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर 'रिम्स 2' का निर्माण गिरिडीह में करवाने का आग्रह किया है. उन्होंने कहा कि गिरिडीह की दयनीय स्वास्थ्य व्यवस्था को देखते हुए यह कदम उठाना बेहद जरूरी है. चौरसिया ने बताया कि 25 लाख से अधिक आबादी वाले इस जिले के लोगों को इलाज के लिए रांची या धनबाद जाना पड़ता है, जिससे समय पर इलाज न मिलने के कारण कई बार मरीजों की मौत हो जाती है. उन्होंने कहा कि गिरिडीह में सरकारी भूमि की कोई कमी नहीं है और यहां रिम्स 2 बनने से आसपास के जिलों के मरीजों का भी बोझ कम होगा. उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा स्वास्थ्य एवं आपदा मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, नगर विकास एवं पर्यावरण मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी और गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन को भी इस संबंध में पत्र लिखा है और आगे उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर बात रखने का भी प्रयास करेंगे.

धनबाद बार के प्रत्याशी ने महुदा के अधिवक्ताओं से मांगा समर्थन

महुदा। महुदा में क्षेत्र के अधिवक्ताओं की एक बैठक हुई, जिसमें धनबाद बार एसोसिएशन के महासचिव पद के प्रत्याशी और वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र कुमार मुख्य रूप से शामिल हुए. उन्होंने धनबाद बार के हित में क्षेत्र के अधिवक्ताओं से अपना समर्थन देने की अपील की. बैठक में उपस्थित अधिवक्ताओं ने फूल-माला पहनाकर उनका स्वागत किया और उन्हें समर्थन देने का आश्वासन दिया. इस मौके पर निर्मल कुमार रवानी, सुखदेव महतो, राजू कुमार प्रमाणिक, दामोदर महतो, मुकुंद महतो, सोमन पांडे, प्रदीप पांडे, मूलचंद महतो, अरविंद रजवार, राहुल पटवारी, इस्लाम अंसारी, कृष्णा प्रसाद महतो, हैजुन अंसारी, काशी महतो, पंकज सिंह सहित एक दर्जन से अधिक अधिवक्ता मौजूद थे.

गणेश चतुर्थी पर चासनाला और सिंदरी में गणेश पूजा का शुभारंभ

चासनाला। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर बुधवार को डिगवाडीह के 10 नंबर स्थित और सिंदरी के टी.ओ.पी. मैदान में गणेश पूजा का भव्य शुभारंभ किया गया. इस मौके पर पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. डिगवाडीह में 37 वर्षों से आयोजित हो रही गणेश पूजा इस बार भी धूमधाम से मनाई जा रही है. पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि यहां भव्य पंडाल बनाकर 15 दिनों तक चलने वाले मेले का आयोजन किया जाता है. यह मेला पूरे धनबाद जिले में काफी प्रसिद्ध है, जहाँ हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं. वहीं, सिंदरी के टी.ओ.पी. मैदान में 15 वर्षों से लगातार गणेश पूजा का आयोजन हो रहा है. समिति के सदस्यों ने इसे आस्था का केंद्र बताया. दोनों जगहों पर नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं ने अपनी मनोकामना पूरी होने की खुशी में गणपति बप्पा को 11 किलो का विशाल लड्डू चढ़ाया.

सांसद ढुल्लू महतो ने घायल मुखिया पति शंकर बेलदार से की मुलाकात

बाघमारा। पिछले सोमवार को डुमरा बीसीसीएल क्षेत्रीय कार्यालय के पास गोलीबारी में घायल हुए मांद्रा के मुखिया पति शंकर बेलदार से बुधवार को धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने अस्पताल पहुँच कर मुलाकात की. शंकर का इलाज अभी धनबाद के एसजेएएस हॉस्पिटल में चल रहा है. सांसद महतो ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की और डॉक्टरों से उनके बेहतर इलाज का आग्रह किया. उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भी आश्वासन दिया. शंकर बेलदार पर हुए हमले के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है. पुलिस ने शंकर के बयान के आधार पर विशु चक्रवर्ती, अभय पासवान, विमल पासवान और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. घटना के तीन दिन बाद भी, बरोरा क्षेत्रीय कार्यालय में खून के धब्बों को बीसीसीएल के गार्डों द्वारा बैरिकेड लगाकर सुरक्षित रखा गया है, जिससे वहां आने-जाने वालों को असुविधा हो रही है. गार्डों ने बताया कि बाहर से एक विशेष जांच टीम आने वाली है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.

सीएमएसआई की बैठक में प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन का निर्णय

निरसा बाजार। ईसीएल के मुगमा क्षेत्र में सेंट्रल पुल साइडिंग पर सीएमएसआई मुगमा क्षेत्रीय कमेटी की बैठक जयदेव पात्रो की अध्यक्षता में हुई. इस बैठक में मजदूरों की विभिन्न समस्याओं और प्रबंधन के मजदूर विरोधी रवैये के खिलाफ आंदोलन करने का फैसला लिया गया. इसके बाद, मजदूरों ने प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन भी किया. बैठक के दौरान, ईसीएल सेंट्रल पुल शाखा कमेटी और असंगठित मजदूरों की अलग-अलग कमेटियों का गठन किया गया.

पेज-तीन का शेष

नीरज हत्याकांड में संजीव सिंह समेत ....

तारीख दर तारीख हत्या से फैसले तक का सफर

0 6 सितंबर 17 डब्लू समेत चारों शूटर का डीएनए टेस्ट के लिए लिया गया बल्ड सैंपल

16 सितंबर 17 पंकज सिंह ने किया सुल्तानपुर कोर्ट मे सरेंडर

19 सितंबर 17 शूटर सोनू ऊर्फ कुर्बान , शिबू ऊर्फ सागर , सतीश उर्फ रोहित उर्फ चंदन एवं रेकी करने वाले विनोद सिंह पर चार्ज सीट

20 सितंबर 17 पंकज के विरूद्ध प्रोडक्शन वारंट

20 सितंबर 17 विधायक संजीव की बेल जज कोर्ट ने की खारिज

22सितंबर 17 विनोद सिंह की बेल सीजीएम ने की खारिज

25 सितंबर 17 पंकज सिंह गया धनबाद जेल

0 4 अक्टूबर 17 पंकज का पुलिस ने लिया रिमांड

17 अक्टूबर17पंकज .डब्लू .अमन .रोहित .शिबू .सोनू के विरूद्ध 50/17 मे चार्जशीट

17 अक्टूबर 17 पंकज के विरूद्ध चार्जशीट दायर

31अक्टूबर सभी पर संज्ञान

24 जनवरी 18 धनजी का डिस्चार्ज खारिज

14 फरवरी 18 संजय सिंह का डिस्चार्ज खारिज

14 फरवरी 18 विधायक संजीव को रांची से धनबाद जेल लाने का आदेश

16 फरवरी 18 हाईकोर्ट ने संजीव के बेल पर मांगी केस डायरी

28 फरवरी 18संजीव धनबाद जेल शिफ्ट

14 मई 18 संजीव ने ली उच्च न्यायालय से जमानत अर्जी वापस खारिज

0 1 सितंबर 18 अमन सिंह का डिस्चार्ज खारिज

0 7 सितंबर 18 डब्लू मिश्रा ,पींटू सिंह का डिस्चार्ज खारिज

0 7 सितंबर 18 लंभुआ निवासी पंकज सिंह , कथित शूटर कुर्बान अली ऊर्फ सोनू,रोहित सिंह ऊर्फ चंदन सिंह ऊर्फ सतीश ,सागर सिंह ऊर्फ शिबू एवं लाईजनर की भूमिका निभाने वाले झरिया निवासी विनोद सिंह पर आरोप तय

05 नवंबर 18 संजय ,पींटू ,धनजी की जमानत उच्च न्यायालय से खारिज

27 नवंबर 18 शूटर सागर गिरीडीह एवं पंकज होटवार जेल शिफ्ट

29 नवंबर 18 विधायक संजीव का डिस्चार्ज आवेदन खारिज

0 3 जनवरी 2019 विधायक संजीव सिंह ,पींटू सिंह ,संजय सिंह ,धनजी सिंह , डब्लू मिश्रा, अमन सिंह , पर हुआ आरोप तय

19 जनवरी 19 पींटू सिंह की जमानत सुप्रीम कोर्ट से खारिज

28 जनवरी 19 गवाह राजू सिंह ऊर्फ यशवंत व अनूप पासवान का बयान दर्ज

29 जनवरी 19 एकल्वय का बयान दर्ज

30 जनवरी 19 चश्मदीद निखलेश सिंह का बयान दर्ज

02 फरवरी 19 चश्मदीद अनिल सिंह का बयान दर्ज

0 7 फरवरी 19 विधायक संजीव की बेल हाईकोर्ट से खारिज

15 फरवरी 19 चश्मदीद आदित्य राज का बयान दर्ज

16 फरवरी 19 चश्मदीद राकेश कुमार का बयान दर्ज

16 फरवरी 19 गवाह पप्पू यादव का बयान दर्ज

18 फरवरी 19 गवाह मो नईमुद्दीन का बयान दर्ज

18 फरवरी 19 गवाह शंकर साव का बयान दर्ज

18 फरवरी 19 गवाह विनोद साह का बयान दर्ज

12 जून 19 रिंकू सिंह को यूपी पुलिस लेकर आई धनबाद

13 जून19 रिंकू सिंह गया जेल

12 सितंबर 19 रिंकू के विरूद्ध पुलिस ने सौंपा चार्जशीट

04 दिसंबर 19 रिंकू सिंह के विरूद्ध आरोप तय

17 अक्टूबर 20 शुटर अमन समेत अन्य विभिन्न जेलों में किए गए शिफ्ट

21 फरवरी 21 संजीव दुमका जेल शिफ्ट

25 फरवरी 21 अधिक्षक को फटकार वापस धनबाद जेल लाने का आदेश

21 जून 21 संजीव सिंह की जमानत खारिज

30 जून 21 पींटू सिंह की जमानत खारिज

25 जनवरी 22 अभियोजन साक्ष्य बंद

24 मार्च 22 चश्मदीद आदित्य एवं एकलव्य को गवाही के लिए फिर से बुलाने की अर्जी हाईकोर्ट से खारिज

05 अप्रैल 22 आरोपियों का सफाई बयान दर्ज

07 मई 22 अमन सिंह दुमका जेल किया गया शिफ्ट

14 जुलाई एवं 15 जुलाई 22 को आरोपियों का सफाई बयान दर्ज

0 3 दिसंबर 23 अमन सिंह की चंद्रपुरा बोकारो निवासी सुंदर महतो ने जेल के अंदर गोली मारकर की हत्या सात गोली मारी गई

22 जनवरी 23 रिंकू सिंह को मिली जमानत

21 दिसंबर 23 रिंकू सिंह का बंध पत्र खारिज गिरफ्तार करने का आदेश

05 अगस्त 24 पिंटू सिंह को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

04 मार्च 25 धनजी व पंकज सिंह को मिली जमानत

0 8 अगस्त 25 संजीव सिंह को मिली सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

13 अगस्त 25 बहस पूरी मुकदमा जजमेंट के लिए निर्धारित

20 अगस्त 25 अपर लोक अभियोजक व अनुसंधान के विरूद्ध दर्ज कराया शिकायत

फर्जी दस्तावेज दाखिल करने का आरोप लगाते हुए की कार्रवाई की मांग

27 अगस्त 25- वारदात के सारे नामजद अभियुक्त रिहा

न्यूज अपडेट

ओडिशा में युवती का अपहरण कर छह महीने तक किया सामूहिक दुष्कर्म

बालासोर । ओडिशा के बालासोर जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है. पुलिस के अनुसार, 23 वर्षीय युवती का अपहरण कर छह महीने तक कई लोगों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया. पीड़िता ने बताया कि मई में उसके ही इलाके का एक व्यक्ति उसे अपहरण कर मयूरभंज जिले के बारिपदा ले गया, जहां उसे बंदी बनाकर रखा गया. युवती ने हाल ही में किसी तरह भागकर भोगराई थाने में शिकायत दर्ज कराई. थाना प्रभारी रोहित कुमार बाल ने बताया कि इससे पहले युवती की मां ने 3 मार्च को शिकायत की थी कि बेटी घर से सोने-चांदी के जेवरात लेकर एक युवक के साथ भाग गई. इसी आधार पर पहले केस दर्ज हुआ था.

केरल हाईकोर्ट ने एडीजीपी के खिलाफ संपत्ति मामले की कार्यवाही रोकी

केरल । केरल हाईकोर्ट ने बुधवार को एडीजीपी एम.आर. अजीत कुमार के खिलाफ चल रही आय से अधिक संपत्ति (डीए) शिकायत की कार्यवाही पर रोक लगा दी. न्यायमूर्ति ए. बादरुद्दीन ने यह अंतरिम आदेश अजीत कुमार की याचिका पर दिया, जिसमें उन्होंने विशेष सतर्कता अदालत के 14 अगस्त के आदेश को चुनौती दी थी. विशेष अदालत ने इससे पहले सतर्कता विभाग द्वारा दी गई क्लीन चिट को खारिज कर दिया था और कहा था कि मामले में प्रथमदृष्टया आगे बढ़ने के पर्याप्त आधार हैं. अदालत ने शिकायतकर्ता और गवाहों की जांच करने का निर्णय भी लिया था. हाईकोर्ट ने फिलहाल कार्यवाही पर 12 सितंबर तक रोक लगा दी है. अगली सुनवाई उसी दिन होगी. विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं है.

असम में 11 करोड़ रुपये की अवैध मॉर्फिन जब्त, दो लोग गिरफ्तार

नयी दिल्ली । असम के करबी आंगलोंग जिले में पुलिस ने 11 करोड़ रुपये की अवैध मॉर्फिन जब्त की है. पुलिस ने बुधवार को बताया कि मंगलवार रात असम-नगालैंड सीमा के पास डिलाई इलाके के 6 माइल क्षेत्र में गश्त के दौरान एक ट्रक को रोका गया. तलाशी में चालक की सीट के पीछे से 10.71 किलो मॉर्फिन बरामद की गई. पुलिस ने मौके से ट्रक में सवार दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जिन्हें अवैध नशीले पदार्थों का सप्लायर माना जा रहा है. अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है. इस बरामदगी के बाद पुलिस जांच कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ कहां से लाया गया और कहां सप्लाई होना था.

केरल में शिक्षिका पर ओणम को लेकर कथित नफरत भरे बयान का केस

त्रिशूर । केरल के त्रिशूर जिले में एक निजी स्कूल की शिक्षिका पर ओणम त्योहार से जुड़े कथित नफरत भरे बयान को लेकर केस दर्ज किया गया है. पुलिस के अनुसार, यह मामला डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया की शिकायत पर दर्ज किया गया. शिकायत में कहा गया है कि शिक्षिका ने हाल ही में स्कूल से जुड़े व्हाट्सएप ग्रुप में वॉयस मैसेज पोस्ट कर लिखा कि संस्थान में ओणम मनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह 'दूसरे धर्म का त्योहार' है. पुलिस ने बताया कि शिक्षिका के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 192 (दंगे की नीयत से भड़काने वाला उकसावा) के तहत केस दर्ज किया गया है.

पश्चिमी त्रिपुरा में चार पिस्तौल और सात मैग्जीन बरामद, पुलिस कर रही जांच

त्रिपुरा । त्रिपुरा के पश्चिमी त्रिपुरा जिले में पुलिस ने चार पिस्तौल और सात मैगजीन बरामद की हैं. पुलिस अधीक्षक नमित पाठक ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार रात माध्यपारा इलाके में एक घर पर छापेमारी की गई. अमताली थाना क्षेत्र में की गई इस कार्रवाई के दौरान हथियार बरामद हुए. यह घर कुख्यात अपराधी दीपंकर सेन का है, जिस पर पहले से कई मामले दर्ज हैं. सेन फिलहाल जेल में है और पहले भी अवैध हथियारों के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है. जब्त किए गए हथियारों को जांच के लिए फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेजा गया है. पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये हथियार स्थानीय आपराधिक नेटवर्क के लिए थे या फिर किसी बड़े तस्करी गिरोह का हिस्सा थे.

सड़क हादसे में घायल आंध्र प्रदेश के अतिरिक्त एसपी का निधन

नयी दिल्ली । आंध्र प्रदेश पुलिस के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) केडीएमवी आर प्रसाद का बुधवार को हैदराबाद में निधन हो गया. वे पिछले महीने एक सड़क हादसे में घायल हुए थे और अस्पताल में इलाज करा रहे थे. 56 वर्षीय प्रसाद 26 जुलाई को हैदराबाद के पास चौटुप्पल में हुए हादसे में घायल हुए थे, जबकि उस कार में सवार दो डीएसपी की मौके पर मौत हो गई थी. पुलिस ने बताया कि हादसा तब हुआ जब विजयवाड़ा से हैदराबाद जा रही कार अचानक सामने चल रहे वाहन से टकराने से बचने के लिए रोड डिवाइडर से टकरा गई. इसके बाद कार सड़क के दूसरी ओर जा गिरी और वहां से आ रही दूसरी गाड़ी से टकरा गई. दुर्घटना में प्रसाद और एक हेड कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गए थे.

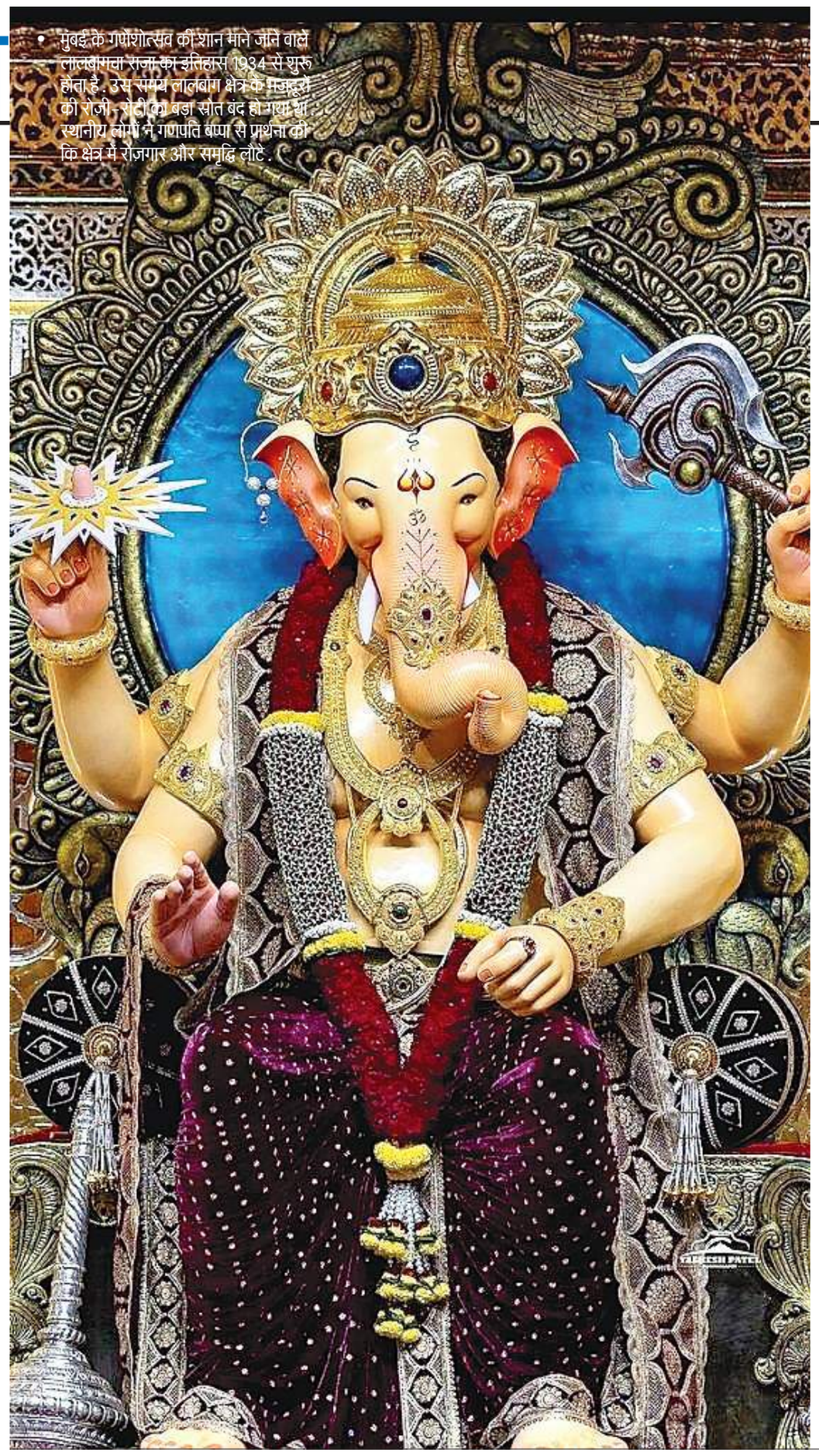

• मुंबई के गणेशोत्सव की शान माने जाने वाले लालबागचा राजा का इतिहास 1934 से शुरू होता है. उस समय लालबाग क्षेत्र के मजदूरों की रोजी-रोटी का बड़ा स्रोत बंद हो गया था. स्थानीय लोगों ने गणपति बप्पा से प्रार्थना की कि क्षेत्र में रोज़गार और समृद्धि लौटे.

वैष्णो देवी यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड से बड़ी तबाही, 34 लोगों की मौत

एजेंसी । नयी दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से हालात बिगड़े हैं. कटरा स्थित माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर बुधवार को हुए बड़े भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई और 23 लोग घायल हुए हैं. कई जगहों पर भूस्खलन के बाद मलबा जमा होने और पत्थर गिरने से जम्मू-कटरा राजमार्ग बंद हो गया है. भारी बारिश के कारण नॉर्दर्न रेलवे ने बुधवार को 22 ट्रेनें रद्द कर दीं और 27 ट्रेनों को शॉर्ट-टर्मिनेट किया. इनमें वैष्णो देवी बेस कैंप से चलने वाली 9 ट्रेनें भी शामिल हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन घटनाओं पर दुख जताया. एक एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा, ₹श्री माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर हुए भूस्खलन के कारण हुई जनहानि दुखद है. मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं. घायल जल्द से जल्द स्वस्थ हों. प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है.

बचाव अभियान जारी : बीते दिन त्रिकूट पहाड़ी पर स्थित मंदिर के मार्ग का बड़ा हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया था. बचाव अभियान जारी है और आशंका है कि मलबे के नीचे और लोग फंसे हो सकते हैं. लगातार बारिश ने जम्मू-कश्मीर में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पैदा कर दी है. जम्मू में पुल ढह गए, बिजली लाइनों और मोबाइल टावरों को भारी नुकसान पहुंचा. मंगलवार को सुबह 11.30 बजे से शाम 5.30 बजे के बीच जम्मू में 6 घंटे में 22 सेंटीमीटर बारिश हुई. हालांकि आधी रात के बाद बारिश में कमी आई, जिससे जिले को थोड़ी राहत मिली. इस बीच, मंगलवार तक लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ और जलभराव से 3,500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया. राहत कार्य जिला प्रशासन, जेके पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, भारतीय सेना और स्थानीय वॉलंटियर्स की संयुक्त टीमों द्वारा चलाया जा रहा है. प्रभावित लोगों को अस्थायी शेल्टर्स में खाना, साफ पानी और मेडिकल सहायता दी जा रही है. वैष्णो देवी धाम के रास्ते पर भूस्खलन की घटना में जान गंवाने वालों में 9 लोगों की पहचान नहीं हो पाई है हालांकि, केंद्रशासित प्रदेश के कई हिस्सों में टेलीकॉम ब्लैकआउट हो गया है, जिससे लाखों लोग संपर्क से बाहर हैं. प्रशासन का ध्यान हाई-रिस्क इलाकों से लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने पर है. जम्मू शहर, आरएसपुरा, सांबा, अखनूर, नगरोता, कोट भलवाल, बिश्नाह, विजयपुर, पुरमंडल, कठुआ और ऊधमपुर. वहीं रियासी, रामबन, डोडा, बिलावर, कटरा, रामनगर, हीरानगर, गूल और बनिहाल में हल्की बारिश हो रही है.

पीड़ितों की हर संभव मदद करें : खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर कहा कि जम्मू और कश्मीर के माता वैष्णो देवी मार्ग पर भारी बारिश व भूस्खलन से 32 लोगों की मृत्यु का समाचार बेहद दु:खद है. मैं सभी पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर समेत देश के कई राज्य-अरुणाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश भारी बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति की चपेट में हैं.खरगे ने कहा कि हिमाचल की हमारी कांग्रेस सरकार और प्रशासन की टीमें पूरी तत्परता के साथ राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हैं. इस मुश्किल स्थिति में मैं इन सभी राज्यों के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपेक्षा करता हूं कि वो पीड़ितों की हर संभव मदद करें.

मैंने पीएम और गृहमंत्री से बात की : एलजी

कटरा-जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, ₹यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है. कल दोपहर बादल फटने के कारण यात्रा बंद कर दी गई थी, लेकिन अर्थकुंवारी के पास बादल फटने के कारण कई लोग पानी के बहाव में बह गए. कई अनमोल जानें चली गईं और कई घायल हुए. मैंने घायलों से मुलाकात की है, उनकी हालत स्थिर है और उन्हें उचित उपचार दिया जा रहा है. कई मृतकों की पहचान हो गई है और उनके शव को घर भेजने की व्यवस्था की जा रही है. मृत्यु के लिए कोई मुआवजा नहीं है, लेकिन श्राइन बोर्ड की नीति के अनुसार 5 लाख रुपये दिए जाते हैं, आपदा प्रबंधन भी मृतकों के परिजनों को 4 लाख रुपये देगा... मैंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से बात की है. प्रशासन राहत और बचाव कार्य में पूरी तत्परता से लगा हुआ है.

निचले इलाकों में पानी कम होने लगा : सीएम अब्दुल्ला

सीएम अब्दुल्ला ने कहा कि थोड़ी राहत मिली है क्योंकि बारिश लगभग थम गई है. निचले इलाकों से पानी कम होने लगा है. आपदा से हुआ नुकसान आपके सामने है. 2014 में भी इसी पुल का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ था.

श्रीलंका के पूर्व पुलिस अधिकारी को तीन साल बाद मिली जमानत, जेल से रिहा

कोलंबो । देश के पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी देशबंधु तेनाकून लगभग तीन साल बाद आज जेल से रिहा कर दिए गए. तेनाकून को 9 मई, 2022 को गॉल फेस में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था. कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट निलुपुली लंकापुरा ने उन्हें सशर्त जमानत देते हुए उनकी यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है. डेली मिरर अखबार की खबर के अनुसार पूर्व कार्यवाहक पुलिस महानिरीक्षक तेनाकून को डुम्बारा जेल से जूम के जरिए अदालत में पेश किया गया. अदालत ने जमानत आदेश में स्पष्ट किया कि तेनाकून इस मामले में 33वां संदिग्ध नहीं, बल्कि 37वां संदिग्ध है. 33वां संदिग्ध लियानाद मेंडिस है. श्रीलंका के उच्चतम न्यायालय ने 14 दिसंबर, 2023 को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए देशबंधु तेनाकून को यातना के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया था. इसके बाद उनकी नियुक्ति के खिलाफ दायर नौ मौलिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने अंतरिम आदेश जारी करके तेनाकून को कार्यवाहक पुलिस महानिरीक्षक के रूप में कार्य करने से रोक दिया था. याचिकाओं में देशबंधु पर ईस्टर संडे नरसंहार और मई 2022 में 'गोटागोगामा' विरोध स्थल पर हुई घटनाओं के संबंध में उनकी चूक के आरोप लगाए गए थे.

बांग्लादेश व द. कोरिया ने रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर सहमति जताई

एजेंसी । ढाका (बांग्लादेश)

बांग्लादेश और दक्षिण कोरिया ने अपने मौजूदा राजनीतिक और विकासात्मक संबंधों को और गहरा करने पर सहमति जताई है. साथ ही रणनीतिक साझेदारी के अवसर भी तलाशे हैं. बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों देशों ने यह सहमति कल सियोल में आयोजित विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) के चौथे दौर के दौरान जताई. बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार की खबर में आज यह जानकारी दी गई. द डेली स्टार के अनुसार, विदेश मंत्रालय के सचिव (द्विपक्षीय-पूर्व और पश्चिम) डॉ. नजरुल इस्लाम ने बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल और कोरियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्रालय के प्रथम उपमंत्री पार्क यूनजू ने किया. दक्षिण कोरिया 1.3 बिलियन डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के साथ बांग्लादेश का पांचवां सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रदाता है. सैमसंग सहित 200 से अधिक कोरियाई कंपनियों की बांग्लादेश में महत्वपूर्ण उपस्थिति है. दक्षिण कोरिया में लगभग 20,000 बांग्लादेशी नागरिक रहते हैं. इनमें से अधिकांश प्रवासी कामगार और उनके परिवार हैं.

यूपी में बाढ़ का कहर : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बाढ़ के बीच छोटा बघाड़ा क्षेत्र का हवाई नजारा.

गृहमंत्री ने 'ऑपरेशन महादेव' के जवानों को किया सम्मानित

नई दिल्ली । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल के उन जवानों से भेंट की और उन्हें सम्मानित किया, जिन्होंने हाल ही में सफलतापूर्वक 'ऑपरेशन महादेव' को अंजाम देते हुए पहलगाम हमले के आतंकियों का सफाया किया. शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और देश की जनता की ओर से सुरक्षा बलों को यह सम्मान दिया जा रहा है, जिन्होंने देशवासियों के मन में सुरक्षा का विश्वास और अधिक मजबूत किया है. जिस समय कश्मीर में पर्यटन अपने चरम पर था, उसी दौरान आतंकियों ने पहलगाम हमले के जरिये 'कश्मीर मिशन' को पटरी से उतारने की असफल कोशिश की.

जयशंकर के तीखे जवाब से यूएस दंग, ट्रंप के वित्त मंत्री बोले

भारत दुनिया का बड़ा लोकतंत्र अंत में हम हो लेंगे साथ

वाशिंगटनः भारत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से बुधवार से 50 फीसदी टैरिफ लागू कर दिए जाने से दोनों देशों के रिश्तों में काफी ज्यादा तल्खी आ गई है। इस बीच भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के एक बयान ने अमेरिका में हड़कंप मचा दिया है।

अमेरिका के टेलीविजन चैनलों पर जयशंकर के इस बयान की खूब चर्चा हो रही है। जयशंकर के इस बयान के बाद अमेरिका के रुख में भी नरमी देखी जा रही है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को जयशंकर के तीखे बयान के बाद यहां तक कहना पड़ा कि भारत दुनिया का बड़ा लोकतंत्र है। अंततः हम भारत के साथ आ ही जाएंगे।

जयशंकर के बयान की अमेरिका में चर्चा : जयशंकर ने क्या बयान दिया है, आइये आपको बताते हैं। दरअसल रूस से भारत के तेल खरीदे जाने के आरोपों पर जयशंकर ने कहा कि अगर अमेरिका को भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने से समस्या है तो वह भारत से शोधित तेल खरीदना बंद कर दे। जयशंकर के इस तल्ख बयान से अमेरिका के होश उड़ गए हैं। अमेरिका के फॉक्स टीवी चैनल पर एक एंकर ने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से ऐसा ही सवाल पूछा। एंकर ने कहा, ₹भारत के विदेश मंत्री ने कहा है कि अगर अमेरिका को भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने से समस्या है, तो वह भारत से रिफाइंड (परिष्कृत) तेल खरीदना बंद कर सकता है...इस पर आपका क्या कहना है?₹ एंकर के इस सवाल पर अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा, ₹खैर, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था। अंततः हम एक साथ आ ही जाएंगे।₹ अमेरिका के इस बयान से साफ है कि वह भारत से दुश्मनी मोल लेने का नुकसान अच्छी तरह से समझ रहा है। अमेरिका का आरोप है कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीदकर उसे शोधित करके अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है। ट्रंप का आरोप है कि इससे रूस को आर्थिक ताकत मिल रही है और यूक्रेन युद्ध रोकने में यह प्रयास बाधा बन रहा है।

पाकिस्तान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के छह जिलों में नदियों के जलस्तर में तेजी से हो रही वृद्धि

पंजाब के छह जिलों में बाढ़ से निपटने के लिए सेना बुलाई

एजेंसी । लाहौर (पंजाब)

पाकिस्तान, 27 अगस्त (हि.स.). पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के छह जिलों में नदियों के जलस्तर में तेजी से हो रही वृद्धि से बाढ़ की आशंका बढ़ गई है. पंजाब सरकार तटीय क्षेत्र के गांवों को खाली करा रही है. साथ ही बचाव और राहत कार्यों में सहायता के लिए छह जिलों में सेना बुलाई गई है. प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने मंगलवार देर रात कहा कि भारत ने रावी नदी पर स्थित अपने थीन बांध के सभी द्वार खोल दिए हैं. इस दौरान बारिश के कारण चिनाब नदी उफान पर है. चिनाब के निचले इलाके में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं. डान अखबार की खबर

के अनुसार, बुधवार आधीरात बाद 2 बजे हेड मराला में चिनाब और हेड जस्सर में रावी नदियां खतरे के निशान को पार कर गईं. इससे इलाके में बाढ़ आ गई. चिनाब पर स्थित हेड खानकी और हेड कादिराबाद भी अगले 24 घंटों के भीतर खतरनाक स्तर को पार कर सकते हैं. अधिकारियों को डर है कि रावी नदी से व्यापक नुकसान हो सकता है. लाहौर और कसूर सहित कई जिलों में आपातकालीन स्थिति उत्पन्न हो गई है. कसूर में 72 गांव और 45,000 निवासी प्रभावित हुए हैं. पाकपट्टन, वेहारी, बहावलनगर और बहावलपुर सहित सतलुज बेसिन में हजारों लोग प्रभावित हुए हैं. अधिकारियों ने बताया कि 14,000 नागरिकों और 17,000 पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है. पीडीएमए ने कहा कि उसने 130 नावें, 115 आउटबोर्ड मोटरें, 500 बचावकर्मी, 1,300 लाइफ जैकेट और 1,600 टेंट भी तैनात किए हैं. रेस्क्यू 1122 ने कहा कि उसने कसूर, ओकारा, पाकपट्टन, बहावलनगर और वेहारी से 28,055 लोगों को निकाला है. पीडीएमए के महानिदेशक इरफान अली काठिया ने नदी-तल और नालों, खासकर देग नाले से तत्काल जल निकासी के आदेश दिए हैं. इस बीच राहत आयुक्त नबील जावेद ने मुर्री और गलियत में भूस्खलन की चेतावनी जारी की है. पंजाब गृह विभाग के एक प्रवक्ता के अनुसार, लाहौर, फैसलाबाद, कसूर, सियालकोट, नरोवाल और ओकारा जिलों में जिला प्रशासन की मदद के लिए सेना की तैनाती की गई है. इस बीच राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल इनाम हैदर मलिक ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान के 7,500 ग्लेशियरों में से लगभग 45 प्रतिशत तेजी से पिघल रहे हैं. इस वर्ष की विनाशकारी बाढ़ मुख्य रूप से हिमनदों के पिघलने के कारण आई है. उन्होंने बताया कि मौजूदा मानसून के 10 सितंबर तक रहने की उम्मीद है. यह मानसून अब तक देश भर में लगभग 800 लोगों की जान ले चुका है.

विदेश मंत्री रुबियो कल अपने इजराइली समकक्ष से मिलेंगे

वाशिंगटन (अमेरिका) । अमेरिका के विदेशमंत्री मार्को रुबियो कल दोपहर विदेश विभाग में इजराइली विदेशमंत्री गिदोन सार से मुलाकात करेंगे. इसी वक्त व्हाइट हाउस में गाजा पर एक बड़ी बैठक होने की उम्मीद है. इसकी अध्यक्षता राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप करेंगे. सीएनएन की खबर के अनुसार, इजराइली विदेशमंत्री गिदोन सार इस समय वाशिंगटन में हैं. रूबियो से मुलाकात के अलावा सार गृह सुरक्षा विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम से भी मुलाकात करने वाले हैं. नोएम इजराइली दूतावास के कर्मचारियों यारोन लिस्चिंस्की और सारा मिलग्राम की हत्या के बाद मई में इजराइल का दौरा कर चुकी हैं. विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा है कि व्हाइट हाउस में गाजा पर होने वाली अहम बैठक की रूपरेखा तैयार की जा रही है.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.

गणेश चतुर्थी आज

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनबाद, बुधवार, 27 अगस्त 2025

भाद्रपद शुक्ल पक्ष 04, संवत 2082

पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹4

वर्ष : 3, अंक : 140

नीरज हत्याकांड

संजीव समेत सभी रिहा

धनबाद, 27 अगस्त 2025: झारखंड के धनबाद में बहुचर्चित नीरज सिंह हत्याकांड मामले में आज विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। इस सनसनीखेज मामले में झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह समेत सभी 11 आरोपियों को बरी कर दिया गया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष अपराध को साबित करने में विफल रहा। यह फैसला 21 मार्च 2017 को हुई पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह और उनके तीन साथियों—अशोक यादव, घल्टू महतो और मुन्ना तिवारी—की हत्या से जुड़ा है, जिसमें सैकड़ों राउंड गोलियां चलाई गई थीं।फैसले के दिन धनबाद कोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व थी। कोर्ट के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, और परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया था।

फैसले से पहले कोर्ट के बाहर संजीव सिंह के समर्थकों की भारी भीड़ जमा थी, जो उनके पक्ष में नारे लगा रहे थे। जैसे ही कोर्ट ने संजीव सिंह और अन्य आरोपियों को बरी करने का ऐलान किया, समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कोर्ट परिसर के बाहर "संजीव सिंह जिंदाबाद" के नारे गूंजने लगे। समर्थकों ने इसे "सत्य की जीत" करार दिया। संजीव सिंह की पत्नी और झरिया की वर्तमान बीजेपी विधायक रागिनी सिंह ने कहा, "हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा था। आज असत्य पर सत्य की जीत हुई है।"नीरज सिंह हत्याकांड कोयलांचल की सियासत और कोयला कारोबार में वर्चस्व की लड़ाई से जोड़ा जाता रहा है। नीरज सिंह और संजीव सिंह, जो चचेरे भाई थे, एक ही राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखते थे, लेकिन उनके बीच लंबे समय से तनाव था। इस हत्याकांड ने 2017 में पूरे धनबाद में सनसनी फैला दी थी। संजीव सिंह 2017 से जेल में थे और हाल ही में 8 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट से उन्हें जमानत मिली थी।फैसले के बाद संजीव सिंह के समर्थकों ने धनबाद में जश्न मनाया। रागिनी सिंह ने कहा कि संजीव जल्द ही जनता की सेवा में फिर से जुटेंगे। दूसरी ओर, नीरज सिंह के समर्थकों में निराशा देखी गई। इस फैसले ने धनबाद की सियासत में नई चर्चा छेड़ दी है।

नीरज सिंह हत्याकांड के किरदार

सरायढ़ेला पुलिस ने लंबे अनुसंधान के बाद कोयलांचल में सनसनी फैलाने वाले इस शूट आउट में भूमिका निभाने वाले हर किरदार एवं उसके द्वारा किए गए कामों के विषय में विस्तार से लिखकर चार्जशीट दायर की थी. तो चलिए जानते हैं इन प्रमुख किरदारों को.

धनंजय सिंह - धनंजय सिंह उर्फ रणधीर धनंजय सिंह उर्फ धनजी सिंह विधायक का निजी बॉडीगार्ड जो सालों से विधायक के संग रहता था. चार्जशीट के मुताबिक उसने हत्या में दो भूमिका निभाई है. पहली भूमिका विधायक, पंकज, डबलू, संजय के साथ मिलकर मेंशन एवं कैमूर में नीरज सिंह की हत्या की योजना बनाई. दूसरे भूमिका हत्या के दिन नीरज की रैकी की और उसकी हर सूचना शूटर तक पहुंचाई.

डबलू मिश्राः-डबलू मिश्रा उर्फ मृत्युंजय मिश्रा उर्फ मृत्युंजय गिरी उर्फ राकेश मिश्रा विधायक का करीबी. रंजय की हत्या के बाद धनजी ने इसे फोन कर समस्तीपुर से बुलाया. शूटरों को मकान दिलाने में अहम भूमिका निभाई. डायरी के पाराग्राफ 369 घटना से एक दिन पूर्व ही 20 मार्च को डबलू समस्तीपुर भाग गया था. डबलू के मोबाईल नंबर 7677302667 एवं उसकी बेटी के पास मौजूद मोबाईल नंबर 7361090110 का सीडीआर इस बात की पुष्टि करता है. डबलू ने शूटरों को हर वो जरूरी सामान उपलब्ध कराया, जिसकी उन्हें जरूरत पड़ी.

संतोषः संतोष विधायक का बेहद करीबी. फर्जी आईडी कार्ड से इसने सिम कार्ड लिया. उसी सिम से वह शूटरों से बात करता था. शूटरों की बात विधायक और पंकज तक और विधायक की बात पंकज और शूटरों तक पहुंचाता था. इसने इस मामले में एक काबिल लाईजनर की भूमिका निभाई. पंकज के साथ मिलकर इसने ही हथियार की व्यवस्था की थी.

पंकज सिंहः सुल्तानपुर लम्भुआ निवासी पंकज सिंह विधायक का बेहद करीबी. मुन्ना बजरंगी ग्रुप का शार्प शूटर. इसने ही हत्या की सुपारी ली थी. रंजय की हत्या के बाद वह धनबाद आया था. संतोष ने उसे बुलाया था. पहले दिल्ली के दो शूटरों मोनू एवं सोनू के साथ सौदा तय किया. नीरज के बाहर चले जाने के कारण काम नहीं बन पाया. फिर वह वापस चला गया. होली के तीन-चार दिन पहले वह मेंशन आया. फिर अपने साथी शूटरों को बुलाया. हत्या को अंजाम देकर आसनसोल के रास्ते फरार हो गया.

पिन्टू सिंहः- पिन्टू सिंह उर्फ जैनेन्द्र सिंह बड़े भाई राजीव रंजन का मित्र. चार्जशीट के मुताबिक हत्या की योजना की उसे पूरी जानकारी थी. संतोष के मार्फत अपनी बात शूटरों तक पहुंचाता था. हत्या के वक्त इसका लोकेशन घटनास्थल के पास था. पुलिस ने दावा किया है कि इसने शूटरों को भगाने में मदद की.

संजय सिंह । विधायक के करीबी रंजय सिंह का भाई संजय सिंह मेंशन का पुराना सेवादार. पिन्टू, धनजी, डबलू, संजीव के अलावे इसे भी हत्या के योजना की पूरी जानकारी थी. शूटर कब आएंगे, कहां ठहरेंगे, डबलू के साथ मिलकर इसने तय किया था. विधायक ने संजय, संतोष एवं पंकज को हत्या की जिम्मेवारी दी थी.

संजीव सिंह - मेंशन के बंटवारे के विवाद को लेकर अर्से से नीरज से अदावत थी. नीरज की बढ़ती लोकप्रियता से भी विधायक संजीव विचलित हो गए थे. विधायक के दाहिना हाथ माने जाने वाले रंजय सिंह की हत्या ने विधायक को और विचलित कर दिया था. उसे लगने लगा था कि कहीं उसकी भी हत्या न हो जाए. प्रतिशोध में जल रहे संजीव ने अपने करीबियों के साथ मिलकर नीरज के कब्र में कील ठोंक दी. मेंशन एवं कैमूर में संजय, डबलू, पंकज, संतोष के साथ बैठकर हत्या की पूरी प्लानिंग तैयार कर ली. शूटरों को संतोष के साथ मिलकर पनाह दिलाया और उन्हें बाहर निकलने में मदद की. घटना के वक्त विधायक का लोकेशन भी सरायढ़ेला पाया गया.

पुलिस फाइल में संपत्ति विवाद : सिंह मेंशन सूर्यदेव सिंह की संपत्ति है. इसमें तुमलोगों को कुछ नहीं मिलेगा. हिस्सा मांगना छोड़ दो. यदि भविष्य में फिर बंटवारा की बात किया तो अंजाम भुगतने को तैयार रहो. सिंह मेंशन में बंटवारे की बात करने गए नीरज सिंह को विधायक संजीव ने घटना से पहले धमकी दी थी. विधायक ने नीरज को चांटा भी मारा था. यह बयान पुलिस को नीरज के भाई व कांड के सूचक अभिषेक सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने दी थी. गुड्डू ने दावा किया है कि संपत्ती विवाद के कारण ही संजीव ने उसके भाई नीरज की हत्या करवाई गई है.

सुप्रीम कोर्ट ने दिया था छह माह में मुकदमे के निष्पादन का आदेश

नीरज सिंह हत्याकांड में सर्वोच्च न्यायालय ने 22 मार्च 25 को एक बड़ा आदेश देते हुए नीरज सिंह हत्याकांड की सुनवाई 6 माह में पूरी करने का आदेश मामले की सुनवाई कर रहे जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनबाद की अदालत को दिया था. मामले के सूचक अभिषेक सिंह ने सर्वोच्च न्यायालय में एसएलपी संख्या 17990/24 दायर कर गुहार लगाई थी कि इस मामले में बीते 8 वर्षों से फैसला नहीं हो पाया है. बचाव पक्ष लगातार इसे लंबा खींचने का प्रयास कर रहा हैं, जिस पर सुनवाई के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने छह माह में सुनवाई पूरी करने का आदेश दिया था.

मार्च से अगस्त तक लगातार 95 तारीख

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए समय के मुताबिक 14 अगस्त में छह माह की अवधि पूरी होने वाली थी। लिहाजा सुनवाई कर रही अदालत ने 22 मार्च 25 से मुकदमे में लगातार सुनवाई शुरू हुई 22 मार्च 25 से लेकर लगातार 13 अगस्त 25 तक सुनवाई के दौरान मुकदमे में कुल 95 तारीख पड़े. इस दौरान बचाव पक्ष ने अपना साक्ष्य और बहस की.

शहर में रही चाक चौबंद व्यवस्था

प्रमुख चौराहों पर चला चेकिंग अभियान, दो पहिया और चार पहिया वाहनों की चेकिंग

कोर्ट परिसर में धारा 144 लागू, इस सख्ती का नहीं दिखा कोई खास असर

धनबाद । धनबाद शहर में इस चर्चित हत्याकांड में फैसले को लेकर जिला पुलिस काफी सजग रही. न सिर्फ कोर्ट परिसर बल्कि शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर चेकिंग अभियान दिन भर चलाया गया. चार पहिया वाहनों की डिक्की को खोलकर पुलिस वालों ने चेक किया. इसके साथ ही कोर्ट परिसर में प्रवेश से पूर्व ही सभी की चेकिंग हो रही थी. सतर्कतावश प्रशासन ने कोर्ट परिसर में धारा 144 लागू कर रखा था, हालांकि कोर्ट परिसर में इस सख्ती का कोई खास असर देखने को नहीं मिला. मंगलवार की रात से धनबाद शहर के प्रवेश मार्गों में चेकिंग अभियान शुरू कर दी गई थी. मटकुरिया, धनसार, झरिया, कोर्ट मोड़, रणधीर वर्मा चौक आदि स्थानों पर पुलिस वाले तैनात रहे. देर रात तक पुलिस की सख्ती जारी रही.

बीच सड़क पर गूंजी थी गोलियों की तड़तड़ाहट

शाम का अंधेरा फैलने से पहले बुझ गए थे चार घरों के चिराग

शुभम संदेश

धनबाद । कोयला राजधानी धनबाद 21 मार्च 2017 की उस भयावह शाम को आज भी नहीं भूल पाई है, जब ठीक शाम 7 बजे शहर की सड़कों पर गोलियों की तड़तड़ाहट ने दहशत का ऐसा मंजर बना दिया था कि लोग सहम उठे थे. अंधाधुंध फायरिंग में नीरज सिंह, उनके करीबी अशोक यादव, निजी अंगरक्षक मुन्ना तिवारी और ड्राइवर घोल्टू की मौके पर ही मौत हो गई थी.

शाम का समय था और अंधेरा हो रहा था. इसी बीच सरायढेला स्टील गेट के जिगजैग ब्रेकर के पास नीरज सिंह की काली रंग की स्कार्पियो धीमी होती है. इससे पहले ही स्कार्पियो जिगजैग को क्रास करती, तभी उनके चालक को सामने से चलाई गई एक गोली आकर लगती है. इसके बाद फिर गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका गूंज उठता है. एक एक कर गोलियों की बौछार कर दी जाती है. स्कार्पियो में नीरज सिंह आगे में चालक के बगल वाली सीट पर बैठे होते हैं, जो गोलियों से छलनी हो जाते हैं और उनके साथ स्कार्पियो पर सवार अन्य तीन लोगों की भी मौत

हो जाती है. पुलिस रिकार्ड के मुताबिक शूटरों ने नाइन एमएम पिस्टल से गोलियां चलाई थी. पुलिस के मुताबिक चार शूटर थे और उन्होंने गोलियां खत्म होने के बाद अपने मैगजीन भी बदले थे और फिर फायरिंग की थी. यानी कि पिस्टल की गोलियां खत्म होने के बाद फिर से पिस्टल में गोलियां लोड की गई और फिर गोलियां बरसाई गई थी. एक महिला चश्मदीद जो स्कूटी पर सवार थी, उसने शूटरों को देखा था. उसने वारदात के बाद बताया था कि वो भी ब्रेकर के पास ही गिर गई थी. गोलियां चलने की आवाज पर उसने देखा था कि एक शूटर दनादन फायर कर रहा था. एक बार उसने अपनी पिस्टल का मुंह उस महिला की तरफ भी किया था, जब महिला डर के मारे आंखें बंद कर वहीं पर लेट गई थी. थोड़ी देर बाद जब गोलियों की आवाज बंद हुई तो उसने अपनी आंखें खोली थी. तब तक शूटर वहां से फरार हो चुके थे. तब महिला की जान में जान आई थी.

जाते-जाते गर्दन पर मारी थी गोली :

शूटरों ने पहले तो वाहन पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी. इसके बाद जब उन्हें लगा कि सभी को मौत के घाट उतार दिया है. तब जाकर उनमें से एक शूटर खुद नीरज सिंह की सीट की तरफ गया, वहां जाकर उसने नीरज सिंह को करीब से देखा और फिर अपनी पिस्टल से एक गोली नीरज सिंह की गर्दन पर भी चलाई थी. शूटर का इरादा था कि नीरज सिंह के जिंदा बचने का कोई चांस न हो, और हुआ भी ऐसा ही. गोलियों से छलनी नीरज सिंह की मौत हो गई.